हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

गुस्से में देश...

रायपुर के कारोबारी दिनेश की पत्नी और बेटे को शाह ने दिया दिलासा, कहा- आतंकियों को नहीं बख्शेंगे, झुकेगा नहीं भारत

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश आतंकवाद के आगे घुटने नहीं टेकेगा और जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। गृह मंत्री ने हमले मारे गए लोगों के परिवारों और जीवित बचे अन्य लोगों से बातचीत की। आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित ▶▶| शेष पेज 7 पर

हिट लिस्ट में पांच आतंकी

तीन के स्केच जारी, ऐसे दिखते हैं आतंकी

दो स्थानीय, तीन पाक आतंकी

शुरुआती जांच में पता चला है कि हमले में 5 आतंकी शामिल थे। इनमें से दो लोकल और 3 पाकिस्तानी आतंकी थे। पुलिस ने पूछताछ के लिए सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया है। सुरक्षा और इंटेलिजेंस एजेंसियों ने पहलगाम अटैक के संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। इनके नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा बताए गए हैं।

पहलगाम हमला: हमले का मास्टर माइंड लश्कर-ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद

हैवी ड्यूटी बॉयो डाईजेस्टर
अन्डरग्राउण्ड सेप्टिक टैंक

GUJRAAJ
9479088739

बड़ा एक्शन...भारत में पाक दूतावास और अटारी बॉर्डर बंद, सिंधु जल समझौता रोका

कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद देशभर में गुस्सा है। बुधवार को भारत सरकार ने सख्त कदम उठाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट मीटिंग में कड़े फैसले लिए गए। भारत ने सिंधु जल समझौता रोक दिया है, वहीं पाकिस्तान दूतावास और अटारी बॉर्डर को बंद करने का निर्णय लिया है। इस बीच, केंद्र सरकार ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को स्थिति का जायजा लेने और सरकार की रणनीति पर विचार-विमर्श करने के लिए सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में प्रधानमंत्री के अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और वरिष्ठ नौकरशाह मौजूद थे। शाह ने प्रधानमंत्री को हमले के बारे में जानकारी दी तथा इस घटना के बाद उठाए गए कदमों पर चर्चा की।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी सीसीएस का हिस्सा हैं लेकिन वह बैठक में शामिल नहीं हो सकीं, क्योंकि वह देश में नहीं है। बैठक में कैबिनेट सचिव टी वी सोमनाथन, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, विदेश सचिव विक्रम मिस्री के अलावा प्रधानमंत्री के दो प्रधान सचिव पी के मिश्रा और शक्तिकांत दास भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को सऊदी अरब से सुबह-सुबह वापस आ गए। प्रधानमंत्री ने अपने आगमन के तुरंत बाद हवाई अड्डे पर एक बैठक की, जिसमें उन्होंने जयशंकर और डोभाल के साथ जम्मू-कश्मीर आतंकी हमले पर चर्चा की। विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी बैठक में मौजूद थे। इससे पहले, शाह ने पहलगाम के बैसरन का दौरा किया, जहां आतंकवादियों ने हमला किया था। साथ ही उन्होंने उस अस्पताल का भी दौरा किया जहां कुछ घायलों को भर्ती कराया गया।

खास बातें

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट मीटिंग
- केंद्र सरकार ने गुरुवार को बुलाई सर्वदलीय बैठक
- मृतकों में छत्तीसगढ़, यूपी, गुजरात, मप्र, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा के पर्यटक
- नेपाल और यूएई के एक-एक पर्यटक और दो स्थानीय भी मारे गए
- जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने पूछताछ के लिए सैकड़ों हिरासत में

छह दिन में सुहाग उजड़ा... नेवी अफसर की पत्नी अंतिम विदाई पर बिलखती रहीं

भारतीय नौसेना के अधिकारी विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी ने तिरंगे में लिपटे अपने पति के ताबूत को गले लगाकर अंतिम विदाई दी। अंतिम विदाई समारोह में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की आंखों में आंसू थे। विनय और हिमांशी का विवाह 16 अप्रैल को हुआ था और दोनों जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 'हनीमून' के लिए गये थे। हिमांशी ने कहा, भगवान उनकी (विनय नरवाल) आत्मा को शांति दे। हमें उन पर हर तरह से गर्व होना चाहिए। और हम उन्हें हर तरह से गौरवान्वित करेंगे। हिमांशी ने आईजीआई पर अपने पति नरवाल को सलाम करते हुए कहा, 'जय हिंद।

रायपुर पहुंचा कारोबारी का शव

राजधानी रायपुर के स्टील कारोबारी दिनेश मिरानिया का शव दिल्ली से फ्लाइट के जरिए रायपुर लाया गया। एयरपोर्ट से घर पहुंचने पर डिप्टी सीएम अरुण साव, मंत्री ओपी चौधरी, टंकराम वर्मा समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। समता कॉलोनी स्थित उनके घर के अंदर और बाहर लोगों की भीड़ जुटी रही।

आपदा में अवसर ...

श्रीनगर से फ्लाइट का किराया तीन गुना तक बढ़ाया

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एयरलाइंस ने किराया तीन गुना तक बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूजर्स इसकी शिकायत कर रहे हैं। वहीं इस मामले में भी सरकार हरकत में आ गई है । उसके बाद किराए मे कटौती की गई।

सीएम साय मुंबई दौरा बीच में ही रद्द कर लौटेंगे रायपुर

रायपुर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दो दिवसीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार की सुबह लौटेंगे। मुख्यमंत्री गुरुवार को मुंबई में इंडिया स्टील-2025 के समारोह में हिस्सा लेने गए थे। मुख्यमंत्री वहां से गुरुवार देर रात लौटने वाले थे। अब वे सुबह 5.30 बजे इंडिगो की फ्लाइट से रवाना होकर सुबह 8.20 बजे रायपुर पहुंचेंगे। बताया जाता है कि लौटने के बाद आतंकी हमले में मारे गए समता कॉलोनी निवासी दिनेश मिरानिया के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री मुंबई रवाना होने से पहले मृतक दिनेश की पत्नी नेहा से फोन पर बात कर ढांढस बंधाया था।

भारत के ये पांच फैसले, पाक पर ऐसा होगा असर

- पाकिस्तान को राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे पर चोट
- कश्मीर से लौटने वाले पर्यटकों के लिए विशेष ट्रेन और विमान सेवा

सिंधु जल समझौते पर रोक

1 अब बूंद-बूंद पानी को तरसेगा पाकिस्तान

साल 1960 में हुए सिंधु जल समझौता को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखने का निर्णय लिया गया है। पाकिस्तान के लिए लाइफ लाइन कही जाने वाली सिंधु और सहायक नदियों के पानी पर हिंदुस्तान का नियंत्रण होते ही वहां के लोग पानी के लिए तरस जाएंगे। सिंधु और सहायक नदियां चार देशों से गुजरती हैं। इतना ही नहीं 21 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या की जल जरूरतों की पूर्ति इन्हीं नदियों पर निर्भर करती है। भारत के उपयोग के बाद बचा हुआ पानी पाकिस्तान चला जाता है, जबकि पश्चिमी नदियां जैसे सिंधु, झेलम और चिनाब का लगभग 135 मिलियन एकड़ फीट वार्षिक जल पाकिस्तान को आवंटित किया गया है।

2 इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट अटारी बंद होगा

इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट अटारी को तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है। वैध अनुमति के साथ जो लोग इस रास्ते से भारत आए हैं। वे 1 मई से पहले इसी रास्ते से वापस जा सकते हैं। अबतक भारत से जो छोटे-छोटे सामानों की आवाजाही भारत से होती थी वह भी पूरी तरह से बंद हो जाएगी।

3 पाक नागरिकों के लिए वीजा पाबंदी

भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानियों का वीजा रद्द कर दिया है। पाकिस्तानी नागरिकों को अब एसएएआरसी वीजा छूट योजना के तहत भारत यात्रा की इजाजत नहीं दी जाएगी। पहले जारी सभी एसवीईएस वीजा निरस्त माने जाएंगे। किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को 48 घंटों के भीतर भारत छोड़ना होगा।

4 रक्षा सलाहकारों को देश छोड़ने का आदेश

नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा-सेना, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक हफ्ते का वक्त दिया गया है। भारत इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग से भी रक्षा/नौसेना/वायुसेना सलाहकारों को वापस बुलाएगा।

5 उच्चायोग कर्मचारियों में कटौती का फैसला

दोनों उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 करने का फैसला लिया गया है। ये फैसला 1 मई तक लागू किया जाएगा। पाकिस्तानी रक्षा सलाहकारों को निष्कासित करना और भारत के रक्षा सलाहकारों को वापस बुलाना दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक संबंधों को न्यूनतम स्तर पर ला देगा।

INDIAN PREMIER LEAGUE स्कोर बोर्ड

हैदराबाद 143/8 VS मुंबई 146/3

7 विकेट से जीता मुंबई

4 विकेट : ट्रेंड बोल्ट
प्लेयर ऑफ द मैच

आज का मैच
बेंगलुरु VS राजस्थान
समय : शाम 7.30 बजे

आतंकी तहव्वुर की याचिका पर एनआईए का विरोध

नई दिल्ली। मुंबई आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा ने परिवार से बात करने के लिए एनआईए की स्पेशल कोर्ट में याचिका दाखिल की। बुधवार को इस याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान जांच एजेंसी एनआईए ने याचिका का विरोध किया।

मां की हत्या देख रोए थे मासूम, अदालत से मिला इंसाफ

मासूमों की गवाही से मिला न्याय, पिता को उम्रकैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

कुनकुरी के तुमला गांव में वर्ष 2023 में हुई एक दर्दनाक पारिवारिक हत्या के मामले में आखिरकार दो साल बाद न्यायालय ने कड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। आरोपी पूरन मुण्डा को अपनी पत्नी अनिता मुण्डा की नृशंस हत्या के आरोप में आजीवन सश्रम कारावास की सजा दी गई है। यह फैसला द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश बलराम कुमार देवांगन की अदालत ने सोमवार को सुनाया। फैसले में अदालत ने कहा मामूली घरेलू विवाद के चलते एक निर्दोष महिला की हत्या न केवल घोर ▶▶| शेष पेज 7 पर

घर में ही मची थी हैवानियत

घटना 3 अप्रैल 2023 की है, जब तुमला फोकटपारा निवासी पूरन मुण्डा (40 वर्ष) ने शाम करीब 5:30 बजे घरेलू विवाद के दौरान अपनी पत्नी पर लोहे की टांगी से हमला कर दिया था। यह हमला इतना बेरहम था कि पत्नी अनिता की मौके पर ही मौत हो गई। इस वीभत्स घटना के चश्मदीद उनके दो मासूम बच्चे सलीमा मुण्डा और समीर मुण्डा रहे, जिन्होंने बाद में पुलिस और अदालत में गवाही देकर अपराधी पिता को सजा दिलवाने में अहम भूमिका निभाई।

तीसरी लाइन निर्माण के कारण बंद होगी आवाजाही

नागपुर डिवीजन के राजनांदगांव से कलमना के बीच होगा तीसरी लाइन का काम

36 ट्रेनें पटरी पर आई नहीं कि 50 ट्रेनों के पहिए फिर रूक जाएंगे, कल से संचालन बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

रेल मंडल बिलासपुर के बिलासपुर-झारसुगुड़ा के बीच रायगढ़ से कोतरलिया रेलवे स्टेशन के बीच 2100 करोड़ रुपए की लागत से 206 किलोमीटर चौथी रेल लाइन काम की वजह से वर्तमान में रद्द की गई 36 ट्रेनों के पहिए अभी पटरी पर नहीं आए हैं। वहीं 25 अप्रैल से 6 मई यानि 12 दिन तक रेल प्रशासन ने नागपुर डिवीजन के राजनांदगांव से कलमना स्टेशन के बीच तीसरी लाइन का काम करने के लिए हावड़ा-मुम्बई की मुख्य ट्रेनें सहित 50 एक्सप्रेस, पैसेंजर ▶▶| शेष पेज 7 पर

तीसरी लाइन 228 किलोमीटर

रेलवे के अनुसार राजनांदगांव से कलमना तक बनने वाली तीसरी लाइन 228 किलोमीटर है, जिसकी लागत 3540 करोड़ रुपए है। इस कार्य के कारण 50 से अधिक एक्सप्रेस, सुपरफास्ट और पैसेंजर ट्रेनों को रद्द करने का आर्डर दिया गया है।

कुछ ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से

रद्द ट्रेनों के साथ कुछ ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से भी चलाई जाएगी, इसमें 24 अप्रैल एवं 1 मई को 16367 कन्याकुमारी-बनारस एक्सप्रेस बल्लारशाह, नागपुर, इटारसी एवं जबलपुर होकर, 27 अप्रैल एवं 4 मई को 16368 बनारस-कन्याकुमारी एक्सप्रेस जबलपुर, इटारसी, नागपुर एवं बल्लारशाह स्टेशन होकर, 3 मई को 12152 शालीमार-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस कटनी, जबलपुर, इटारसी, भुसावल होकर, 4 मई को 12389 गया-चेन्नई एक्सप्रेस ▶▶| शेष पेज 7 पर

इन ट्रेनों के थमेंगे पहिए

- 25 अप्रैल से 6 मई तक 78803 गोंदिया-कटंगी मेमू स्पेशल।
- 25 अप्रैल से 6 मई तक 78804 कटंगी-गोंदिया मेमू स्पेशल।
- 4 मई को 58205 रायपुर-नैनपुर पैसेंजर।
- 5 मई को 58206 नैनपुर-रायपुर पैसेंजर।
- 5 मई को 68743 गोंदिया-नैनपुर मेमू पैसेंजर।
- 5 मई को 68744 नैनपुर-गोंदिया मेमू पैसेंजर।
- 2 से 6 मई तक 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर।
- 3 से 7 मई तक 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर।
- 23, 26, 28, 30 अप्रैल, 3, 5 मई को 11754 रींवा-नैनपुर एक्सप्रेस।
- 24, 27, 29 अप्रैल, 1, 4, 6 मई को 11753 नैनपुर-रींवा एक्सप्रेस।
- 4 मई को 22905 ओखा-हावड़ा एक्सप्रेस। ▶▶| शेष पेज 7 पर

कश्मीर के पहलगाम में 23 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में निर्दोष पर्यटकों के मारे जाने वाली घटना का आक्रोश पूरे देश के साथ प्रदेश में भी दिखाई दिया। बिलासपुर में नागरिकों और युवाओं ने इसके विरोध में आतंकवादी संगठन टीआरएफ जिसने इस घटना की जिम्मेदारी ली है और आतंकवादी संगठनों को पूरी मदद पहुंचाने वाले पाकिस्तान का झंडा जलाया। इधर भिलाई, धमतरी, राजनांदगांव सहित अन्य जगहों पर भी पुतला फूंका गया।

प्रदेश में गुस्सा

पहलगाम हमले के विरोध में पाकिस्तान और आतंकवादी संगठन टर्फ का झंडा जलाया गया

बिलासपुर

युवाओं ने कैंडल मार्च निकाला, दी श्रद्धांजलि

पहलगाम की घटना का विरोध करते हुए बिलासपुर के नागरिकों और युवाओं ने एक राय होकर कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्री है और वह चुकी तीन बार भारत से युद्ध में हार चुका है अतः आमने-सामने की लड़ाई लड़ने की हिम्मत उसमें नहीं है इसलिए यह की छद्म युद्ध आतंकवादियों के माध्यम से वह भारत के खिलाफ लगातार जारी रखे हुए हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने महामाया चौक में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया।

भिलाई

जगह- जगह हुए विरोध प्रदर्शन

कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा निहत्थे हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या के विरोध में दुर्ग-भिलाई में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हुए। पाकिस्तानी आतंकियों का पुतला फूंका गया। शाम 7 बजे सिविक सेंटर स्थिति अर्जुन रथ के करीब श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

धमतरी

आतंकवाद का फूंका पुतला

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में हिंदू जागरण मंच के द्वारा बुधवार को शाम 7.30 बजे घड़ी चौक में आतंकवाद का पुतला जलाया गया। साथ ही हमले में शहीद हुए भारत देश के हिंदू पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाजपाई और भाजयुमो ने भी पुतला दहन किया है।

राजनांदगांव

विद्यार्थी परिषद ने जलाया पुतला

आतंकवादी हमले का विरोध करते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा शहर के शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के सामने आतंकवाद का पुतला दहन किया गया। इस दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आतंकवाद के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करने के मांग की है।

खबर संक्षेप

पंजाब का हेरोइन बेचते तीन युवक गिरफ्तार

भिलाई। पंजाब का हेरोइन (चिट्टा) का अवैध कारोबार करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर शिवनाथ नदी, महमरा रोड के पास दबिश देकर तीन युवकों को गिरफ्तार किया। पूछताछ करने पर युवकों ने अपना नाम मैत्रीकुंज रिसाली निवासी विशाल सिंग, टी मार्केट पावर हाउस बीरेन्द्र पारधी उर्फ बीरा, संतोषी पारा कैंप-2 अतुल कुमार बताया है। युवकों से पुलिस ने 74.34 ग्राम हेरोइन जब्त किया है। जिसकी कीमत 6.14 हजार 240 रुपए आंकी गई है। आरोपियों के पास से पुलिस ने चिट्टा बेचने की रकम नगद 1,230 रुपए और 3 मोबाइल बरामद किया है। जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया।

नाबालिग सहित दो गांजा तस्कर हुए गिरफ्तार

कोंटा। गांजा तस्करी विरोधी अभियान के तहत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है । मुखबिर की सूचना पर मोटर सायकल में अवैध गांजा तस्करी कर रहे दो लोगों को घेराबंदी कर कृष्णा मंदिर पारा कोंटा के पास पकड़ा गया । जिनसे तलाशी लेने पर साढ़े आठ किलो अवैध गांजा मोटर सायकल दो मोबाईल 1,36,670 रूपये की सामग्री जब्त की गई। एक नाबालिग विधि से संघर्षरत बालक होने से नियमानुसार कार्यवाही की गई। दोनों को न्यायालय व किशोर न्याय बोर्ड सुकमा में पेश कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है। आरोपी मुकाडाला तिरूमाल नाग फनीन्द्र 24 वर्ष मेन रोड नियर शिवालायाम कालोनी रोमपीचेरला तहसील रोमपीचेरला थाना रोमपीचेरला जिला गुंटूर आंध्रप्रदेश ग्राम नरसारावपेट थाना नरसारावपेट जिला गुंटूर आंध्रप्रदेश व एक नाबालिग विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया गया।

अलग-अलग हादसों में दो युवको की मौत

भिलाई। अलग-अलग हादसे में दो युवकों की मौत हो गई है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि ट्रेन से गिरकर युवक की मौत हो गई है। युवक का शिनाख्त केन्द्रपाड उड़िसा निवासी रंजन सामल 32 वर्ष के रुप में हुई है। युवक उड़िसा से कमाने खाने गुजरात के सूरत गया था। सूरत - पुरी एक्सप्रेस ट्रेन में उड़िसा जा रहा था। दुर्ग से रायपुर की ओर जाते समय रंजन सामल ट्रेन के दरवाजे पर बैठा हुआ था। तभी अनियंत्रित होकर वह सिरसा अण्डरब्रिज के पास गिर गया। शव को मरचूरी में रखवा दिया है। दूसरी घटना में 21 अप्रैल को सिरसा कला में शादी कार्यक्रम निपटाकर बाइक से गांव मोरिद लौटते समय दीपक निर्मलकर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए निजी अस्पताल खुर्सीपार में दाखिल कराया गया। उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया।

छत्तीसगढ़ सरकार ने सीएमएआई के साथ एमओयू भी साइन किया

देश का नया टेक्सटाइल हब बनेगा छत्तीसगढ़ करोड़ों के निवेश से मिलेगा 1000 को रोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को मुंबई के बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित सीएमएआई फैब शो में भाग लेकर राज्य में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने निवेशकों और टेक्सटाइल क्षेत्र से जुड़े उद्योगपतियों से संवाद कर छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, हमने वस्त्र उद्योग क्षेत्र में निवेश के नए द्वार खोले हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने सीएमएआई (क्लोदिंग मैन्यूफैक्चरर एसोसिएशन ऑफ इंडिया) के साथ एमओयू भी साइन किया। साथ ही छत्तीसगढ़ ने वस्त्र, गारमेंट और हैंडलूम सेक्टर में एक उभरता हुआ केंद्र बनने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा, हाल ही में हमने कैबिनेट में नेशनल इंस्टिट्यूट आफ फैशन डिजाइन के संस्थान को नवा रायपुर में खोलने की मंजूरी दी है। 271 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाले इस संस्थान से छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। सीएमएआई से एमओयू और निफ्ट की स्थापना से चांपा के कोसा जैसे वस्त्रों की ब्रांडिंग, प्रमोशन में बड़ी मदद मिलेगी। कपड़ा उद्योग प्रत्यक्ष रूप से ग्रामीण स्वरोजगार, तकनीक और कौशल विकास से जुड़ा है। नई औद्योगिक नीति में सभी सुविधाओं का ख्याल रखते हुए टैक्सटाइल सेक्टर से जुड़े एमएसएमई को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। हम 1000 से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार देने वाले उद्यमों को विशेष अनुदान दे रहे हैं। 100 करोड़ के इन्वेस्टमेंट में 252 करोड़ की प्रतिपूर्ति हमारी सरकार द्वारा की जा रही है।

खास खबर

सेंट्रल इंडिया की लोकेशन बेहतर कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री ने बताया सेंट्रल इंडिया की हमारी लोकेशन आपको देशभर में सबसे अच्छी कनेक्टिविटी उपलब्ध कराती है। इसी साल से रायपुर एयरपोर्ट में कार्गो की सुविधा आरंभ हो गई है। हमारे यहां 48 हजार करोड़ रुपये की कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। रेलवे नेटवर्क के विस्तार का सबसे अधिक लाभ उद्योग जगत को मिलेगा। रायपुर से विशाखापट्नम तक एक्सप्रेस-वे का निर्माण तेजी से हो रहा है। विशाखापट्नम जैसे पोर्ट से हमारी सीधी कनेक्टिविटी रायपुर में बिजनेस को बहुत विस्तार देगी।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए प्रशिक्षित युवा हो रहे तैयार

मुख्यमंत्री ने कहा टेक्सटाइल इंडस्ट्री को स्किल्ड मैनपावर भी चाहिए। प्रदेश के आईटीआई में टेक्नालॉजी और इनोवेशन पर आधारित एडवांस कोर्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं। टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए भी प्रशिक्षित युवा तैयार हो रहे हैं। हमारे यहां आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान हैं, जिससे दक्ष मानव संसाधन इंडस्ट्री के लिए उपलब्ध हैं।

तेजी से निवेश प्रस्तावों को दी जा रही स्वीकृति

टेक्सटाइल के क्षेत्र में देश में इतनी अच्छी पॉलिसी किसी भी राज्य में नहीं है, इसका लाभ कपड़ा उद्योग से जुड़े छोटे और मझोले उद्यमों को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में उद्यम शुरू करने पर विशेष रियायतें दी गई हैं। उन्होंने कहा सिंगल विंडो सिस्टम, इज ऑफ डूइंग बिजनेस और स्पीड आफ डूइंग बिजनेस की नीतियों के चलते बहुत तेजी से निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति दी जा रही है। इससे अब हम स्पीड और बिजनेस की ओर बढ़ चुके हैं। हमने 350 से अधिक रिफार्म्स किए हैं और निवेश का वातावरण बेहद सहज कर दिया है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के स्टॉल का अवलोकन भी किया और जानकारी ली। उन्होंने बताया कि हमारे पारंपरिक हस्तशिल्प को टेक्सटाइल उद्योग से जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है।

500- 500 रुपए का लगाया अर्थदंड

नक्सलियों के शहरी नेटवर्क के 4 अभियुक्तों को 7 वर्ष का कारावास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

जिला एवं सत्र न्यायालय के विशेष न्यायालय ने नक्सलियों के शहरी नेटवर्क के चार आरोपियों में से तीन अभियुक्तों को विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 के तहत 7 वर्ष की कठोर कारावास, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम की धारा 23 (1), 38 (2) और 39 (2) के तहत 5 वर्ष का कठोर कारावास

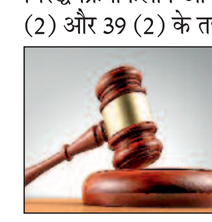

और 500 रुपए का अर्थदंड किया। जुर्माना की सजा सुनाए जाने के साथ ही एक आरोपी को दोषमुक्त किया गया है। इस मामले में भारत सरकार के विशेष लोक अभियोजक दिनेश पाणिग्राही ने शासन की ओर से पैरवी की। न्यायालयीन सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुकमा जिले के कोंटा के बेलपेच्चा क्षेत्र से 8 मार्च 2023 को नक्सलियों को विस्फोटक पहचाने के आरोप में पुलिस ने सेमल दीपक, नारा भास्कर और तेलामुत्ता इन 3 लोगों को विस्फोटक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 (ख) और 5 के साथ विधि विरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम की धारा 23 (1), 38 (2) और 39 (2) के तहत मामला पंजीबद्ध किया था। वही एक चौथे आरोपी पापी पुत्ती रेड्डी को भी 19 मार्च 2023 को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके विरुद्ध भी धारा 4(ख) और 5 के साथ विधि विरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम की धारा 23 (1), 38 (2) और 39 (2) के तहत मामला दर्ज किया था। सत्र न्यायालय के विशेष न्यायालय में इस मामले की सुनवाई की। गवाहों के बयानों के आधार पर न्यायाधीश ने सजा सुनाई है।

संयुक्त खाते की जमीन को फर्जी तरीके से कराई रजिस्ट्री

भूमाफिया की प्रताड़ना से तंग आकर पहाड़ी कोरवा ग्रामीण ने की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले पहाड़ी कोरवा ग्रामीण ने भूमाफिया की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। भूमाफिया ने पहाड़ी कोरवा की 6 एकड़ भूमि को फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करा ली। ठगी का शिकार युवक पुलिस और प्रशासन के दरवाजे पर मदद की गुहार लगाता रहा लेकिन जब उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई तो अन्ततः प्रताड़ना और धमकियों से तंग आकर ग्रामीण ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। युवक द्वारा आत्म हत्या किए जाने के बाद सर्व आदिवासी समाज के साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मामले में रोष जताते हुए आंदोलन की चेतावनी दी जिसके बाद पुलिस ने मामले में उप पंजीयक, पटवारी, भूमाफियाओं समेत सात लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस द्वारा इस मामले की जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि राजपुर के बरियों चौकी अंतर्गत ग्राम भेस्की निवासी भईरा पहाड़ी कोरवा नामक ग्रामीण ने 22 अप्रैल की दोपहर अपने घर के गौठान में फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली थी। पहाड़ी कोरवा ग्रामीण द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द करने के साथ ही मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही थी।

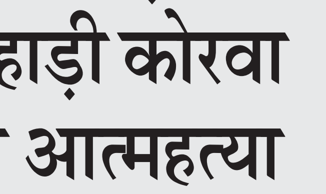

क्या था मामला

इस मामले में भईरा राम के पुत्र संत राम का कहना है कि ग्राम भेस्की में भिन्सासी पति बनउ पहाड़ी क्रोवा, भाला आ. खिरना पहाड़ी कोरवा, जीतु आ. बनउ पहाड़ी कोरवा, संतराम माता जुवारो एवं पिता भईरा पहाड़ी कोरवा के नाम पर संयुक्त खाते में भूमि थी। खसरा नम्बर 210, 213/2, 215, 240/10 241/1, 245 में रकबा क्रमशः 0.656, 0.097, 0.150, 1.259 0.172, 0.134 हे. भूमि मौजूद है। संत राम का कहना है कि उसके मामला बनउ की सामूहिक भूमि को उसकी मां जुवारो को खाता खुलवाने के नाम पर रजिस्ट्री कार्यालय ले जाकर भू माफियाओं द्वारा पटवारी और उप पंजीयक से मिली भगत कर भूमि को शिवा राम नगेशिया के नाम पर बेच दिया गया। ग्रामीण का आरोप है कि गांधी चौक निवासी महेंद्र कुमार गुप्ता, परसागुड़ी निवासी उदय शर्मा, पटवारी राहुल सिंह, राजपुर निवासी विनोद अग्रवाल मधु, प्रवीण अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने 18 नवम्बर 2024 को 14 लाख रूपए में शिवा राम नगेशिया के नाम पर चढ़वा लिया।

दर्ज किया गया है अपराध

पहाड़ी कोरवा ग्रामीण द्वारा आत्म हत्या के मामले में सर्व आदिवासी समाज के साथ ही परिजन ने फर्जी तरीके से जमीन रजिस्ट्री कराने की शिकायत की थी। इस मामले में मृतक के पुत्र की शिकायत पर सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच चल रही है। जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इमानुएल लकड़ा, एसडीओपी

सड़कों पर बिना अनुमति के पंडाल, हाईकोर्ट ने शासन से मांगा जवाब

बिलासपुर। सड़कों पर और सड़कों के किनारे त्यौहारी सीजन में सैकड़ों की संख्या में पंडाल और स्वागत द्वार लगाने से आमजन को हो रही दिक्कतों को लेकर दायर की गई जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान बुधवार को हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव और रायपुर नगर निगम के कमिश्नर से शपथ पत्र मांगा है। शासन की तरफ से बताया गया कि सभी कार्यवाहियां म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा की जाती हैं। अगली सुनवाई 16 जून को होगी। विभिन्न संस्थाओं, संगठनों के द्वारा आयोजन अब जिला प्रशासन की पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना ही आयोजित किया जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में एक ओर आम नागरिक के दैनिक कार्यों में बाधा पहुंचती है एवं व्यवसायिक गतिविधियां भी प्रभावित होती है। वहीं दूसरी ओर कानून व्यवस्था बिगड़ जाने की प्रबल संभावना रहती है।

अवैध शराब पकड़ने गई पुलिस टीम को ग्रामीणों ने घेरा,समझाइश पर छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

एक गांव में अवैध शराब मिलने की सूचना पर नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक पुलिस टीम सुबह गांव जा पहुंची थी। जहां एक युवक के कब्जे से शराब बरामद किया और पुलिस उसे थाने ले जा रही थी। इस बीच पुलिस की कार्रवाई पर ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। ग्रामीणों ने गांव के बीच पुलिस की टीम को ही घेर लिया। कई थानेदार व पुलिस लाइन से बल, पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को समझाइश दी। डेढ़ घंटे बाद पुलिस टीम को मौके से छुड़ाकर वापस लाया गया। अबैध शराब बनाने व बेचने के सूचना पर कोरबा नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के नेतृत्व में एक पुलिस टीम बुधवार की सुबह लगभग 9 बजे ग्राम बेचुलभांठा में मनोज उरांव के घर छापामार कार्रवाई की। चार लीटर महुआ शराब जब्त किया गया। पुलिस मनोज को थाने ले जा रही थी। 4 महिलाएं भी पुलिस के वाहन में बैठ गई और साथ ले जाने की जिद करने लगी। इस बीच ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और कार्यवाही पर नाराजगी जाहिर करते हुए ग्रामीणों ने पुलिस की गाड़ी के आगे पीछे सड़क पर ही घेरकर बैठ गए और जमकर हंगामा करने लगे और मनोज उरांव को छोड़ने की मांग करने लगे।

उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत बेचुलभांठा में जमकर हुआ हंगामा

मुचलका पर छोड़ा गया

ग्राम बेचुलभांठा में निवासरत मनोज उरांव के कब्जे से 4 लीटर महुआ शराब जब्त किया गया है जिसके खिलाफ 34 (1) आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। कार्यवाही को लेकर ग्रामीणों ने गांव में विरोध किया था। ग्रामीणों को समझाइश दी गई और मनोज उरांव को जमानत मुचलके पर छोड़ा गया जिसके बाद मामला शांत हुआ।

भूषण एक्का, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा

संभाग के सातों डीएमओ का दावा 94 प्रतिशत उठाव हो चुका पूरा

26.50 लाख क्विंटल से अधिक धान धूप, बारिश में हो रहा खराब

अनिल सामंत ▶▶| जगदलपुर

समर्थन मूल्य पर धान बीते खरीफ वर्ष में रिकॉर्ड खरीदी 14042164 क्विंटल दर्ज की गई। लेकिन खरीदी के इन 4 माह बाद भी सम्भाग के 382 उपार्जन केंद्रों में मिलरों को जारी 7993684 और संग्रहण केंद्र को प्रदाय 5314619 क्विंटल कुल 11363099 क्विंटल धान के बाद भी आज भी अनेक उपार्जन केंद्रों में 2679065 क्विंटल धान खुले आसमान के नीचे जाम है। बस्तर में सप्ताहभर पूर्व भीषण धूप और गर्मी से खुले में पड़े धान में सूखत की समस्या आई थी अब पिछले 5-6 दिनों से बस्तर में लगातार बदल रहे मौसम और बारिश से धान में स्वाभाविक तौर पर भीगने की शिकायत आई होगी। हालांकि जिला विपणन अधिकारी अपनी लापरवाही छुपाने एक दाना धान नुकसान नही होने का दावा करते है। बल्कि समूचे सम्भाग में 94 प्रतिशत धान उठाव की दुहाई देकर अपनी पीठ थपथपाते है। ग्राउंड जीरो की पड़ताल के बाद यह खुलासा हुआ कि बस्तर जिले के कोलावल लेम्प्स सोसाइटी में ही 2 हजार क्विंटल धान खुले आसमान की नीचे जाम है। इसी तरह यदि हम पूरे जिले की बात करे तो बस्तर जिले में आज भी विभिन्न उपार्जन केंद्रों में 31749 क्विंटल धान उठाव की राह ताक रहे।

प्रबंधको को उठाव के निर्देश

बस्तर जिले के जिन लेम्प्स सोसाइटियों में धान का उठाव शेष है,उन्हें तत्काल उठाव के निर्देश दिए गए है। शनिवार को सभी ऐसे लेम्प्स सोसायटियों के प्रबंधको की बैठक लेकर दिशा निर्देश जारी किया गया है। हालांकि जिले में 98 प्रतिशत उठाव किया जा चुका है,शेष धान का भी उठाव एक दो दिनों में पूरा कर लिया जाएगा।

- आर ध्रुव, डीएमओ बस्तर

किस जिले में कितना क्विंटल जाम

सम्भाग के सर्वाधिक खरीदी जिला में सम्मलित कांकेर जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों में खरीफ 2024-25 में कुल 53142990 क्विंटल धान खरीदी दर्ज की गई। जिसमें मिलर्स को1638383 क्विंटल जारी किया गया,वही संग्रहन केंद्र को 1638383 क्विंटल प्रदाय किया गया। इसके बाद भी जिले के उपार्जन केंद्रों में 19133 क्विंटल धान जाम है। बीजापुर में मात्र 1197888 क्विंटल खरीदी में आज भी 244749 क्विंटल धान जाम है। कोंडागांव में 3124810 क्विंटल खरीदी के विरुद्ध 194120 क्विंटल जाम है। नारायणपुर जिले की बात करे तो यहां 380758 क्विंटल खरीदी में आज भी 2432 क्विंटल और सुकमा में 929389 क्विंटल खरीदी में मिलर्स को 325044 क्विंटल और संग्रहन केंद्र को 325044 क्विंटल प्रदाय करने के बाद भी उपार्जन केंद्रों में 66935 क्विंटल धान खुले आसमान के नीचे जाम है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

छग की डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा व सीआरपीएफ के अलावा तेलगांना की ग्रेहाउड्स व महाराष्ट्र की सी 60 कमाण्डोज भी मौके पर

माड़वी हिड़मा, कई सीसी मेंबर समेत सौ से अधिक टॉप कैडर नक्सलियों की मौजूदगी की खबर

सुरक्षाबलों के 10 हजार से अधिक जवानों के अलावा फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस व बख्तरबंद वाहन भी मौके पर

नक्सलियों पर सबसे बड़ा प्रहार, तीन राज्यों की फोर्स ने 'ठिकाना' घेरा, सेना का हेलीकाप्टर भी तैनात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

खास खबर

नक्सलियों पर अंतिम प्रहार करने तीन स्टेट की फोर्स पिछले 48 घंटे से डटी हुई है। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक स्टेट कमेटी मेंबर समेत सौ से अधिक टॉप कैडर नक्सलियों की मौजूदगी बीजापुर जिले के उसूर ब्लाक स्थित करेंगुट्टा के पहाड़ियों में होने की खूफिया इनपुट के बाद पिछले 48 घंटे से तीन राज्यों की फोर्स तेलगांना के रास्ते जाकर करेंगुट्टा पहाड़ को घेरे हुए हैं। इनमें छग की डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा व सीआरपीएफ के अलावा तेलगांना की ग्रेहाउड्स व महाराष्ट्र की सी 60 ▶▶|शेष पेज 7 पर

ड्रोन से बमबारी की खबर

जानकारी मिल रही की पहाड़ की चोटी पर मौजूद नक्सलियों पर ड्रोन से नजर रखते हुए चौपर से गोलियां दागी जा रही है। नक्सलियों के भागने की स्थित पर नीचे जवानों ने पूरे पहाड़ को घेरकर रखा है। हालांकि बहुत बड़ी और अंतर्राज्यीय सीमा होने से एरियल डिस्टेंस और लोकेशन पूरी तरह से कन्फर्म नहीं हो पा रहा है, लेकिन मौके पर तीनों राज्य के आला अधिकारी मौजूद है, जो पूरी तरह स्थिति पर नजर रखे हुए है।

इसी रेंज में बीजापुर का नम्बी व नाडपल्ली पहाड़ भी

जवानों ने करेंगुट्टा की पहाड़ियों को टॉरगेट करते हुए घेराबंदी कर रखी है। अंतर्राज्यीय सीमा होने से महाराष्ट्र व तेलगांना की फोर्स भी नक्सलियों को घेरने मौके पर मौजूद है। बताया जा रहा है कि तेलंगाना के चेरला, वेंकटपुरम और एक अन्य थाना क्षेत्र से नक्सलियों को घेरने फोर्स रवाना हुई थी। फोर्स पिछले दो दिनों से लगातार जंगल में दाखिल हो रहे है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सूर्य किरण ने लोगों को किया मंत्रमुग्ध

पटना। भारतीय वायु सेनाकी सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने बुधवार को बिहार में अपने एयर शो से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शौर्य दिवस के अवसर पर सूर्य किरण टीम के नौ हॉक-132 विमानों ने पटना के आसमान में हतप्रभ कर देने वाली कलाबाजियां दिखाईं।

कैंसर की जांच के लिए एचपीवी डायग्नोस्टिक किट

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए स्वदेशी रूप से विकसित 'एचपीवी डायग्नोस्टिक किट' तैयार है। यह भारतीय महिलाओं में दूसरे सबसे आम कैंसर की जांच के लिए किफायती तरीका साबित होगा।

गेल के संयंत्र से प्राकृतिक गैस का रिसाव

रायसेन। मप्र के रायसेन जिले में सरकारी कंपनी गेल गैस लिमिटेड के एक संयंत्र से बुधवार तड़के प्राकृतिक गैस का रिसाव हो गया। इससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। एहतियात के तौर पर भोपाल के पास स्थित संयंत्र की ओर जाने वाली सड़क पर यातायात रोक दिया गया।

कई घरों में आग लगाई गई, दो गांवों में कर्फ्यू

इंफाल। मणिपुर के कामजोंग जिले के दो गांवों में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने कई घरों में आग लगा दी। यह घटना उस समय घटी जब जिले के सहामफुंग सब-डिवीजन के गम्पाल और हैयांग गांवों के अधिकांश निवासी कृषि संबंधी कार्यों के लिए खेतों में गए थे।

छत्तीसगढ़ में तापमान 44 डिग्री के करीब पहुंचा, राष्ट्रीय राजधानी में लू का कहर

तप रही धरती, देश के कई राज्यों में हीटवेव और वॉर्म नाइट का अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अप्रैल के महीने में ही इस बार भीषण गर्मी पड़ने लगी है। मौसम विभान ने आज भी कई राज्यों में लू का अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही कई राज्य दिन के अलावा गर्म रातों से भी जूझ रहे हैं। राजधानी दिल्ली में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। आज यहां का न्यूनतम तापमान 3 प्वाइंट बढ़कर 23 डिग्री पहुंचने की संभावना है। अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस हो सकता है।

वहीं मौसम विभाग ने कल (24 अप्रैल) से 26 अप्रैल तक के लिए हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इन दिनों अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा यानी रात के वक्त गर्मी ज्यादा बढ़ने के आसार हैं।

अप्रैल का महीना खूब तप रहा है। देश के कई राज्यों में लू के थपेड़ों ने लोगों को परेशान कर रखा है। राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा से लेकर पश्चिम बंगाल तक गर्मी का कहर है। तापमान इस रफ्तार से बढ़ रहा है मानो ये मई या जून का महीना हो। मौसम विभाग ने कई राज्यों में हीटवेव और वॉर्म नाइट का अलर्ट जारी किया है। छत्तीसगढ़ में भी पारा 44 के करीब पहुंच गया है।

यूपी-बिहार से लेकर पश्चिम बंगाल तक गर्मी

अप्रैल में मई और गर्मी का होने लगा अहसास

इन राज्यों में लू का ऑरेंज अलर्ट
- पूर्वी उत्तर प्रदेश
- बिहार
- ओडिशा
- विदर्भ

यहां येलो अलर्ट
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश
- पूर्वी मध्य प्रदेश
- झारखंड
- पश्चिम बंगाल
- तेलंगाना
- छत्तीसगढ़

वॉर्म नाइट का अलर्ट
- बिहार
- गंगीय पश्चिम बंगाल
- ओडिशा

आंधी-बारिश की संभावना

मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक अगले 2 से 3 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज-चमक और आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश, कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, केरल और तमिलनाडु में छिटपुट बारिश हो सकती है।

तीन भर्ती 'घोटालों' का मामला

प. बंगाल में ईडी ने कुर्क की 600 करोड़ की अधिक संपत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को बताया कि उसने पश्चिम बंगाल में तीन अलग-अलग शिक्षक और कर्मचारी भर्ती 'घोटालों' से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत 609 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। संघीय एजेंसी ने कहा कि स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा समूह 'सी' और 'डी' कर्मचारियों की भर्ती से संबंधित मामले में 56.50 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि, वाणिज्यिक स्थल, फ्लैट और विला कुर्क करने के लिए नया आदेश जारी किया गया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि ये संपत्तियां कथित 'मुख्य निर्दोष पाए गए बर्खास्त शिक्षकों की सेवाएं 31 दिसंबर तक बढ़ा दी।

238.78 करोड़ का केस

ईडी ने बताया कि पश्चिम बंगाल का दूसरा भर्ती 'घोटाला' मामला नौवीं से 12वीं कक्षाओं में पढ़ाने के लिए सहायक शिक्षकों की भर्ती से जुड़ी है। उसने बताया कि इस मामले में कुल 238.78 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की गई है।

151 करोड की जब्ती

एजेंसी ने बताया कि तीसरा मामला प्राथमिक शिक्षक भर्ती का है, जिसमें 151 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है।

25 से अधिक लोग थे सवार

चौथी भोज से लौट रहे ग्रामीणों का पिकअप पलटा, दो बच्चों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

सूरजपुर जिले में बीती रात बारातियों से भरा पिकअप अनियंत्रित होकर पत्थर से टकराने के बाद पलट गया। घटना चेन्द्रा चौकी क्षेत्र के ग्राम बिसाही पोड़ी में हुई। इस हादसे में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद लोगों के शादी की खुशियां मातम में बदल गई। बताया जा रहा है कि सूरजपुर जिले के लटोरी चौकी अंतर्गत ग्राम भंडारपारा निवासी तलिन्दर राजवाड़े के बेटी की शादी 5 दिनों पूर्व ▶▶|शेष पेज 7 पर

■ दर्जनभर से अधिक घायल

अस्तपाल में तोड़ा दम

पिकअप पलटने से घायलों को भटगांव अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने लटोरी भंडारपारा निवासी 12 वर्षीय दिगम्बर राजवाड़े आ. मनोज राजवाड़े और 13 वर्षीय कुन्नु चेरवा आ. खगेश चेरवा को मृत घोषित कर दिया इसके साथ ही 45 वर्षीया समकलिया राजवाड़े पति बाल्साय और 60 वर्षीय ▶▶|शेष पेज 7 पर

डिजिटल उल्लंघन का आरोप

एप्पल-मेटा पर ईयू ने लगाया 6823 करोड़ का जुर्माना

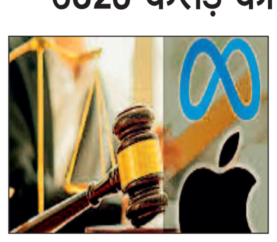

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

यूरोपियन यूनियन ने एप्पल और मेटा पर बड़ा जुर्माना लगाया है। दोनों कंपनियों पर ईयू ने 70 करोड़ यूरो (लगभग 6823 करोड़ रुपए) का फाइन लगाया है। एप्पल पर 50 करोड़ यूरो (लगभग 4874.25 करोड़ रुपए) और मेटा पर 20 करोड़ यूरो (लगभग 1949.70 करोड़ रुपए) का फाइन लगाया गया है। ये फाइन यूरोपियन यूनियन एंटीट्रस्ट रेगुलेटर की ओर से लगाया गया है। उन पर डिजिटल उल्लंघन का आरोप है। बड़ी टेक कंपनियों के पंख कतरने की दिशा में ये एक बड़ा कदम है। यूरोपियन यूनियन के फाइन के बाद अमेरिका और यूरोप के रिश्ते प्रभावित भी हो सकते हैं।

क्या है ऐपल का कहना?

ये फाइन डिजिटल मार्केट ऐट के तहत लगाया गया है। ये कानून मार्केट में मौजूद बड़ी कंपनियों की धाक के बीच छोटे प्लेयर्स की एंट्री को सुनिश्चित करता है। इस मामले में ऐपल ने कहा है कि वो ईयू के फाइन को चुनौती देंगे। 'आज का फैसला यूरोपीय कमीशन की ओर से ऐप्पल को गलत तरीके से टार्गेट किए जाने का एक और उदाहरण है। यह एक ऐसी सीरीज का हिस्सा है जो हमारे यूजर्स की प्राइवेसी और सिक्योरिटी के लिए नुकसानदायक है, हमारे प्रोडक्ट्स के लिए खराब है।

खरीफ 2025 के लिए बीज निगम ने बढ़ाए दाम

महंगी होगी खेती

डीएपी और पोटाश में राहत, धान बीज के कीमत में 150 रुपए तक इजाफा

राहुल शर्मा ▶▶| दुर्ग

हरिभूमि सरोकार

आगामी खरीफ सीजन के लिए छग बीज निगम ने इस बार किसानों की कमर तोड़ने की तैयारी कर ली है। निगम द्वारा वर्ष 2025 खरीफ सीजन के लिए जारी किए गए बीज के दाम में 150 से एक हजार रुपए तक की बढोत्तरी कर प्रदेश के किसानों को सख्ते में डाल दिया है। आने वाले दिनों में किसानों को खरीफ सीजन में खेती करनी महंगी ▶▶|शेष पेज 7 पर

ऐसे समझें बीज के दाम

किस्म	2024	2025
धान मोटा	3400	3550
धान पतला	3900	4030
धान सुगंधित	4500	4650
कोदो	7200	7300
मूंग	11200	11400
कुल्थी	7600	7750

डीएपी व यूरिया में राहत, पोटाश सस्ता

इस बार किसानों को डीएपी में राहत मिली है। डीएपी पचास केजी का दाम पिछले साल की तरह 1350 रुपए है। खेती में इसकी उपयोगिता शुरूआत से आखिर समय तक रहती है। बहरहाल सोसायटी में इसका भंडारण शुरू हो गया है। वहीं यूरिया भी पिछले साल की तरह 266 रुपए पर है। वहीं पोटाश 1650 से कम होकर 1555 हो गया हैं।

रेट निर्धारित

छग राज्य बीज निगम द्वारा खरीफ 2025 के लिए प्रमाणित बीज के दर निर्धारित कर दिए गए हैं। दर निर्धारण के बाद सोसायटियों में भंडारण का कार्य शुरू हो गया है।
-एसके बेहरा, प्रक्रिया प्रभारी, दुर्ग

दो साल से कम दर पर सोयाबीन मिलेगा

धान के बाद खरीफ में सोयाबीन की डिमांड अधिक होती है। पिछले दो साल में सोयाबीन ▶▶|शेष पेज 7 पर

जानवरों से इंसानों में फैली एक और बीमारी, इस बार निशाना बना अमेरिका का पड़ोसी, क्या फिर आएगी महामारी?

मेक्सिको सिटी।मेक्सिको के स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में स्क्रूवर्म के कारण माइयासिस के पहले मानव मामले की पुष्टि की है। मेक्सिको अमेरिका का पड़ोसी देश है। हालांकि, अभी तक यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि क्या यह बीमारी इंसानों से इंसानों में फैल सकती है। नया मामला मेक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के अकाकोयागुआ की नगर पालिका की 77 वर्षीय महिला में पाया गया। अधिकारियों ने कहा कि उसकी हालत स्थिर है और उसे एंटीबायोटिक उपचार दिया जा रहा है।

क्या इंसानों को स्क्रूवर्म मिल सकता है?

न्यू वर्ल्ड स्क्रूवॉर्म मायियासिस आम तौर पर पशुओं की बीमारी है, लेकिन यह मनुष्यों को भी प्रभावित कर सकती है । मध्य अमेरिका के वे देश जहां पहले एनडब्ल्यूएस को नियंत्रित किया गया था, वहां पशुओं और मनुष्यों में इसके मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। एनडब्ल्यूएस दक्षिण अमेरिका और कैरिबियन में स्थानिक बीमारी है। हालांकि, इसके केस बहुत कम पाए जाते हैं। अभी तक इस बीमारी का प्रसार दूसरे महाद्वीपों पर कम ही देखा गया है।

क्या मायियासिस जानलेवा बीमारी है?

मक्खियां जब लार्वा को फैलाती हैं, तो व्यक्ति को मायियासिस हो सकता है, जो निम्न तरीकों से हो सकता है: कुछ मक्खियां अपने अंडे किसी व्यक्ति के घाव, नाक या कान पर या उसके आस-पास गिराती हैं, जिससे लार्वा व्यक्ति की त्वचा पर चिपक जाता है। कुछ प्रजातियों के लार्वा शरीर में गहराई तक चले जाते हैं और गंभीर क्षति पहुंचा सकते हैं, हालांकि इनसे मौत की संभावना बेहद कम होती है।

दुनिया को नई महामारी का कितना खतरा

सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट के अनुसार, महामारी की वार्षिक संभावना 2-3% है, जिसका अर्थ है कि अगले 25 वर्षों में एक और घातक महामारी की संभावना 47-57% है। सौभाग्य से, कोविड ने हमें कुछ सबक सिखाए हैं - अगर हम उन पर ध्यान दें - तो हमें अगली महामारी से निपटने में मदद मिलेगी। हालांकि, यह किसी भी प्रकार के रोगजनक में आ सकता है, लेकिन कुछ समूह दूसरों की तुलना में तेजी से प्रकोप पैदा करने की अधिक संभावना रखते हैं।

रोचक खबरें

ऊपर छात्र करते थे पढ़ाई, नीचे था कब्रिस्तान खुदाई में मिले 250 इंसानी कंकाल!

लंदन। इतिहास वही है, जो हमारे होने से पहले से मौजूद है। हम इसके बारे में ज्यादा नहीं जानते। लेकिन. किताबों और किस्सों में ज़रूर सुनते हैं। कुछ घटनाएं तो इतिहास में वर्णित होती हैं । लेकिन. कुछ घटनाएं ऐसी भी हैं, जो कहीं दफ्न हो जाती हैं और हमें उनके बारे में पता ही नहीं होता। जब कभी उस जगह की खुदाई होती है, तो जमींदोज़ हुए सच भी सामने आने लगते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ ब्रिटेन में। पुरातत्व एजेंसी की ओर से एक बहुत ही अनोखी खोज की गई है। उन्होंने ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोसेस्टरशायर के सिटी कैंपस के नीचे से इंसानी कंकालों की पूरी खेप बरामद की है। पहले इस कैंपस को डेबेनहैम्स डिपार्टमेंट स्टोर की ओर से कब्ज़े में रखा गया था, जहां से इतिहास का महत्वपूर्ण टुकड़ा खोज निकाला गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोसेस्टरशायर के सिटी कैंपस को बढ़ाने की कवायद साल 2023 से चल रही है। यहां जब खुदाई हुई, तो नीचे से मध्यकालीन युग की एक चर्च मिली और बहुत सी कब्रें भी मिलीं। ये कब्रें सेंट एल्डेट्स चर्च से जुड़ी हुई मानी जा रही हैं, जो 1650 तक वहां मौजूद थी। यहां लाइमस्टोन और ब्रिक फाउंडेशन भी मिली हैं। ज़मीन के अंदर करीब 150 कब्रें हैं, जिनमें 317 कंकाल पाए गए हैं। सबसे हैरानी की बात ये है कि इनमें से इंसानों के कुल 250 कंकाल मिले हैं।

बाघ ने अजगर खाया, फिर घास खाकर पेट किया ठीक

लखनऊ। इंटरनेट और सोशल मीडिया के ज़माने में हमें बहुत कुछ देखने को मिल जाता है। इनमें से कुछ ऐसा भी होता है, जिसे हम देखना चाहते हैं तो कुछ ऐसी भी चीज़ें होती हैं, जिनमें दिलचस्पी नहीं होने के बाद भी हम देख लेते हैं। इस वक्त एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जो वाइल्डलाइफ से जुड़े हुए एक बड़े मिथक को तोड़ने वाला है आपने लोगों को ये कहते हुए तो सुना होगा कि शेर और बाघ कभी घास नहीं खाते। हालांकि, आज हम आपको जो वीडियो दिखा रहे हैं, उसे देखने के बाद

तो आप इस पर यकीन नहीं करेंगे। यहां पर आपको एक टाइगर बाकायदा घास चरते हुए दिखाई दे रहा है और ये नज़ारा किसी को भी चौंकाने के लिए काफी है। वायरल हो रहा वीडियो पीलीभीत के टाइगर रिज़र्व का है। यहां पर आपको एक टाइगर दिखाई दे रहा है, जो सड़क के किनारे टहल रहा है। उसके ठीक सामने एक मरा हुआ अजगर पड़ा हुआ है। वो उसके पास से निकलकर सामने मौजूद घास खाने लगता है। उसे इस तरह से घास चलते हुए देखकर आप भी आश्चर्य में पड़ जाएंगे। आखिर बाघ खास कैसे खा सकता है, जबकि वो विशुद्ध तौर पर मांसाहारी जानवर है। इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। इसके साथ जानकारी दी गई है कि पीलीभीत टाइगर रिज़र्व के इस बाघ ने अजगर खा लिया था, जिसके बाद उसकी हालत खराब हो गई। उल्टी हुई, लेकिन फिर भी ठीक नहीं लग रहा था। वीडियो पर कमेंट करते हुए कुछ लोगों ने बताया कि बाघ और कुत्ते भी कई बार पेट ठीक नहीं होने पर घास खाते हैं।

मादा को रिझाने ये मकड़ी करती है अनोखा नृत्य इंप्रेस हुई तो ठीक, वरना तड़पाकर देती है मौत

लंदन। नेशनल जियोग्राफिक की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में मकड़ियों की 45,000 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें कार्टूनिश बट वाली मकड़ी, नाचने वाली मकड़ी और पेलिकन पक्षी की तरह दिखने वाली नरभक्षी मकड़ियां शामिल हैं। इनमें से मकड़ी की एक प्रजाति ऐसी भी है, जिसमें नर का जीवन वाकई में रोमांचक और खतरनाक है। क्योंकि, यह छोटे आकार का मकड़ा अपनी मादा साथी को रिझाने के लिए

जानलेवा नृत्य करता है। मसलन, अगर मादा उसके नृत्य से इम्प्रेस हो गई तो ठीक, वरना वह उसकी जान भी ले सकती है। यहां बात हो रही है मेल पीकॉक जंपिंग स्पाइडर की, जिसे 'मैराटस वोलांस' भी कहा जाता है। इसका अनोखा नृत्य केवल एक आकर्षण नहीं, बल्कि जीवित रहने का मामला है। मकड़ा यह नृत्य मादा को रिझाने के लिए करता है। अगर वह इसमें नाकाम रहता है, तो उसके अंजाम घातक हो सकते हैं। एओएल की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेल जंपिंग स्पाइडर का नृत्य अविश्वसनीय रूप से जटिल है। वह मेटिंग यानी संभोग करने के लिए मादा को संकेत के तौर पर उसके सामने नृत्य प्रस्तुत करता है और हैरतअंगेज मूव्स दिखाता है। इंस्टाग्राम पर इसका वीडियो भी शेयर किया गया है, जिसे देखकर लोग दंग रह गए हैं। मकड़ा अपनी भुजाओं को हवा में लहराता है, जबकि पेट जमीन पर टैप करता रहता है। इसके बाद अपने बहुरंगी शरीर को ऊपर उठाते हुए अपने अगले पैरों को नीचे पटकने लगता है। दिलचस्प बात तो ये है कि कोई भी दो नृत्य बिल्कुल एक जैसे नहीं होते हैं।

दुनिया के सबसे अजीबोगरीब अंधविश्वास! जिंदगी मौत से जुड़ती हैं चीजें, करोड़ों लोग करते हैं फॉलो!

लंदन। लोग बचपन से ही कुछ ऐसा करते आए हैं, जिसे शुभ-अशुभ से जोड़ा जाता है।उस काम को करने का लॉजिक भी शायद सोचा या पूछा जाता होगा। बस दुनिया कर रही है, इसलिए हम कर रहे हैं या बड़े बूढ़े करते आए हैं तो हम भी फॉलो करने लगे। अधिकांश काम हम बिना सोचे-समझे करते हैं- जैसे रात में नाखून न काटना, सौभाग्य की कामना के लिए 'टच वुड' बोलते हुए लकड़ी को छूने जैसी अनगिनत चीजें किसी न किसी मान्यता का हिस्सा होती है। अंधविश्वास हो या गुड लक की उम्मीद, हो सकता है कि ऐसा करने से दिमाग को वाकई कुछ सुकून मिल जाता हो।

दूध उबलकर जमीन पर गिरना

भारत में दूध के गिरने से जुड़ी तमाम मान्यताएं हैं। खासकर दूध उबलकर

जमीन पर गिरने को आमतौर पर अशुभ माना जाता है, खासकर अगर ऐसा बार-बार हो. वास्तु शास्त्र के अनुसार, दूध चंद्रमा का प्रतीक है और उबलकर गिरने से चंद्र दोष लग सकता है, जिससे मानसिक और आर्थिक परेशानियां हो सकती हैं। हालांकि, अगर भगौने में से दूध उबलकर बाहर गिर जाए तो यह भी घर में सुख-शांति, संपत्ति, मान और वैभव के संकेत हैं। ऐसा होने पर आपको परेशान नहीं, बल्कि खुश होना चाहिए। लेकिन, यदि किसी पात्र में से दूध गिरकर बिखर जाए जो इसे अपशगुन मानते हैं। माना जाता है कि ऐसा होना किसी दुर्घटना का संकेत है।

सीढ़ी से शगुन-अपशगुन

कभी भी सीढ़ी के नीचे न चलें. ये अंधविश्वास प्राचीनकाल से मिस्रवासियों के बीच मशहूर रहा है। वे लोग त्रिभुजों को पवित्र मानते थे, दीवार के सहारे खड़ी सीढ़ी त्रिभुज बनाती थी। इसलिए, ऐसा मानना था कि इसके बीच से गुजरने से पवित्र आकृति टूट जाती है तो दुर्भाग्य आता है। बहुत पहले, फांसी की सजा पाए लोगों को सीढ़ी पर चढ़ने को कहा जाता था और फिर माना जाता था कि मृत्यु के बाद उनकी आत्माएं उसी सीढ़ी से नीचे उतरती थीं। इसलिए किसी सीढ़ी के नीचे से गुजरने का मतलब था कि आप भूत से टकरा सकते हैं। ऐसे में आपको सीढ़ी के नीचे से न जाने की सलाह दी जाती है।

काली बिल्लियां और दुर्भाग्य

अमेरिका और कुछ अन्य पश्चिमी देशों में, काली बिल्ली का आपके रास्ते में आना अभी भी दुर्भाग्य का संकेत माना जाता है। लेकिन, हमेशा ऐसा नहीं था। प्राचीन मिस्र में के लोग बिल्लियों को प्यार करते थे। यहां तक कि उनकी पूजा भी की जाती थी। हालांकि, 13वीं शताब्दी में यह तब बदल गया जब एक पोप ने दावा किया कि बिल्लियां बुरी होती हैं और उन्हें चुड़ैलों से जोड़ा गया। तभी से भारत और अमेरिका जैसे देशों में काली बिल्लियों को डरावनी और अशुभ के रूप में अनुचित प्रतिष्ठा मिली है।

सीटी बजाना

दक्षिण कोरिया में माना जाता है कि रात में सीटी बजाने से भूत या बुरी आत्माएं आकर्षित होती हैं। इसलिए, लोग अंधेरा होने के बाद शोर मचाने खासकर सीटी बजाने से बचते हैं। इसके साथ ही आप किसी भी काम को करते समय किसी का नाम लाल स्याही से न लिखें। वहां लाल रंग कब्रों और मृतकों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला रंग है, इसलिए कहा जाता है कि जीवित व्यक्ति का नाम लाल रंग से लिखना उनके लिए दुर्भाग्य माना जाता है।

एडवांस में बर्थडे विश न करें!

जर्मनी में, किसी को जन्मदिन से पहले जन्मदिन की बधाई देना अपशकुन माना जाता है, क्यों? दरअसल बहुत पहले, लोगों का मानना था कि बुरी आत्माएं शुभकामनाएं सुन सकती हैं। ऐसे में वह उन्हें बर्बाद करने की कोशिश करेंगी। यहां तक कि किसी के जन्मदिन पर भी उन्हें सावधान रहना पड़ता है। खासकर टोस्ट बनाते समय और ग्लास टकराते समय लोगों की आंखों में सीधे देखना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया तो माना जाता है कि आपकी लव लाइफ सात साल के लिए शापित हो जाती है। जर्मनी में ही बहुत पहले, माना जाता था कि ये टोटका, जहर की जांच करने में मददगार हो सकता है।

स्वीडन में मेनहोल का ध्यान रखें : मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक स्वीडन में मेनहोल के ढक्कन को भी शुभ-अशुभ से जोड़कर देखा जाता है।स्वीडन की सड़कों पर वॉक करते समय आपको कुछ मेनहोल पर **K** अक्षर और कुछ पर **A** अक्षर दिखेगा।

क्या आपको भी एलियंस उठा ले गए थे? ये अजीब लक्षण बताते हैं सच्चाई!

लंदन। एलियंस ब्रम्हांड में हैं या नहीं, इसे लेकर कई तरह की बातें हैं। लेकिन, वैज्ञानिकों का कहना है कि अब हम एलियंस की दुनिया के बहुत करीब हैं। एक दूर के ग्रह की हवा में दो ऐसे केमिकल मिले हैं जो सिर्फ जीव ही बना सकते हैं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर निक्कु माधुसूदन ने कहा, हो सकता है आने वाले सालों में हम इस पल को याद करें जब ब्रह्मांड में जीवन हमारे करीब आ गया था। लेकिन, कुछ लोग कहते हैं कि एलियंस तो पहले ही आ चुके हैं... और उन्हें उठा भी चुके हैं!

नाक से अचानक खून आना

कई एलियन पीड़ितों को बिना वजह भारी नाक से खून बहने की शिकायत होती है। किंसेला ने कहा कि ऐसा उनके साथ लगातार 2 साल तक होता रहा।

गायब हुआ वक्त

आपको लगे कि बस 10-15 मिनट बीते हैं, लेकिन असल में कई घंटे बीत चुके हों। लोगों को याद ही नहीं रहता कि उस समय क्या हुआ।

'सिक्स्थ सेंस' जैसी ताकतें

किंसेला का कहना है कि एलियन के संपर्क में आने के बाद उनमें साइकिक पावर आ गई। कुछ लोग दूसरों के दिमाग पढ़ने लगते हैं या भविष्य देखने का दावा करते हैं।

अजीब स्किन प्रॉब्लम

रात में अजीब सपनों के बाद स्किन में जलन, खुजली या लाल धब्बे नजर आते हैं। कोई एलर्जी न होने के बाद भी ऐसे लक्षण हो सकते हैं।

स्किन के नीचे गांठ या उभार

एलियंस शरीर में छोटे इम्प्लांट डालते हैं। ये चावल के दाने जैसे छोटे उभार स्किन के नीचे दिख सकते हैं और खुजली भी कर सकते हैं। एक्स-रे में ये दिख सकते हैं।

अजीब यादें जो अचानक वापस आएं

हो सकता है कि आपको ऐसी बातें याद आएं जो आपने कभी देखी ही नहीं। कुछ यादें इतनी असली लग सकती हैं कि आप उन्हें महसूस भी कर सकते हैं।

एक कॉस्मेटिक से बची आज के इंसानों की जान!

41 हजार साल पहले आई थी कयामत, बन गया था वजूद पर खतरा

न्यूयार्क। मानव इतिहास में होमोसोपियन्स ही इंसानी पूर्वजों और उनके जनदीकी संबंधियों में बचे रह गए। आज पुरातत्वविद बताते हैं कि एक समय होमोसेपियन्स के साथ ही पृथ्वी पर नियएंडरथॉल और कुछ अन्य प्रजातियां भी एक साथ रहती थीं। वहीं, इस दौर में 41 हजार साल पहले एक समय ऐसा भी आया था जब सौर विकिरण बहुत ही ज्यादा बढ़ गया था। इससे मानव जातियों पर कयामत ही आ गई थी। बचने के लिए होमोसेपियन्स ने कुछ बहुत ही कारगर तरीके अपनाए थे, जिनमें एक कॉस्मेटिक और कपड़ों का इस्तेमाल भी शामिल था। वे तो बच गए, लेकिन निएंथरथॉल दुनिया से ही खत्म हो गए थे।

क्या हुआ था 41 हजार साल पहले

41 हजार साल पहले पृथ्वी पर एक बड़ी घटना हुआ थी। उस समय पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव में बदलाव देखने को मिला था। इसकी वजह से पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ट बहुत ही कमजोर हो गई थी, जिससे सूर्य की हानिकारक किरणें पृथ्वी के वायुमडंल के भेद कर उसकी सतह पर आने में सफल हो गईं थीं।

कॉस्मेटिक ने बचाया : साइंस एडवांसेस में प्रकाशित अध्ययन में मिशिगन इंजिनियरिंग और एंथ्रोपोलॉजी के यू-एम विभाग के मुताबिक उस भायनक दौर में होमोसेपियन्स सिर्फ इसलिए बच पाए, क्योंकि वे सनस्क्रीन और कपड़ों का इस्तेमाल करना जानते थे और इस विकिरण से बचने के लिए गुफाओं का भी सही से इस्तेमाल कर सके थे।

ध्रुव का पलटना

पृथ्वी का उत्तरी ध्रुव हर कुछ सालों में पलटता है और ऐसा अब तक 180 बार हो चुका है। 41 हजार साल पहले भी ऐसा हुआ हथा और उस समय यह ध्रुव यूरोप के ऊपर था। यह प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी और इस समय पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड बहुत ही कमजोर थी। यही वजह थी की पृथ्वी के बहुत सारे हिस्से में पराबैंगनी विकिरण आने लगा था। जिससे पृथ्वी पर रहने वालों के लिए हालात बहुत ही खराब हो गए थे।

क्या था वह सन्सक्रीम

अध्ययन में पाया गया कि होमोसेपियन्स उस समय ओकरे नाम के एक खनिज खोज चुके थे जिसका एक अहम गुण हानिकारक सूर्य की किरणों से बचाव कर पाना था। यानि वे इसे एक सन्सक्रीन जैसे कॉस्मेटिक की तरह इस्तेमाल करते थे। इसके अलावा होमेसेपिन्यस ने ना केवल गुफाओं की शरण ली, बल्कि कपड़ों के इस्तेमाल से भी उन्हें काफी मदद मिली। शोध के प्रमुख लेखक अंग्नित मुखोपाध्याय ने पृथ्वी के मैग्नेटिक फील्ड और उसके सूर्य के प्लाज्मा से टकराव का अध्ययन किया जब पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड में बदलाव हुआ था, यानी जब उत्तरी ध्रुव खिसका था, तब मैग्नेटिक फील्ड आज की तुलना में केवल 10 फीसदी थी और भूमध्य रेखा पर तो सबसे कमजोर थी।

सर्जिकल सूई-धागे से चप्पल सिलते दिखे डॉक्टर साहब!

हॉस्पिटल का वीडियो वायरल

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक वीडियो धड़ल्ले से वायरल हो रहा है, जिसमें कथित तौर पर एक मेडिकल स्टूडेंट को ऑन ड्यूटी सर्जिकल उपकरणों की मदद से अपनी टूटी चप्पल को ठीक करते हुए दिखाया गया है, जो कि न केवल हास्यास्पद है, बल्कि चिंताजनक भी है। वीडियो में देखा जा सकता है कि मेडिकल स्टूडेंट जिस सर्जिकल सूई-धागे का इस्तेमाल कर रहा है, वो आमतौर पर मरीजों को टांके लगाने के काम आता है। इसे हॉस्पिटल के ही किसी स्टाफ ने फिल्माया है। वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि मरीज बेड पर लेटा हुआ है, वहीं उसके पैरों के ठीक सामने एक स्टूल पर मेडिकल स्टूडेंट पैर रखकर अपने टूटे हुए चप्पल को सिलने में तल्लीन नजर आता है। वीडियो में नीले रंग के हॉस्पिटल के कपड़े पहने छात्र को झुककर सर्जिकल सुई और धागे की मदद से टूटी चप्पल को सिलते देखा जा सकता है। छात्र चप्पल को इतनी सफाई से लूप बनाकर सिलता है, मानो कोई छोटी-मोटी सर्जरी कर रहा हो। हालांकि, यह घटना किस अस्पताल की है, इसका सटीक स्थान अभी अज्ञात है। लेकिन, जैसे ही वीडियो ऑनलाइन वायरल हुआ, नेटिजन्स ने पोस्ट पर जमकर मौज लेना शुरू कर दिया। अधिकांश नेटिजन्स ने इस वीडियो को हल्के-फुल्के अंदाज में लिया और कमेंट सेक्शन को हंसने वाली इमोजी से भर दिया।

आतंक का विरोध

पहलगाम में आतंकी अटैक के खिलाफ उठी आवाज

पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से देशभर में गुस्सा है। बुधवार को देशभर में विरोध-प्रदर्शन हुए। कहीं कैंडल मार्च निकाला गया तो कहीं पाकिस्तान का, आतंकवाद का पुतला फूंका गया। अमृतसर, पंजाब में आतंकवादी हमले के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग। गौरतलब है, इस आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई जबकि 13 लोग घायल हो गए।

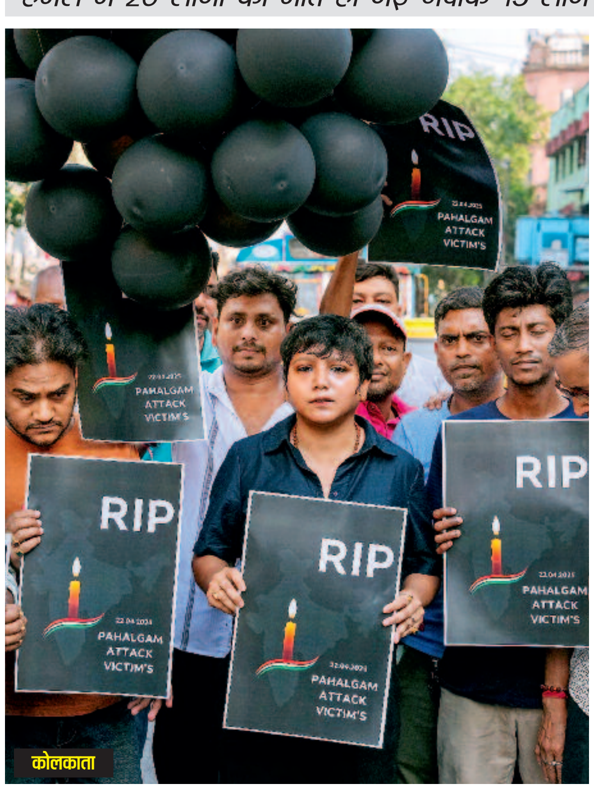

पहलगाम अटैक में बाल-बाल बचे असम के प्रोफेसर

'मैं कलमा पढ़ सकता था, इसलिए बच गया'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 घायल हो गए। आतंकवादियों ने पहलगाम घूमने आए पर्यटकों से उनके धर्म पूछकर गोलियां बरसाईं। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्हें कलमा पढ़ने के लिए भी कहा गया, जिससे उनके धर्म की पहचान हो सके। जिन्होंने कलमा पढ़ा, उन्हें आतंकियों ने छोड़ दिया। इसी तरह असम के एक हिंदू प्रोफेसर को भी आतंकियों ने गोली नहीं मारी, क्योंकि वह कलमा पढ़ सकते थे। इसके चलते असम यूनिवर्सिटी में बंगाली डिपार्टमेंट में एसोसिएट प्रोफेसर देबाशीष भट्टाचार्य की जान बच सकी।

देबाशीष भट्टाचार्य भी उस समय पहलगाम की बेसरन घाटी में अपने परिवार के साथ मौजूद थे, जिस समय आतंकी हमला हुआ। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए उन्होंने बताया, 'मैं अपने परिवार के साथ एक पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। तभी मैंने सुना कि मेरे आसपास के लोग कलमा पढ़ रहे थे। यह सुनकर मैंने भी पढ़ना शुरू कर दिया। कुछ देर में आतंकी मेरी ओर बढ़ा और मेरे बगल में लेटे व्यक्ति के सिर में गोली मार दी।'

आतंकी ने पूछा क्या कर रहे हो?

देबाशीष ने बताया, 'इसके बाद आतंकी ने मेरी ओर देखा और पूछा कि क्या कर रहे हो? मैं और तेजी से कलमा पढ़ने लगा। इसके बाद वह किसी वजह से वहां से मुड़कर चला गया।' इसके बाद मौका पाते ही प्रोफेसर ने चुपचाप अपनी पत्नी और बेटे के साथ वहां से छिपकर निकल गए। लगभग दो घंटे तक चलते हुए और घोड़ों के पैरों के निशान को फॉलो करते हुए आखिरकार वह वहां से निकलने और होटल पहुंचने में कामयाब हो सके। भट्टाचार्य ने बताया कि उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि वह जिंदा हैं।

मां-बाप ने की इंसाफ की मांग

टट्टू चलाने वाले कश्मीरी आदिल ने भी गंवाई जान

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में कश्मीर के युवक सैयद आदिल हुसैन शाह की भी मौत हुई है। पहलगाम के पास अशमुकाम का रहने वाला सैयद आदिल हुसैन शाह वहां घोड़े (टट्टू) चलाया करता था। वह पर्यटकों को अपने घोड़े पर घुमाता और मजदूरी करता था। एएनआई से बात करते हुए उसके पिता सैयद हैदर शाह ने बताया कि मंगलवार को भी वह पहलगाम घोड़े चलाने के लिए ही गया हुआ था। तीन बजे उन्हें पता चला कि आतंकी हमला हुआ है। हमने जब (सैयद हुसैन शाह को) फोन किया तो फोन नहीं लगा। हमने थाने में जाकर शिकायत दर्ज करवाई। बाद में पता चला कि बेटे को भी गोली लगी है।

मां के आंसू नहीं रुक रहे

वहीं, घर में हुसैन की मां अभी भी अपने बेटे के आने का इंतजार कर रही है। उसके आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सैयद हुसैन शाह की मां आपबीती बताते हुए रो पड़ीं। उनका कहना है कि घर में वह ही एक कमाने वाला था, घोड़ा चलाकर कुछ पैसे कमाता था। अब वह कभी घर नहीं आएगा। रोती हुई मां खुद को कोस रही हैं कि उन्होंने बेटे को क्यों जाने दिया? उन्हें बेटे से बड़ी आस थी. बुढ़ापे का सहारा बनने वाला बेटा उनके सामने ही उन्हें छोड़ कर चला गया।

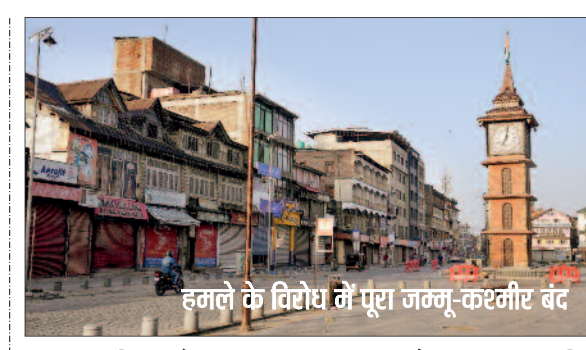

हमले के विरोध में पूरा जम्मू-कश्मीर बंद

घाटी में 35 वर्ष में पहली बार इतना बड़ा शटर डाउन

जम्मू-कश्मीर के मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने वाले पहलगाम में हुए आतंकी हमलों ने 28 पर्यटकों की जान ले ली। पर्यटकों पर हुए वीभत्स हमले से स्थानीय लोगों में खासी नाराजगी देखी जा रही है। हमले के खिलाफ घाटी में आज बुधवार को बंद बुलाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि घाटी में 35 साल में पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का ऐलान किया गया है। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के विरोध में बंद का आह्वान का सभी क्षेत्रों के संगठनों ने समर्थन किया। इस हमले में कई पर्यटक घायल भी हुए हैं।

ज्यादातर दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रहे

अधिकारियों ने बताया कि राजधानी श्रीनगर में ज्यादातर दुकानें, फ्यूल स्टेशन और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। उन्होंने बताया कि शहर भर में सिर्फ जरूरी वस्तुओं की दुकानें ही खुली रहीं। सड़कों पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी कम दिख रहा है लेकिन प्राइवेट गाड़ियां सामान्य रूप से चल रही हैं। हमले के असर स्कूलों पर भी पड़ा. अधिकारियों ने बताया कि पूरी घाटी में प्राइवेट स्कूल बंद कर दिए गए, हालांकि लेकिन सरकारी स्कूल खुले रहे।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस आज

पहले पंचायत उन्नति सूचकांक में गुजरात सबसे आगे

गांधीनगर। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जारी किए गए पहले पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) में गुजरात ने ग्रामीण शासन और सतत विकास में एक नया मानदंड स्थापित किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, जिनका मंत्र ''सशक्त गांव, समृद्ध राष्ट्र'' है, और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के परिणामोन्मुखी शासन के तहत, गुजरात ने ग्रामीण विकास में यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उल्लेखनीय है कि 24 अप्रैल को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के कार्यान्वयन का प्रतीक है, जिसने ग्रामीण भारत में पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना की और स्थानीय स्वशासन को मजबूत किया। इस अवसर के अनुरूप, पंचायत उन्नति सूचकांक में गुजरात की हालिया मान्यता इसके मजबूत जमीनी स्तर के शासन और सतत ग्रामीण विकास में नेतृत्व को दर्शाती है।

■ राष्ट्रीय मूल्यांकन में 346 अग्रणी और 13,781 प्रदर्शनकारी पंचायतें हैं गुजरात की

पहलगाम हमले के बाद ट्रैवल एजेंट और होटल बिजनेस में फैली हताशा

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

हमारे लिए तो टूरिस्ट सीजन खत्म हो गया'

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले का पर्यटन उद्योग पर सीधा प्रभाव पड़ा है, जिससे घबराए यात्रियों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं और जो लोग इस समय श्रीनगर में हैं वे वापस लौट रहे हैं। होटल बिजनेस से जुड़े लोगों को आशंका है कि बात करते हुए लुधियाना स्थित ट्रैवल कंपनी ट्रैवल विद करण के मालिक करन ने कहा, "बुधवार सुबह से हमें केवल कैंसिलेशन के कॉल ही मिल रहे हैं। श्रीनगर में मौजूद कई पर्यटक जल्दी लौटना चाहते हैं।'

श्रीनगर के लिए फ्लाइट के किराए में भारी कमी : जम्मू में एशिया होटल के मालिक और जम्मू होटल और रेस्तरां एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रतनदीप आनंद ने श्रीनगर के लिए फ्लाइट के किराए में भारी कमी की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, "कल सुबह, हमले से पहले जम्मू से श्रीनगर के लिए एक उड़ान का किराया प्रति व्यक्ति 18,000 रुपये था। आज, यह घटकर 5,000 रुपये रह गया है – और फिर भी कोई खरीदार नहीं है।'

कंपनी के कई टूर रद्द

करन ने बताया, हमले के बाद से उनकी कंपनी के 30 से ज़्यादा समर टूर रद्द हो चुके हैं। इनमें से ज़्यादातर अमरनाथ यात्रा से जुड़े थे। इस घटना से निश्चित रूप से न सिर्फ़ ट्रैवल एजेंट बल्कि श्रीनगर का पूरा पर्यटन उद्योग प्रभावित होगा।'

होटल और टैक्सी की बुकिंग कैंसिल कर रहे लोग

लुधियाना में पहलवान और साहिब कैब सर्विस के गोल्डी ढिल्लन ने कहा, "जम्मू के रामबन के पास भूस्खलन के कारण, हमारी कई टेम्पो ट्रैवलर बुकिंग पहले ही रद्द हो चुकी थीं, क्योंकि लोग इसके बजाय हवाई यात्रा करना पसंद कर रहे थे।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने परिवार संग किया ताज महल का दीदार

भारत जैसे महान देश की एक लाजवाब कृति है ताज

एजेंसी ▶▶| आगरा

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस ने बुधवार को सपरिवार आगरा पहुंचकर ताजमहल का दीदार किया। उन्होंने इसे अद्भुत बताया। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, वेंस ने ताजमहल का भ्रमण करने के बाद आगंतुक डायरी में लिखा, ताजमहल सच्चे प्रेम, मानवीय प्रतिभा का प्रमाण है और भारत जैसे महान देश की एक लाजवाब कृति है। यह अद्भुत है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी उपराष्ट्रपति के परिवार ने आगरा में करीब तीन घंटे बिताए, जिसमें से एक घंटे से ज्यादा वक्त ताजमहल में बिताया। इससे पहले आगरा पहुंचने के बाद इनका काफिला शहर में जिन मार्गों से गुजरा, उन्हें सजाया गया। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अमेरिका और भारत का झंडा लेकर वेंस का स्वागत किया। वेंस के साथ उनकी पत्नी ऊषा और उनके बेटे इवान और विवेक और बेटी मीराबेल भी हैं।

जयपुर में सिटी पैलेस जाने का कार्यक्रम रद्द

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस का बुधवार को जयपुर में सिटी पैलेस जाने का कार्यक्रम रद्द हो गया। वेंस अपनी पत्नी उषा वेंस और तीन बच्चों के साथ आगरा से लौटने के बाद दो घंटे के लिए सिटी पैलेस जाने वाले थे। वेंस परिवार को आगरा से लौटने के बाद दोपहर 2 बजे सिटी पैलेस जाने का कार्यक्रम था, लेकिन किसी कारणवश यह रद्द हो गया। इससे पहले उन्होंने मंगलवार को आमेर का किला देखा था। उन्हें गुरुवार सुबह अमेरिका के लिए रवाना होना है।

चिंतन

बांग्लादेश की यूनुस सरकार को सबक देना बहुत जरूरी

बांग्लादेश में जो हो रहा है, वो भारत के हित में तो कतई नहीं है। वहां की अंतरिम सरकार एक के बाद एक ऐसे फैसले ले रही है जिसके चलते दोनों देशों के रिश्ते बुरे दौर से गुजर रहे हैं। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस चिकन नेक पर बयान देकर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। बांग्लादेश में जिस तरह की बयानबाजी हो रही है,उससे साफ जाहिर होता है कि वहां पाकिस्तान की खुफिया जांच एजेंसी आईएसआई धीरे-धीरे अपने पांव पसार रही है। मोहम्मद यूनुस इस खेल में सिर्फ एक मोहरा हैं, जिसका मकसद भारत के पूर्वी हिस्से, खासकर पूर्वोत्तर राज्यों में शांति भंग करना है। ये पाकिस्तान की पुरानी आदत है, जिसमें वो सामाजिक हिंसा और अस्थिरता को बढ़ावा देकर भारत को परेशान करता है। उसका हर संभव प्रयास रहता है कि किसी भी तरह से भारत में अशांति का माहौल पैदा किया जा सके। हालांकि अपने इन प्रयासों के चलते पाकिस्तान कंगाली के हालात में पहुंच गया है, लेकिन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। पाकिस्तान की इन कोशिशों में हमेशा की तरह चीन खुलकर उसका साथ दे रहा है। वैसे भी यह चीन के लिए बांग्लादेश में पांव पसारने का मौका है। सत्ता बदलने के बाद से बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। निवेश के लिए बांग्लादेश चीन पर निर्भर हो गया है। चीन ये बात अच्छी तरह समझता है। इसीलिए चीन ने बांग्लादेश में तेजी से निवेश बढ़ाया है। उसे लगता है कि बांग्लादेश में अपनी जड़ें जमाकर वो भारत पर धौंस जमा सकता है। जबकि यह उसकी भूल है। सच्चाई ये है कि बांग्लादेश में सरकार चला रहे यूनुस अभी कूटनीति के मंझे खिलाड़ी नहीं हैं। वो भावनाओं में बहकर बांग्लादेश को बंगाल की खाड़ी का इकलौता संरक्षक बता गए। आज भी बांग्लादेश की निर्भरता भारत पर सबसे ज्यादा है। खाद्यान से लेकर तकनीक तक बांग्लादेश भारत पर निर्भर है। बांग्लादेश से मेडिकल इमरजेंसी में इलाज कराने के लिए लोग भारत ही आते हैं। सभी लोग चाहते हैं कि बांग्लादेश के साथ रिश्तों में सुधार हो, लेकिन वहां की अंतरिम सरकार फिलहाल बाहरी हाथों में खेल रही है। ये बात मोहम्मद यूनुस भी जानते हैं कि अगर भारत भी उसी रवैये पर उतरा जिस पर बांग्लादेश है तो उनके लिए बहुत मुश्किल हो जाएगी। उन्हें पता है कि चाहे चीन कितना भी निवेश बढ़ाए, लेकिन बांग्लादेश और चीन की संस्कृति में कोई मेल नहीं है। ऐसा ही पाकिस्तान के साथ भी है। आम बांग्लादेशी के मन में आज भी पाकिस्तान के प्रति घृणा का भाव है। बांग्लादेश के गठन को लेकर पाक सरकार ने जिस तरह से नरसंहार किया और आंदोलन को कुचला उसे आज भी वहां के लोग नहीं भूले हैं। यही कारण है कि दो पक्षीय वार्ता के दौरान बांग्लादेश ने पाकिस्तान से माफी की भी मांग की है। जहां तक बात चिकन नेक की है तो मोहम्मद यूनुस ने चीन से बांग्लादेश के लालमोनिरहाट में एयरबेस बनाने में मदद मांगी है। ये एयरबेस चिकन नेक इलाके के काफी पास है। अभी तक के हालात से तो ऐसा कतई नहीं लगता कि चीन वहां पर अपना सैन्य बेस बनाएगा, हां! ये जरूर हो सकता है कि वो इसका उपयोग खुफिया तंत्र के रूप में करे। बांग्लादेश में चीन की रणनीति क्या है, इसका अभी खुलासा होना बाकी है। भारत को इससे बहुत ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। जिस तरह से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार हमारे विरोधियों से गलबहियां कर रही है, उसे सही मौके पर सही सबक सिखाना बहुत जरूरी है।

दो टूक
योगेश कुमार गोयल

आतंक का कठोर जवाब देगा भारत

यह वही रक्तरंजित मानसिकता है, जो 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के साथ देखने को मिली थी। नाम पूछकर की गई हत्याएं केवल शारीरिक हत्या नहीं हैं बल्कि वे सीधे तौर पर इस देश के बहुलतावादी ताने-बाने पर हमला हैं। यह आतंकवाद की सबसे गिरी हुई, विभाजनकारी और असभ्य शक्ल है, जो मानवीय गरिमा, धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक सहिष्णुता को सीधा चुनौती देती है। इस पाशविक कृत्य ने यह प्रमाणित कर दिया कि आतंकवादी अब केवल सैनिक लक्ष्यों को नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक लक्ष्यों को भी निशाना बना रहे हैं और यह संकेत है कि हमें अपने सुरक्षा दृष्टिकोण को और व्यापक व गहन बनाना होगा।

कश्मीर की वादियां एक बार फिर निर्दोषों के खून से रंगी हैं। पहलगाम क्षेत्र में दशहतगर्दों ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर दो दर्जन से भी अधिक पर्यटकों की नृशंस हत्या कर दी। दिल दहला देने वाला यह आतंकी हमला एक बार फिर इस यक्ष प्रश्न को जन्म देता है कि आखिर कब तक भारत की संप्रभुता, एकता और नागरिकों की सुरक्षा पर ऐसे कायराना हमलों का साया मंडराता रहेगा? यह हमला न केवल हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की संवेदनशीलता को रेखांकित करता है बल्कि यह भी दर्शाता है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की जड़ें अब भी घाटी में जहर उगल रही हैं। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब घाटी में पर्यटन का सीजन चरम पर है और पहलगाम की बेहद खूबसूरत वादियां लाखों सैलानियों का स्वागत कर रही थी। ऐसे में इस आतंकी कृत्य ने न केवल जानमाल की अपूरणीय क्षति पहुंचाई है बल्कि भारत की सामरिक संप्रभुता और मानवीय चेतना पर भी गहरा आघात किया है।

कहा जाता है कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता लेकिन इस हमले ने कुछ और ही तस्वीर पेश की। आतंकियों ने अपने कुकृत्य की पराकाष्ठा पार करते हुए नाम पूछ-पूछकर पर्यटकों को गोली मारी। यह कोई सामान्य गोलीबारी नहीं थी बल्कि चयनात्मक हत्या थी। आतंकियों ने पहले पर्यटकों को रोका, उनसे नाम, पहचान और यहां तक कि धर्म भी पूछा और उसके आधार पर उन पर गोलियां चलाईं। यह क्रिया स्पष्ट रूप से सांप्रदायिक घृणा से प्रेरित थी, जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा रही है। यह वही रक्तरंजित मानसिकता है, जो 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के साथ देखने को मिली थी और अब एक बार फिर भयावह रूप में प्रकट हुई है। नाम पूछकर की गई हत्याएं केवल शारीरिक हत्या नहीं हैं बल्कि वे सीधे तौर पर इस देश के बहुलतावादी ताने-बाने पर हमला हैं। यह आतंकवाद की सबसे गिरी हुई, विभाजनकारी और असभ्य शक्ल है, जो मानवीय गरिमा, धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक सहिष्णुता को सीधा चुनौती देती है। इस पाशविक कृत्य ने यह प्रमाणित कर दिया कि आतंकवादी अब केवल सैनिक लक्ष्यों को नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक लक्ष्यों को भी निशाना बना रहे हैं और यह संकेत है कि हमें अपने सुरक्षा दृष्टिकोण को और व्यापक व गहन बनाना होगा। देश एक ओर जहां तकनीकी, आर्थिक और वैश्विक मंचों पर निरंतर मजबूत हो रहा है, ऐसे में आतंकवादियों द्वारा लक्षित नागरिकों, सुरक्षाबलों और सैलानियों को निशाना बनाया जाना इस बात का प्रमाण है कि दुश्मन की मानसिकता कितनी नीच, विद्वेषपूर्ण और छायायुद्ध की शैली में विकृत हो चुकी है। पाकिस्तान की आईएसआई और उससे पोषित आतंकी गुट, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठन प्रमुख हैं, भारत की प्रगति और लोकतांत्रिक मजबूती को सहन नहीं कर पा रहे हैं। इस नृशंस हमले की रणनीति को देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि आतंकियों का लक्ष्य केवल खून-खराबा नहीं बल्कि भारत की सुरक्षा रणनीति को चुनौती देना था। जिस प्रकार से जंगलों में छिपकर घात लगाकर हमला किया गया, वह गुरिल्ला युद्धनीति की उस शैली की ओर संकेत करता है, जिसे सीमा पार से प्रशिक्षित किया जाता है। यह न तो स्वतः स्फूर्त था, न ही किसी लोकल

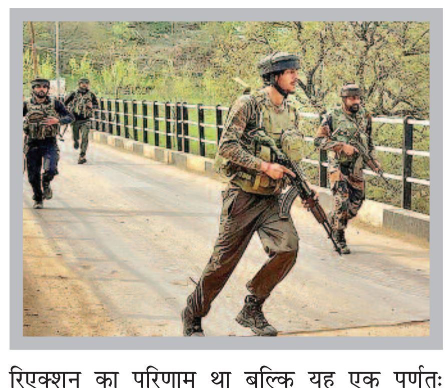

रिएक्शन का परिणाम था बल्कि यह एक पूर्णतः योजनाबद्ध और निर्देशित हमला था, जिसमें तकनीकी सहायता, हथियारों की आपूर्ति और खुफिया जानकारी सब कुछ शामिल था।

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से आक्रामक और उत्तरदायी बनी है, यह हमला उसके प्रतिकार के रूप में भी देखा जा सकता है। धारा 370 हटने के बाद जिस प्रकार से इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, आतंकियों पर कड़ा शिकंजा और नागरिक संवाद को पुनः स्थापित करने की कोशिशों जैसे जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापना की दिशा में अनेक सफल प्रयास हुए हैं, वे लंबे समय से पाकिस्तान और उसके आकाओं को चुभ रहे थे। इसीलिए ऐसे हमलों के जरिये घाटी में एक बार फिर भय और भ्रम का वातावरण बनाना उनके एजेंडे का अहम हिस्सा है लेकिन अब समय आ गया है कि हम केवल निंदा या औपचारिक विरोध से आगे बढ़ते हुए हर आतंकी घटना के बाद शोक, संवेदना और कड़ी प्रतिक्रियाओं की परिपाटी को ठोस सैन्य और कूटनीतिक रणनीतियों से बदल डालें और इजराइल तथा अमेरिका की तर्ज पर अपने नागरिकों के विरुद्ध हुए प्रत्येक हमले का निर्णायक और दीर्घकालिक जवाब दें। पाकिस्तान की रणनीतिक गहराई में बैठे उन आकाओं को अब यह समझाने का समय आ गया है कि भारत केवल सहन करने वाला राष्ट्र नहीं है बल्कि निर्णायक प्रतिशोध लेने में भी सक्षम है। यह हमला सामरिक दृष्टि से भी हमारे लिए एक गंभीर चेतावनी है कि चाहे सीमा पर कंटीले तार हों या एलओसी पर निगरानी ड्रोन, यदि भीतर बैठे स्लीपर सेल सक्रिय हैं तो सुरक्षा व्यवस्था को पुनः पूर्णरूपेण अभेद्य बनाने की सख्त आवश्यकता है। हमें अपने इंटेलीजेंस नेटवर्क को भी अब इतना तीव्र, तीक्ष्ण और सतर्क बनाना होगा कि आतंकी योजना अपने आरंभिक चरण में ही निष्फल कर दी जाए। सेना, अर्धसैनिक बलों और स्थानीय पुलिस को एकीकृत कमांड संरचना के अंतर्गत प्रशिक्षित करना होगा ताकि प्रतिक्रिया केवल हथियारबंद ही नहीं बल्कि रणनीतिक भी हो। इस हमले ने मानवीय दृष्टिकोण से एक बार फिर आम नागरिकों की पीड़ा को उजागर किया है। जिन सैलानियों ने पर्यटन को घाटी की बहाली का जरिया माना, जो स्थानीय दुकानदार अपने रोजगार की उम्मीद से दुकानें खोले बैठे थे और वे बच्चे, जो शांत माहौल में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे, सभी के सपनों पर इस हमले ने भय की कालिमा पोत दी। ऐसे हमलों की आड़ में कुछ मानवाधिकार संगठनों और तथाकथित बुद्धिजीवियों का मुखर होना अब एक शातिर रणनीति बन चुकी है। जब सुरक्षाबल आतंकियों को निष्क्रिय करते हैं तो यही वर्ग उन्हें 'नागरिक' या 'क्रांतिकारी' बता देता है। इस दोहरेपन पर भी सख्ती से लगाम कसने की जरूरत है।

बहरहाल, यह आवश्यक है कि इस हमले की तह तक जाकर उसकी पृष्ठभूमि, योजना, वित्त पोषण और संलिप्त तत्वों को उजागर किया जाए। उन्हें 'कानून, सैन्य शक्ति और कूटनीति के त्रिशूल' से जवाब मिलना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत को इस मुद्दे को और आक्रामक रूप से उठाना होगा कि पाकिस्तान आज भी आतंक का सबसे बड़ा निर्यातक है। उसके विरुद्ध आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य प्रतिबंधों का माहौल बनाना होगा। बहरहाल, पहलगाम का यह हमला केवल एक आतंकी हमला नहीं है बल्कि हमारे धैर्य, शक्ति और चेतना की परीक्षा है। यह देश की संप्रभुता पर हमला है और इसका जवाब इतना कठोर, स्पष्ट और निर्णायक होना चाहिए कि भविष्य में कोई आतंकी या उसका पालक भारत की ओर आंख उठाकर देखने का साहस न कर सके। भारत को पूरी दुनिया को अब यह साबित कर दिखाना होगा कि वह आतंक के विरुद्ध केवल एक पीड़ित राष्ट्र नहीं है बल्कि एक प्रचंड प्रतिकारक शक्ति भी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

विशेष दिवस

डॉ. अशोक कुमार जायसवाल

पंचायती राज व्यवस्था-प्राचीनकाल से अमृतकाल तक

भारत में पंचायतों का अस्तित्व आजादी के इस अमृतकाल से लगभग 4000 ई. पूर्व भारत के वेदों, ग्रंथों एवं काव्यों में मिलता है।पंचायतों की परिकल्पना, स्वरूप एवं उसके माध्यम से ग्रामीण विकास की अवधारणा वैदिक काल से भी पूर्व की है। वैदिक काल में तत्कालीन राजा पंचायतों के माध्यम से राज कार्य का दायित्व निर्वहन करते रहे। बौद्ध काल में ग्राम परिषदों की स्थापना की गई। मौर्यकाल में पंचायतों का कार्य क्षेत्र विस्तृत हो गया। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में पंचायतें प्रशासन का प्रमुख अंग हो गया तथा पंचायतों में सार्वजानिक कोष स्थापित किया गया। गुप्तकाल में ग्रामसभा का प्रमुख ग्रामिक होता था। ग्रामिक के प्रमुख अधीनस्थ अष्टकुलाधिकरण (आठ कुलों का निरीक्षक), शौल्किक (शुल्क वसूल करने वाला, चुंगी संग्राहक) गौल्मिक (वन, उपवननिरीक्षक), अग्रहारिक (ब्राह्मण को दिए हुए ग्रामों की देखभाल करने वाला) आदि नियुक्त किए गए। राजपूतकाल में पंचायतों का महत्व घट गया और सामंतों का अधिकार एवं सत्ता आ गई। मध्य काल के दौरान राज्य की सबसे छोटी ईकाई गांव थी। मुगलकाल में गांव प्रशासन की सबसे छोटी इकाई थी। परगनों को गांवों में विभाजित किया गया। पंचायतों द्वारा गांवों का प्रबंध होता रहा। इस दौरान ग्राम में चार महत्वपूर्ण अधिकारी थे- मुकद्दम, पटवारी, चौधरी और चौकीदार। दसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में दक्षिण में पंचायतें पूर्ण अस्तित्व में थीं। दक्षिण में उत्तरी मेरुर से पल्लव तक चोलकाल में पंचायतों की व्यवस्था के लगभग दो सौ अभिलेख है। पल्लव एवं चोल शासन के अंतर्गत ग्राम अधिकतम स्वायत्ता का उपभोग करते थे। दसवीं शताब्दी का एकलेख आज भी एक मंदिर की दिवार खुदा है। आधुनिक पंचायतों की चोलकालीन स्थानीय प्रशासन से तुलना करना सार्थक और रुचिकार है।

चोल राज्य के अंतर्गत दसवीं शताब्दी के पश्चात अनेक शिलालेख स्थानीय राजनीति पर प्रकाश डालते हैं। पंचायत-ग्राम 30 भागों में विभाजित था, जिनमें से प्रत्येक भाग का प्रतिनिधि लाटरी द्वारा चुनी गई वार्षिक परिषद में उपस्थित होता था। परिषद पांच उप-समितियों में विभाजित थी, जिनमें से तीन क्रमशः उद्यानों तथा विटिकाओं, तालाब तथा सिंचाई और झगड़े के निपटारे के लिए उत्तरदायी थी, जबकि अंतिम दो कार्य अनिश्चित थी।सदस्य अवैतनिक होते थे। परिषद में सम्मिलित होने का अधिकार सम्पत्ति योग्यता के द्वारा सीमित था, जिनमें मकान तथा छोटा भू-भाग सम्मिलित था। सदस्यता 35 से 70 वर्ष की आयु के मध्य वर्ग के लिये सीमित थी, जो एक वर्ष तक कार्यभार संभालते थे।

पंचायतीराज आधुनिक भारतमें 24 अप्रैल 1993 को लागू हुआ। 73वां संविधान संशोधन आधुनिक भारत के इतिहास में मिल का पत्थर है। 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से पंचायतों में निर्वाचन के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रारंभ हुई। जिसका सीधा प्रभाव स्थानीय स्व-शासन द्वारा सामाजिक-आर्थिक विकास पर पड़ा जिसकी परिकल्पना महात्मा गांधी द्वारा ग्राम स्वराज के रूप में की गई थी। 73वें संविधान संशोधन के 03 वर्ष पश्चात अनुसूचित क्षेत्र में पंचायतों का विस्तार अधिनियम 1996" लागू किया गया। इससे अनुसूचित क्षेत्र में ग्रामसभा की शक्तियों का विस्तार हुआ और ग्राम सभाएं अधिक सशक्त हुई। जल, जंगल और जमीन पर ग्रामसभा को मालिकाना हक प्राप्त हुआ है। पंचायतें 11वीं अनुसूची के 29 विषयों से संबंधित गतिविधियों पर कार्य योजना का निर्माण कर सतत विकास के 17 वैश्विक लक्ष्यों को स्थानीय स्तरपर 09 थीम में विभाजित कर कार्य योजना का निर्माण कर रही है।

आजादी के इस अमृतकाल से पूर्व तक ऐसा कोई पैमाना नहीं था जिससे पंचायतों की प्रगति का आकलन किया जा सके। पंचायती राज मंत्रालय ने पहली बार पंचायत एडवांस में टइनडेक्स (उन्नति सुचकांक) जारी किया है। इससे पंचायतों की सही स्थिति सामने आई, पहली रिपोर्ट में दक्षिण भारत के राज्यों की स्थिति अच्छी आंकी गई लेकिन तय मानकों के अनुसार 'ए प्लस' श्रेणी में कोई राज्य अपना स्थान नहीं बना पाया। देश की 2.55 लाख ग्रामपंचायतों में से 2.16 लाख ग्राम पंचायतों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें 699 ग्रामपंचायत 'ए' श्रेणी, 77298 ग्राम पंचायत 'बी' श्रेणी, 132392 ग्राम पंचायत 'सी' श्रेणी, तथा 5896 ग्राम पंचायत को 'डी' श्रेणी, प्राप्त हुआ। छत्तीसगढ़ प्रदेश की 11643 ग्राम पंचायतों में 1239 ग्राम पंचायतें 'बी' श्रेणी, 8955 ग्राम पंचायतें 'सी' श्रेणी, तथा 1449 ग्राम पंचायतें 'डी' श्रेणी, प्राप्त की। इस कड़ी में सरगुजा जिले की बतौली जनपद पंचायत की शिवपुर ग्रामपंचायत 73.15 अंक हासिल कर 'बी' श्रेणी, प्राप्त की। पंचायत उन्नति सूचकांक 17 सतत विकास लक्ष्यों को 9 थीम में विभक्तकर 794 आंकड़े बिंदु चिन्हित कर किया गया, जिसमें 435 यूनिक स्थानीय सूचकांकों का उपयोग किया गया है।

लेखक, संकाय सदस्य (पंचायती राज), ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा, रायपुर हैं।

सत्य की अनुभूति से जाग्रत होता है मन

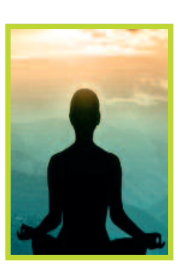

संकलित
दर्शन

इच्छा आकाश के समान अनंत है'- यह मैं भी जानता हूं और आप भी जानते हैं। सब जानते हैं कि इच्छा पूर्ण नहीं होती, अपूर्ण बनी-की-बनी रहती है। पर सच्चाई का साक्षात्कार करने वाले विरल व्यक्ति ही मिलेंगे। साक्षात्कार वही व्यक्ति कर पाता है, जिसका शुक्ल पक्ष जाग गया है। इसे समझने के लिए एक प्रसंग है। कपिल दो मासे सोने के लिए राजा के पास गया। राजा ने कहा- मांगो। अब इच्छा को खेलने के लिए अनंत आकाश मिल गया। इच्छा बढ़ती गई और पूरे राज्य को पा लेने और राजा को रंक बनाने की बात सोचकर ही शांत हुई । मोड़ आया। सच्चाई का भान हुआ। शुक्ल पक्ष जाग गया। राजा ने कहा- मांगो। कपिल बोला- क्या मांगू? कुछ है ही नहीं इस संसार में। अब मैं जा रहा हूं, उस देश में जहां मांग नहीं है, चाह नहीं है। कपिल संन्यासी बन गया। सच्चाई का साक्षात्कार होते ही मांग पूरी हो जाती है, चाह समाप्त हो जाती है। जब तक सच्चाई का अवबोध नहीं होता, तब तक मांग कभी पूरी होती ही नहीं, चाह मिटती ही नहीं। सिद्ध पुरुष ने अपने भक्त से कहा- प्रसन्न हूं। कुछ मांगो। भक्त बोला- कुछ नहीं चाहिए। सिद्ध पुरुष ने देखा, यह कैसा भक्त! अमूल्य क्षण को खो रहा है। मांगने के लिए आग्रह किया। भक्त बोला- यदि आप देना ही चाहते हैं तो यह वरदान दें कि मेरे मन में चाह उत्पन्न ही न हो, मांग रहे ही नहीं। यह तब संभव है, जब सत्य का साक्षात्कार हो जाता है। अन्यथा लोग मांग को पूरी करने के चक्कर में कितने देवी-देवताओं की मनौतियां मनाते हैं, पूजा-अर्चना करते हैं।

साधु प्रकृति के लोगों का साधन है भक्ति

संकलित
प्रेरणा

'भक्ति के प्रतिपादन के लिए ब्रह्म विषय के उत्तरकांड से ज्ञानकांड की सामान्यता दिखाई गई है।' शांडिल्य कहते हैं- वेदों में पहले क्रियाकांड है, कर्मवाद है; फिर दूसरे चरण में ब्रह्मज्ञान की बात है, ज्ञानवाद है; और फिर अंतिम चरण में ईश्वर की चर्चा है, भक्ति और भाव की बात है। नुष्य का अस्तित्व तीन तलों में विभाजित है- शरीर, बुद्धि, हृदय। या दूसरी तरह से कहें तो कर्म, विचार और भाव। इन तीनों तलों से स्वयं की यात्रा हो सकती है। स्थूलतम यात्रा होगी कर्मवाद की। इसलिए धर्म के जगत में कर्मकांड स्थूलतम प्रक्रिया है। दूसरा द्वार होगा ज्ञान का, विचार का, चिंतन-मनन। दूसरा द्वार पहले से ज्यादा सूक्ष्म है। दूसरे द्वार का नाम है- ज्ञान योग। तीसरा द्वार सूक्ष्मातिसूक्ष्म है- भाव का, प्रीति का, प्रार्थना का। उस तीसरे द्वार का नाम भक्ति योग है। कर्म से भी लोग पहुंचते हैं। लेकिन बड़ी लंबी यात्रा है। ज्ञान से भी लोग पहुंचते हैं। पर यात्रा संक्षिप्त नहीं है। बहुत सीढ़ियां पार करनी पड़ती हैं। पहले से कम, लेकिन तीसरे की दृष्टि में बहुत ज्यादा। भक्ति छलांग है। सीढ़ियां भी नहीं हैं, दूरी भी नहीं है। भक्ति एक क्षण में घट सकती है! भक्ति तत्क्षण घट सकती है। भक्ति केवल भाव की बात है। इधर भाव, उधर रूपांतरण। कर्म में तो कुछ करना होगा, विचार में कुछ सोचना होगा, भक्ति में न सोचना है, न करना है, होना है। इसलिए भक्ति को सर्वश्रेष्ठ कहा है। आज के सूत्रों में इसी की चर्चा है। शांडिल्य कहते हैं- ब्रह्माकांडं तु भक्तौ तस्य अनुज्ञानाया सामान्यात।

अंतर्मन

आज की पाती

अनिद्रा की बीमारी महामारी का रूप धारण कर लेगी

भारत सारी दुनिया में विश्व गुरु बनने की राह पर प्रगतिशील है, मगर विकास यात्रा के नाम पर विदेशों का कचरा भी भरा जा रहा है। इस बदलते हुए वातावरण में आदमी का जीवन स्तर पहले से ज्यादा बेहतर हुआ, मगर हम असली-नकली का अंतर करने में फेल हो रहे हैं। हर माल का डुप्लीकेट पहुंच गया है। आज के दौर में हर इनसान का आहार तक नकली हो गया है, फिर धर्म की रक्षा कौन करेगा? नई-नई बीमारियां फैल रही हैं, कोरोना के बाद अब आशंका है कि अनिद्रा की बीमारी वैश्विक महामारी का रूप धारण कर लेगी। वर्ष 2037 तक भारत भी इससे प्रभावित होगा, अतः इसकी रोकथाम के लिए अभी से कारगर योजना का निर्माण शुरू हो जाना चाहिए। *-जगन सिंह, ठाकुर*

ट्रेंड

आतंकियों को छोड़ेंगे नहीं

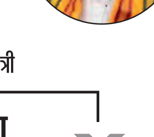

पहलगाम के आतंकी हमले में अपनों को खोने का दर्द हर भारतीय को है। इस दुःख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। मैं अपने इन सभी परिवारों और पूरे देश को विश्वास दिलाता हूँ कि बेगुनाह मासूम लोगों को मारने वाले इन आतंकियों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा।
-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

विशेष उड़ान के निर्देश

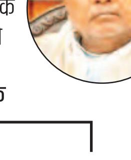

कश्मीर की यात्रा पर गए 40 से अधिक कन्नड़ लोग आतंकवादी हमले के कारण फंस गए हैं। मैंने अधिकारियों को उन सभी को सुरक्षित रूप से राज्य में वापस लाने के लिए एक विशेष उड़ान की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।
- सिद्धरमैया, सीएम, कर्नाटक

अमित शाह इस्तीफा दें

एक ही जगह पर 2,000 से ज़्यादा टूरिस्ट मौजूद थे, लेकिन वहां एक भी सुरक्षा कर्मी नहीं था, ये एक गंभीर सुरक्षा चूक है, अमित शाह जिनके हाथ में वहां की सुरक्षा व्यवस्था है, को अपनी इस नाकामी के लिए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।
-अखिलेश यादव, सपा सांसद

इंसाफ सुनिश्चित करें

पहलगाम में हुई हिंसा पर दुख एवं गुस्से को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होकर मजबूत बनें और इस जघन्य कृत्य के खिलाफ इंसाफ सुनिश्चित करें।
-शाहरुख खान, अभिनेता

करंट अफेयर

दुनियाभर में फैल रहे पूर्व दक्षिणपूर्वी एशिया के स्कैम

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण पूर्वी एशिया में दिन-पर-दिन साइबरस्कैम सेंटर बढ़ रहे हैं और ये दुनियाभर में भी फैल रहे हैं। गैंग के लोग कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए लगातार जगह बदलते रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया में अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध समूह दुनियाभर में अपने स्कैम का जाल फैला रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि जहां ये स्कैम सेंटर मौजूद थे, वहां सरकार और अधिकारी इन पर लगाम कसने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू कर रहे हैं। इससे बचने के लिए वे इलाके तलाश रहे हैं। ऐसे स्कैम सेंटर दक्षिण पूर्वी एशिया में कई सालों से चल रहे है। कंबोडिया,लाओस और म्यांमार, साथ ही फिलीपीन्स, इनका गढ़ माने जाते हैं और इसे अंजाम देने वाली अलग अलग गैंग एक बॉर्डर से दूसरे बॉर्डर घूमती रहते हैं ताकि वो किसी एक देश के कानून की गिरफ्त में ना आ सकें। यह स्कैम दुनिया में कई नए इलाकों तक भी पहुंच गए हैं। अफ्रीका और यहां तक कि लैटिन अमेरिका से भी ऐसी धोखाधड़ियों की खबरें आ रही हैं जहां स्कैमरों ने किसी को झूठे प्यार के जाल में फंसा लिया, या कोई झूठा निवेश और व्यापार का वादा कर के पैसे ऐंठ लिए या फिर गैरकानूनी सट्टेबाजी में लोगों को फंसा दिया हो।

ऑफ बीट

'स्लीपिंग प्रिंस', कोमा में रहते मनाया 36 वां जन्मदिन

सऊदी अरब के शाही परिवार के सदस्य प्रिंस अल-वालीद बिन खालिद बिन तलाल ने कोमा में रहते हुए 36 साल पूरे कर लिए हैं। दुनिया भर में वो 'स्लीपिंग प्रिंस' के नाम से जाने जाते है। उन्होंने कोमा में रहते हुए अपना जन्मदिन मनाया। वे पिछले लगभग दो दशकों से ऐसी ही हालत में हैं। प्रिंस अल-वालीद सऊदी अरब के संस्थापक किंग अब्दुलअज़ीज़ के परपोते हैं और प्रिंस तलाल बिन अब्दुलअज़ीज़ के पोते। वर्तमान सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ उनके दादा के भाई हैं, यानी प्रिंस के ग्रेट-अंकल। प्रिंस अल-वालीद 2005 में एक सैन्य कॉलेज में छात्र थे और एक सड़क दुर्घटना में उन्हें सिर पर गंभीर चोट आ गई। इसके बाद से वे कोमा में हैं और रियाद के किंग अब्दुलअज़ीज़ मेडिकल सिटी में वेंटिलेटर और फीडिंग ट्यूब के सहारे जीवित हैं। डॉक्टरों ने कई बार सुझाव दिया कि जीवन रक्षक उपकरणों को हटाया जाए, लेकिन प्रिंस के पिता, प्रिंस खालिद बिन तलाल ने इस सलाह को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा, अगर अल्लाह चाहते कि वह दुर्घटना में मर जाए, तो वह कब्र में होता। प्रिंस अल-वालीद अब भी मेडिकल उपकरणों के सहारे जीवन से जुड़े हुए हैं। उनका परिवार अब भी हर दिन एक चमत्कार की उम्मीद में है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

लॉन्ग सिटिंग जॉब से जब हो कमर में दर्द

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मेरी सिटिंग जॉब है। पिछले कुछ दिनों से मेरी कमर में दर्द हो रहा है। यह दर्द खड़े होने और चलने-फिरने पर अधिक बढ़ जाता है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-केतन, रोहतक

जैसा आप बता रहे हैं कि आपकी लंबी सीटिंग वाली जॉब है। इस तरह की जॉब वाले कई लोगों को ऐसी समस्या से रूबरू होना पड़ता है। इसका स्थाई समाधान पाने का तरीका है कि सबसे पहले आप एक साथ लंबी सिटिंग ना करें। सिटिंग के दौरान कुछ-कुछ समय के गैप पर सीट से उठकर चलते-फिरते रहें। साथ ही आप किसी फिजियोथैरेपिस्ट से संपर्क कर लें। वह आपको कुछ कमर की एक्सरसाइज बताएंगे, उसे नियमित रूप में आप सुबह-शाम करिए। एक्सरसाइज से ही स्थायी समाधान मिल पाएगा। वजन उठाने वाला और आगे झुकने वाला काम बिल्कुल ना करें। ज्यादा समस्या हो रही हो तो जरूर आप एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर सकते हैं।

मेरी उम्र 24 वर्ष है। गर्मी आते ही मेरे चेहरे पर कील-मुंहासे, दाने निकलने लगते हैं। कृपया कुछ ऐसा उपाय बताएं, जिससे इस बार मेरी स्किन कील-मुंहासों से बची रहे।

-सूरज, रायपुर

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको धूप और गर्मी से एलर्जी है। जिस वजह से आपको ऐसी समस्या होती है। कोशिश करें कि आप धूप और गर्मी में कम से कम बाहर निकलें। एक बार आप त्वचा रोग विशेषज्ञ से भी संपर्क कर लें। वह आपको कोई क्रीम और साबुन बता देंगे, जिनका उपयोग आप नियमित रूप में करें। बगैर डॉक्टर से सलाह लिए बाजार से कोई भी क्रीम या साबुन का इस्तेमाल ना करें।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। तीन साल पहले मैंने पाइल्स का ऑपरेशन करवाया था। पहले तो ठीक था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मुझे फिर दर्द हो रहा है। क्या मुझे फिर से इसका ऑपरेशन करवाना पड़ सकता है?

-एक पाठक, ईमेल से

एक बार आपको सर्जन से संपर्क करना चाहिए क्योंकि बगैर जांच किए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। कई बार ऑपरेट किए गए मस्से में फिर से परेशानी हो जाती है। जिस डॉक्टर ने ऑपरेशन किया था उसी से संपर्क करें तो बेहतर होगा।

मेरी उम्र 60 वर्ष है। मेरा पेट हमेशा भरा-भरा सा महसूस होता है। तय समय के हिसाब से खाना खा तो लेता हूं, लेकिन ठीक से भूख नहीं लगती। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-राज किशोर, बेमेतरा

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपकी पाचन क्रिया प्रभावित है। सबसे पहले आप अपना खान-पान सुधारें। खाने में अधिक तला-भुना और मिर्च-मसाले वाला खाना ना खाएं। दोपहर के खाने में सलाद, दही और पपीता जरूर शामिल करें। रात का खाना हल्का लें। पानी भी पर्याप्त मात्रा में पिएं। इससे आपको राहत मिलेगी। इससे भी राहत ना मिले तो एक बार गेस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर से कंसल्ट कर लें।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। मेरे पेट में दाईं तरफ अकसर बहुत तेज दर्द होने लगता है। पेनकिलर लेने पर तत्काल राहत तो मिल जाती है, लेकिन फिर यह दर्द कभी भी शुरू हो जाता है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-अक्षय, बिलासपुर

बगैर जांच किए इस संबंध में कुछ भी कहना ठीक नहीं है। आप डॉक्टर से संपर्क करें और पेट का अल्ट्रासाउंड करा लें, जिससे इस दर्द का कारण पता चलेगा। क्योंकि कई बार स्टोन की वजह से भी इस तरह की समस्या आती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप डॉक्टर से संपर्क कर लें। कारण जानने के बाद ही इलाज करना संभव होगा। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर एडवाइस

डॉ. नरेश कुमार
सीनियर फिजीशियन
एलएनजेपी अस्पताल, दिल्ली

गर्मी के मौसम में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। उनमें से कुछ मच्छरों के काटने से खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं। जिनके उपचार में कोताही बरतने पर ये बीमारियां जानलेवा भी साबित होती हैं। मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से होने वाली एक संक्रामक बीमारी है-मलेरिया। सही समय पर उपचार ना कराने से यह रोग भी जानलेवा साबित हो सकता है।

स्पेशलः वर्ल्ड मलेरिया डे, 25 अप्रैल

हालांकि पहले के मुकाबले देश-दुनिया में मलेरिया का प्रकोप कम हुआ है लेकिन अभी भी हर साल लाखों लोग इससे ग्रसित होते हैं। इसके प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ही हर वर्ष मलेरिया दिवस मनाते हैं। इस अवसर पर हम आपको यहां विस्तार से बता रहे हैं कि यह रोग कैसे होता है, इसके लक्षण क्या है, इसका उपचार कैसे होता है और इससे बचने के क्या तरीके हैं?

मच्छरजनित खतरनाक रोग मलेरिया बरतें पूरी सावधानी-रहें सुरक्षित

ऐसे होता है मलेरिया संक्रमण

मलेरिया रोग, मादा एनोफिलीज मच्छर के सलाइवा में मौजूद प्लाज्मोडियम परजीवी के संक्रमण से होता है। प्लाज्मोडियम की कई किस्में होती हैं- प्लाज्मोडियम वाइवेक्स, प्लाज्मोडियम फैल्सीफेरम, प्लाज्मोडियम ओवेल, प्लाज्मोडियम मलेरी। इनमें प्लाज्मोडियम फैल्सीफेरम से होने वाला मलेरिया बहुत खतरनाक और जानलेवा हो सकता है। मलेरिया के इन परजीवियों के संक्रमण का एक निश्चित चक्र होता है। मलेरिया पीड़ित व्यक्ति से एनोफिलीज मच्छर में और संक्रमित मच्छर से स्वस्थ व्यक्ति में। मादा एनोफिलीज मच्छर जब किसी मलेरिया के रोगी को काटती है तो उस व्यक्ति के खून में मौजूद मलेरिया के प्लाज्मोडियम परजीवियों को भी चूस लेती है और खुद भी संक्रमित हो जाती है। मच्छर के शरीर में पहुंचे मलेरिया के परजीवी 8-10 दिन में मलेरिया फैलाने में सक्षम हो जाते हैं। जब ये संक्रमित मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटते हैं, तो अपनी लार के साथ मलेरिया परजीवी उस व्यक्ति को संक्रमित कर देते हैं। ये परजीवी स्वस्थ व्यक्ति के लीवर में पहुंच कर तेजी से फैलने लगते हैं और ब्लड में पहुंच कर रेड ब्लड सेल्स को प्रभावित कर नष्ट करने लगते हैं। जिससे ब्लड प्लेटलेट्स कम होने लगते हैं और संक्रमित व्यक्ति मलेरिया की चपेट में आ जाता है। मच्छरों के काटने के अलावा मलेरिया के ये परजीवी गर्भवती महिलाओं के ब्लड से नवजात शिशुओं को भी संक्रमित कर सकते हैं। ब्लड ट्रांसप्लांट या डिस्पोजेबल इंजेक्शन का इस्तेमाल ना करने की स्थिति में भी एक स्वस्थ व्यक्ति को अपना शिकार बना सकते हैं।

प्रमुख लक्षणः मलेरिया के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि पीड़ित व्यक्ति को इंफेक्शन किस मच्छर से और किस लेवल का हुआ है? अपने देश में ज्यादातर मलेरिया, प्लाज्मोडियम वाइवेक्स से फैलता है। एनोफिलीज मच्छर के काटने के 10 से 14 दिन बाद मलेरिया के लक्षण दिखने शुरू हो जाते हैं। ये लक्षण फ्लू से मिलते-जुलते हो सकते हैं। इनमें शामिल हैं-

- बहुत तेज बुखार आना, विशेषकर ठंड लगकर कंपकंपी के साथ 3-4 घंटे के लिए 102-103 डिग्री फारेनहाइट तक बुखार आना। बुखार उतरते समय मरीज को बहुत अधिक पसीना आना। यह साइकिल 24 घंटे में दो-तीन बार रिपीट होता है और कुछ को 48 घंटे में। इस तरह बुखार का उतार-चढ़ाव व्यक्ति के इम्यून सिस्टम को प्रभावित करता है।
- शरीर में खून की कमी होना।
- बहुत ज्यादा कमजोरी और थकान महसूस होना।
- शरीर की मांसपेशियों में दर्द होना।
- पेट में दर्द होना और उल्टी आना।
- हाथ-पैर में ऐंठन होना।
- स्थिति गंभीर होने पर तेज सिर दर्द होना।
- उल्टी, दस्त, डायरिया होना।
- सांस लेने में दिक्कत होना।
- बेहोशी आना।
- लो ब्लड शुगर और यूरिन में खून आना।
- दिमागी सूजन से झटके आना, दौरे पड़ना, बेहोश होना।

ना बरतें लापरवाहीः अकसर मलेरिया के बुखार को साधारण फ्लू समझकर अनदेखा कर दिया जाता है। इससे मलेरिया का पता तब चलता है, जब इंफेक्शन बहुत ज्यादा बढ़ चुका होता है। ऐसे में शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज करने पर मलेरिया जानलेवा हो सकता है।

जांच का तरीकाः मलेरिया की जांच के लिए मूलतया माइक्रोस्कोपिक ब्लड टेस्ट किया जाता है। मरीज की मलेरिया स्क्रीनिंग के लिए रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किया जाता है, जिससे मलेरिया कंफर्म हो जाता है। ब्लड पैरीफेरल स्मीयर टेस्ट किया जाता है यानी माइक्रोस्कोप के माध्यम से ब्लड में मलेरिया पैरासाइट की किस्म की जांच की जाती है, जिसके मुताबिक इलाज किया जाता है। मलेरिया की जांच के लिए कार्ड टेस्ट (गर्भवती महिलाओं), पॉलीमेरास चेन रिएक्शन टेस्ट (डीएनए की जांच), कंप्लीट ब्लड काउंट टेस्ट (ब्लड प्लेटलेट्स की जांच), इम्यून-लॉजिकल ऑप्टिमल टेस्ट (परजीवी द्वारा बनाए गए एंटीजेन) भी कराए जाते हैं। अगर रोगी के ब्लड प्लेटलेट्स डेढ़ लाख से कम हैं और मलेरिया के लक्षण हैं, तो ट्रीटमेंट तुरंत शुरू कर दिया जाता है।

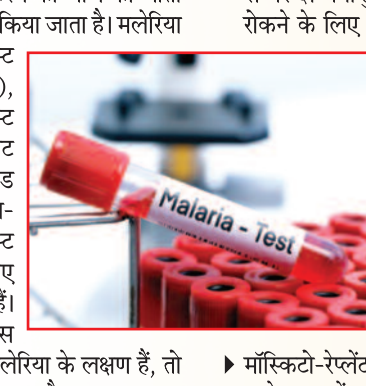

कैसे किया जाता है ट्रीटमेंटः अगर समय रहते उपचार शुरू कर दिया जाए, तो मलेरिया पर काबू पाना मुश्किल नहीं है। स्थिति के आधार पर मरीज को मेडिसिन दी जाती हैं। शुरुआती अवस्था में 3-5 दिन के लिए एंटी मलेरियल मेडिसिन दी जाती हैं, जैसे- क्लोरोक्विन, प्राइमाक्विन, डोक्सीसीलाइन एमेफ्लोक्विन। स्थिति गंभीर होने पर मरीज को आईसीयू में एडमिट करना पड़ सकता है और एसिंप्टोमैटिक उपचार किया जाता है। मलेरिया के लिए आरटीसुनेट और क्विनिन मेडिसिन दी जाती हैं। सेरेब्रल मलेरिया के कारण दिमाग में सूजन और झटकों को कम करने की दवाइयां भी दी जाती हैं। गर्भवती महिला को मलेरिया की पुष्टि होने पर स्त्री रोग विशेषज्ञ की सलाह पर तुरंत उपचार शुरू कर दिया जाता है। इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए उन्हें आयरन और विटामिंस की अतिरिक्त खुराक देनी पड़ती है।

कैसे करें बचावः चूंकि मलेरिया से बचने के लिए फिलहाल कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। जरूरी है, मलेरिया के कारक मच्छरों से बचा जाए और मच्छरों से बचाव के लिए खुद पर ध्यान देने के साथ आस-पास के वातावरण पर भी ध्यान देना जरूरी है-

- मलेरिया फैलाने वाले मच्छर गंदे पानी में पनपते हैं। इसलिए गमलों, कूलर में या घर के आस-पास पानी इकट्ठा न होने दें और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। गड्ढे वगैरह हों तो मिट्टी, पत्थर से भर दें। जमा हुए पानी में मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए ऑयल स्प्रिकल करें। नालियों, गटर में नियमित तौर पर डीडीटी, बीएचसी पाउडर जैसे कीटनाशक दवाइयों या फिर केरोसिन का छिड़काव करें।
- दरवाजे, खिड़कियों, रोशनदानों या एग्जॉस्ट फैन चिमनियों पर जाली वाले दरवाजें लगवाएं ताकि मच्छर घर में ना आ सकें।
- मॉस्किटो-रेप्लेंट, कॉयल या वेपराइजर्स का इस्तेमाल करें।
- फुल स्लीव्स और फुल लेंथ के कपड़े पहनें। बच्चों का खास ध्यान रखें। शाम को बाहर या पार्क में खेलते समय ऐसे ही कपड़े पहनाएं।
- मुंह, हाथों या शरीर के दूसरे खुले अंगों पर एंटी मॉस्किटो क्रीम या सरसों, नीम, नीबू, लैवेंडर जैसे तेल लगाएं।
- सोते समय केमिकलयुक्त मॉस्किटो-कॉयल या रेप्लेंट इस्तेमाल करने के बजाय यथासंभव मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। छोटे-बड़े सभी को मच्छरदानी लगाकर सोने की आदत डालें।
- घर के अंदर तुलसी, पुदीना, अजवायन, मेहंदी, लेमनग्रास, गेंदा, चमेली जैसे औषधीय पौधे लगाएं। इनकी महक से मच्छर दूर भागते हैं।
- ऐसी जगह पर जाने से बचें, जहां पर मच्छर ज्यादा हों। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

कारगर घरेलू उपचार

मलेरिया होने पर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए कई किस्म की जड़ी-बूटियों का सेवन कारगर होता है।

नीम की पत्तियों का काढ़ाः 4-5 नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर पीएं। यह संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

गिलोय का रसः यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, दिन में एक बार 10-15 एमएल गिलोय का रस पी सकते हैं।

तुलसी-अदरक की चायः तुलसी, अदरक और काली मिर्च डालकर बनी चाय मलेरिया में बहुत लाभकारी होती है।

पपीते के पत्तों का रसः पपीते के पत्तों का रस, प्लेटलेट्स बढ़ाने और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। **-डॉ. माजिद अलीम**

आहार

शिवचरण चौहान

वैसे तो दही और छाछ का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता ही है। लेकिन गर्मी के मौसम में दही का सेवन पाचन के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है। पाचक, शीतल दही के स्वास्थ्यकर गुणों के बारे में जानिए।

इस मौसम में खाएं दही आपका पेट रहेगा सही

आमतौर पर गाय या भैंस के दूध से दही जमाया जाता है। दही को मथकर मही यानी मट्ठा या छाछ बनता है। गर्मी के मौसम में दही और मट्ठा दोनों का सेवन हमारे स्वास्थ्य, विशेष रूप से पाचन तंत्र के लिए बहुत लाभप्रद होता है।

उपस्थित पोषक तत्वः वैज्ञानिकों के अनुसार दही के रासायनिक संगठन में 89.1 प्रतिशत पानी तथा 9 प्रतिशत ठोस भाग होता है। ठोस हिस्से में फैट 4%, लेक्टोज 2.9 प्रतिशत, प्रोटीन 0.8 प्रतिशत तथा कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, विटामिन ए, बी और सी के भी पर्याप्त अंश पाए जाते हैं।

गुणों का भंडारः दही एक पूर्ण पौष्टिक आहार है और हर कहीं आसानी से उपलब्ध हो सकता है। आयुर्वेद के अनुसार दही रुचिकर, भूख बढ़ाने वाला, स्निग्धता प्रदान करने वाला, पाचन में सहायक, वात नाशक, विषनाशक, यकृत की शक्ति बढ़ाने वाला, बवासीर और अन्य उदर रोगों के लिए लाभप्रद होता है। दही, हृदय और मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करने वाला और आंतों की सफाई करने में भी सहायक होता है। अमेरिका के प्रो. जार्ज बी. मान ने अनेक शोधों के बाद निष्कर्ष निकाला कि दही में एक ऐसा तत्व भी मौजूद होता है, जो रक्त में कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल के दौरे को रोकता है। इसीलिए हृदयरोगियों को प्रो. जार्ज सलाह देते हैं कि दही पर्याप्त मात्रा में नियमित खाना चाहिए।

पाचन रखे सहीः दही में दूध के सभी गुण मौजूद रहते हैं। दूध में पाए जाने वाले जीवाणु ही गर्मी पाकर जब बढ़ने लगते हैं। वे दूध में उपस्थित शर्करा को लैक्टिक अम्ल में तब्दील कर देते हैं। इससे दूध का प्राकृतिक मीठा स्वाद तो खट्टे स्वाद में परिवर्तित हो जाता है। लेकिन दूध में मौजूद अन्य गुण जैसे चिकनाहट और उसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे- विटामिन ए और बी, प्रोटीन, कैल्शियम, फॉस्फोरस आदि विद्यमान रहते हैं। एक शक्तिदायक खाद्य पदार्थ होने के बावजूद यह मोटापा नहीं बढ़ाता। दही वीर्यवर्धक होता है और इससे पुरुषों के शुक्राणु पुष्ट होते हैं। यह हृदय, मस्तिष्क के समान ही यकृत को भी मजबूत बनाने में सहायक होता है। हमारा शरीर दही का 91 प्रतिशत भाग एक घंटे में सहजता से पचा लेता है। इस तरह यह अत्यंत पाचक है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, आंतों के निचले हिस्से में ऐसे बैक्टीरिया होते हैं, जिनका भोजन पचाने में बड़ा योगदान होता है। ऐलोपैथी की अधिक दवाएं खाने से इन बैक्टीरिया की सक्रियता में कमी आ जाती है। इससे भोजन का पाचन सही रूप से नहीं हो पाता। दही में यह गुण होता है कि वह इन बैक्टीरिया को पुनः सक्रिय बना देता है, जिससे पाचन तंत्र सुचारु रूप से कार्य करने लगता है। दही शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी सहायक होता है। कुछ वैज्ञानिकों का तो ऐसा भी कहना है कि दही के नियमित सेवन करने से कैंसर को प्रारंभिक अवस्था में ही रोका जा सकता है।

स्वस्थ-दीर्घायु जीवनः माना जाता है कि दही के नियमित सेवन से व्यक्ति दीर्घायु होता है। रूस के जॉर्जिया प्रदेश की 50 लाख की आबादी में कई हजार लोग सौ वर्ष से अधिक की आयु में भी स्वस्थ-प्रसन्नचित्त रहते हैं। बुल्गारिया में भी हजारों लोग वृद्धावस्था में पूरे तौर पर सेहतमंद रहते हैं। माना जाता है कि वहां के लोग अनुशासित जीवनशैली, पौष्टिक आहार अपनाने के अलावा भरपूर मात्रा में दही का नियमित सेवन भी करते हैं।

ये भी हैं फायदेः दही को बहुत प्राचीनकाल से सिर धोने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता रहा है। इससे केश मुलायम, घने, काले और लंबे होते हैं। बालों की जड़ों में दही को अच्छी तरह लगाकर स्नान करना चाहिए। दही की ठंडी मलाई पलकों पर लेप करने से गर्मी और जलन कम होती है। वजन कम होने की शिकायत होने पर दही में छुहारा, किशमिश, बादाम, पिस्ता, चिरौंजी आदि मिलाकर नियमित रूप से सेवन करने से वजन में पर्याप्त वृद्धि होती है। दही की इतनी उपयोगिता को देखते हुए दही का सेवन नियमित रूप से किया जाना बहुत ही फायदेमंद है। लेकिन मिलावटी दूध से बना दही नुकसान करता है, इसलिए दही की गुणवत्ता की जांच परख कर इसका सेवन करना चाहिए। *

छाछ भी है लाभदायक

गर्मियों में दही की लस्सी या छाछ का सेवन करना भी लाभकारी है। यह तृप्तिदायक शीतल पेय है। छाछ में दही के समान ही स्वास्थ्यवर्धक गुण पाए जाते हैं। छाछ के विभिन्न रोग-निवारक गुणों के कारण ही आयुर्वेद और यूनानी उपचार चिकित्सा पद्धति में इससे मंदाग्नि, आंतों की कमजोरी, पेचिश और दस्त आदि रोगों का उपचार किया जाता है। कब्जियत से छुटकारा पाने के लिए दही से बनी छाछ का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए। इस छाछ में चुटकी भर काला नमक और पिसी अजवाइन भी डाला जा सकता है।

मेंटल हेल्थ

आज की जीवनशैली ऐसी हो गई है कि बच्चे, किशोर, युवा और वृद्ध हर उम्र के लोग तनाव और अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में इसकी वजहें और इनसे बचने के तरीकों के बारे में जानना बहुत जरूरी है।

हर उम्र के लोगों में बढ़ रही मेंटल प्रॉब्लम्स

आज के दौर में दुनिया भर में हर उम्र के लोगों में मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसकी प्रमुख वजहों के बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-काउंसिल एंड साइकोथेरेपी, **डॉ. नीलशा भेरवानी** बताती हैं, 'मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ने की प्रमुख वजहें तनाव, अनियमित दिनचर्या, सामाजिक दबाव, आर्थिक अस्थिरता, डिजिटल ओवरलोड और अकेलापन हैं। नींद की कमी, असंतुलित आहार, नशे की लत और शारीरिक गतिविधियों की कमी भी मानसिक बीमारियों को बढ़ावा देती हैं।' मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आवश्यक है, इसके लिए सही दिनचर्या, योग-ध्यान, संतुलित आहार और संवाद को बढ़ावा देना जरूरी है। जागरूकता और समय पर इलाज से मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाया जा सकता है।

कॉमन मेंटल प्रॉब्लम्सः आजकल लोग कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनमें प्रमुख रूप से डिप्रेशन, एंग्जायटी डिसऑर्डर, बाइपोलर डिसऑर्डर, ओसीडी (ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर), पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) और इंसोम्निया (अनिद्रा) शामिल हैं। लंबे समय तक तनाव, अकेलापन, असंतुलित जीवनशैली और डिजिटल एडिक्शन इन समस्याओं को बढ़ा रहे हैं। युवाओं में सोशल मीडिया की वजह से आत्मविश्वास की कमी और एंग्जायटी बढ़ रही है, जबकि वयस्कों में वर्क-प्रेशर और आर्थिक चिंताओं से डिप्रेशन आम होता जा रहा है।

प्रमुख लक्षणः कोई व्यक्ति किसी मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम से ग्रस्त है, इसकी पहचान के बारे में मेरठ स्थित छत्रपति शिवाजी सुभारती हॉस्पिटल में कंसल्टेंट-साइकेट्रिस्ट, **डॉ. रितिका** बताती हैं- किसी व्यक्ति के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की पहचान उनके व्यवहार, भावनाओं और शारीरिक लक्षणों से की जा सकती है। लगातार उदासी, चिंता, चिड़चिड़ापन, आत्मविश्वास में कमी, बिना कारण डर लगना, अत्यधिक नकारात्मक सोच, एकांतवास पसंद करना आदि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के संकेत हो सकते हैं। नींद न आना या ज्यादा सोना, भूख में कमी या वृद्धि, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और रोजमर्रा के कार्यों में रुचि खत्म होना भी लक्षण हो सकते हैं। बार-बार सिरदर्द, थकान और दिल की धड़कन तेज होना भी संकेत देते हैं। अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें, तो तुरंत विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।

बचाव के तरीकेः मेंटली हेल्दी रहने के लिए संतुलित जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है। नियमित योग, ध्यान और एक्सरसाइज मानसिक तनाव को कम करने में मदद करते हैं। संतुलित और पौष्टिक आहार शरीर के साथ दिमाग को भी स्वस्थ रखता है। पर्याप्त नींद (7-8 घंटे), सोशल कनेक्शन बनाए रखना, स्क्रीन टाइम कम करना और अपने शौक के लिए समय निकालना, मानसिक शांति बढ़ाता है। नकारात्मक सोच से बचें और जरूरत पड़ने पर दोस्तों, परिवार या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से बात करें। अत्यधिक कैफीन, नशे और जंक फूड से दूरी बनाना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

ऐसे करें उपचारः मेंटल प्रॉब्लम्स के उपचार के लिए श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-साइकोलॉजी, **डॉ. प्रशांत गोयल** सलाह देते हैं, 'मेंटली अनफिट व्यक्ति के उपचार में थेरेपी जैसे काउंसलिंग, मेडिटेशन, दवाएं और लाइफस्टाइल चेंज मददगार हो सकते हैं। परिवार और दोस्तों का सहयोग बेहद जरूरी है। वे भावनात्मक सहारा देकर, बिना जज किए बात सुनकर और सकारात्मक माहौल देकर मरीज की रिकवरी में मदद कर सकते हैं। अगर कोई व्यक्ति लगातार उदास, चिंतित, अकेला महसूस कर रहा हो, रोजमर्रा के काम करने में असमर्थ हो या आत्मघाती विचार आ रहे हों, तो तुरंत मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।' मेंटल हेल्थ समस्या भी शारीरिक बीमारी की तरह गंभीर हो सकती है, इसलिए इलाज में देरी नहीं करनी चाहिए।

बच्चे-किशोर भी हो रहे ग्रस्तः आज के दौर में बच्चे और किशोर भी स्ट्रेस और डिप्रेशन का खूब शिकार हो रहे हैं। दरअसल, पढ़ाई का दबाव, सोशल मीडिया की तुलना, करियर की चिंता और पारिवारिक तनाव के कारण उनमें स्ट्रेस और डिप्रेशन बढ़ रहा है। इससे बचाने के लिए खुला संवाद, संतुलित दिनचर्या और भावनात्मक सहयोग जरूरी है। माता-पिता को बच्चों पर अत्यधिक प्रेशर डालने के बजाय उनकी भावनाओं को समझना चाहिए। डिजिटल डिटॉक्स, फिजिकल एक्टिविटी और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने से मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। स्कूल और समाज में मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि बच्चे बिना डर अपने मन की बात साझा कर सकें और समय रहते मदद मिल सके। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

शाह बानो पर अब बनने जा रही है फिल्म : नई दिल्ली। 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम के मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था जिसे अब 40 साल पूरे हो गए हैं। यह फैसला भारत के सबसे चर्चित और विवादास्पद न्यायिक फैसलों में से एक रहा है। यूनिफॉर्म सिविल कोड. वक्फ बोर्ड ट्रिपल तलाक. शाह बानो. ये सिर्फ सुर्खियां नहीं हैं। ये उस दौर की गूंज हैं जब अदालत का एक मामला जनमत का तूफान बन गया, देश की धर्मनिर की कसौटी बना, जिसने एक लंबी बहस को जन्म दिया: समानता बनाम पहचान. खबरें हैं कि शाह बानो केस और ऐसे अन्य मामलों से प्रेरित एक शक्तिशाली फीचर फिल्म बन रही है। जिसका निर्देशन सुपर्ण वर्मा कर रहे हैं। फिल्म में यामी गौतम और इमरान हाशमी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी सुखौना टेबलेट 20 वर्षों से प्रसिद्ध HMS देखकर खरीदें 94060-21769

घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्फुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिवाई फटने पर, बर्रे काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।

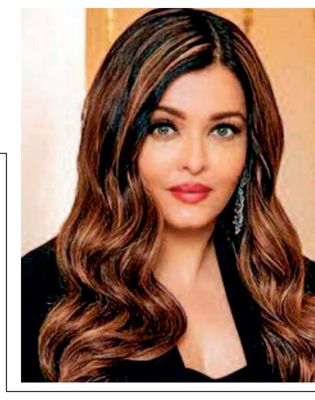

एक एसएमएस जिसने बदल दी जिंदगी

नई दिल्ली। 15 फरवरी 2008 को बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म जोधा अकबर रिलीज हुई थी, जिसमें राजपूत राजकुमारी जोधा और मुगल सम्राट अकबर की कहानी को दिखाया गया था और लीड रोल में ऐश्वर्या राय और ऋतिक रोशन नजर आए थे। दोनों ने इस फिल्म में आईकॉनिक रोल प्ले किया था। साल 2008 में रिलीज हुई फिल्म जोधा अकबर में ऐश्वर्या राय ने आईकॉनिक रोल प्ले किया था, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि ऐश्वर्या राय को कास्ट करने के लिए फिल्म के डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर ने उन्हें एक एसएमएस भेजा था, जिसमें पूछा गया था क्या आप मेरी जोधा बनेंगी? इसके जवाब में ऐश्वर्या राय ने लिखा था हां मैं बनूंगी और उसके बाद एक स्माइली उन्हें सेंड की थी। यह फिल्म ऐश्वर्या राय की करियर की टॉप फिल्मों में से एक रही थी। और इस फिल्म को भारत के अलावा अमेरिका के भी 115 थिएटर में रिलीज किया गया था।

हरिभूमि HEALTH CARE छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाईं, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेज़र ट्रीटमेंट — सिंघानिया स्किन केयर, 36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 — Makeover — मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com

निवेद चेस्ट & आई केयर — डॉ. देवी ज्योति दाश M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist) — डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology — 24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0771-4337888, 7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअक्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल — डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified) — सेन्ट्रल एवेन्यू, चौबे कालोनी, प्रगति कॉलेज, रायपुर (छ.ग.) — फोन: 0771-4044551 — समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ — गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर — मो. 7999450384, 7042974029

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर) — जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्प्लेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)

मनोरोग, नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ — प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मो. 9977247553 — समय: सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। — बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) — आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) — 7987225800, 9301744425

डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre — Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304 — 17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

स्वास्तिक नर्सिंग होम — बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल — मो. 7991031330, मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट) — स्किन क्लिनिक — चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) — 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

बांठिया हॉस्पिटल — राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.) — फोन: 0771-2425009, 2424737 — आयुष्मान भारत योजना

अब नेटफ्लिक्स पर खुलेंगे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सारे राज

नई दिल्ली। क्या आपने कभी सोचा कि आपके पसंदीदा डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार्स की कहानियां कैसे लिखी जाती हैं? या फिर रिंग में होने वाली हरकतों के पीछे क्या राज छिपा होता है? अब इन सारे रहस्यों के राज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर खुलने जा रहे हैं। नेटफ्लिक्स पर डब्ल्यूडब्ल्यूई: अनरियल आ रही है, यह सीरीज आपको उन स्क्रिप्ट मीटिंग्स में ले जाएगी, जहां आइकॉनिक स्टोरीलाइंस का जन्म होता है। साथ ही, उन भावनात्मक उतार-चढ़ाव को भी दिखाएगी, जो सुपरस्टार्स और क्रिएटिव टीम को एकजुट करते हैं या फिर आमने-सामने ला देते हैं। दुनिया की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट कंपनी डब्ल्यूडब्ल्यूई अब नेटफ्लिक्स पर अपनी अनकही कहानियों के साथ धमाल मचाने को तैयार है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी. क्र./ सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
1	2	3
19/166645	S.R./M.O.W./ DEPOSITE WORK AS PER SANCTIONED TIME TO TIME FOR RES. & NON RES. BUILDING AT RAJBHAWAN SECTION, UNDER P.W.D. CONSTRUCTION SUB. DIVISION-2 RAIPUR (C.G.)	रू. 50.00 लाख
20/167221	S.R./M.O.W./DEPOSITE WORK AS PER SANCTIONED TIME TO TIME FOR RES. & NON RES. BUILDING AT MEKAHARA AND CONSUMERFORUM SECTION, UNDER P.W.D. CONSTRUCTION SUB. DIVISION-2 RAIPUR (C.G.)	रू. 30.00 लाख
21/167222	WHITE WASHING, COLOUR WASHING, DISTEMPERING & PAINTING WORK OF RES. AND NON RESIDENTIAL BUILDING AT MEDICAL COLLEGE, STATE HEALTH AND PHYSIOTHERAPY COLLEGE, I.T.I SECTION, UNDER CONSTRUCTION SUB DIVISION-2, RAIPUR	रू. 20.00 लाख
22/167224	S.R./M.O.W./ DEPOSITE WORK AS PER SANCTIONED TIME TO TIME FOR RES. & NON RES.BUILDING, AT MEDICAL COLLEGE SECTION, UNDER P.W.D. CONSTRUCTION SUB. DIVISION -2 RAIPUR (C.G.)	रू. 30.00 लाख
23/167225	ORDINARY MAINTAINANCE WORK FOR RES. & NON RES.BUILDING, AT MEKAHARA CAMPUS, UNDER P.W.D. CONSTRUCTION SUB. DIVISION-2 RAIPUR (C.G.)	रू. 50.00 लाख
24/167226	ORDINARY MAINTAINANCE WORKE FOR RES. & NON RES.BUILDING, AT RAJBHAWAN SECTION, UNDER P.W.D.CONSTRUCTION SUB. DIVISION-2 RAIPUR (C.G.)	रू. 50.00 लाख
25/167227	WHITE WASHING, COLOUR WASHING, DISTEMPERING & PAINTING WORK OF RES. AND NON RESIDENTIAL BUILDING, RAJBHAWAN SECTION, UNDER CONSTRUCTION SUB DIVISION-2, RAIPUR	रू. 50.00 लाख

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 11.05.2025 समय सायं 5.30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
रायपुर मंडल क्र.-1, रायपुर (छ.ग.)

G- 252600430/3

हरिभूमि क्लासिफाईड — तलाश की नई सुबह
epaper : www.haribhoomi.com
लघु विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड
आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 50 ऊंचाई 5.5 इंच योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक (ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री) खाने की सुविधा दस्तावेज (आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंकसूची, बैंक पासबुक, 8 पासपोर्ट फोटो) कार्यालय शॉप नं. 08 प्रथम तल, कमला सुपर बाजार, तेलघानी चौक, रायपुर छत्तीसगढ़ फोन 0771-4036689 मों. 9770304037, 8120957510.(RO-7305)

आवश्यकता है- रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5,8,10 पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहने, खाने की सुविधा, वेतन 14500 से 19000 तक MO. 8109070600. (RO-7086)

दुकान कार्य
आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु आठवीं/दसवीं तक पढे लडको की आवश्यकता है कार्य समय 11 से 8 बजे तक। इच्छुक (मोबाइल नंबर) सहित संपर्क करें: शिल्पा सेल्स ए-10 आरडीए काम्पलेक्स, शारदा चौक रायपुर (RO-7214)

गोडाऊन कीपर/लेबर
आवश्यकता है- गोडाऊन में कार्य हेतु 1 गोडाउन कीपर और 1 लेबर की। सोना ट्रेडिंग कंपनी, सांता स्वीट्स के पास, भनपुरी बाजार चौक, भनपुरी, रायपुर। संपर्क - 6266694683 (समय - 10 से 6) (RO-548)

हरिभूमि क्लासीफाईड — छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

कम्प्युटर ऑपरेटर
Wanted- REQUIRED EXPERIENCE FEMALE COMPUTER OPERATOR KNOWLEDGE GST WAYBILL PURCHASE SALE ENTRY SEND RESUME WHATSAPP Mob. No. 8777261838. (RO-058)

घरेलु कार्य
आवश्यकता है- बच्चा संभालने हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की) चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। स्थान अमलीडीह, रायपुर सम्पर्क करे:- 9575042812. (RO-057)

मैनेजर/क्लर्क
आवश्यकता है- सी.एस.डी. कैंटीन रायपुर के लिए मैनेजर- 22000/-, असिस्टेंट मैनेजर- 21000/- अकाउंट क्लर्क /ऑफिस क्लर्क- 16000/- दुर्ग एवं बिलासपुर के लिए जे.सी.ओ. इंचार्ज- 21000/-, रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग एवं नया रायपुर के लिए स्टोर होल्डर- 18000/-, बिलिंग क्लर्क /बिल चेकर /एमटीएस- 15000/-, सफाई कर्मी- 10700/- आवेदन Email ID hqcosaurc1985@gmail.com पर दिनांक 25 अप्रैल 2025 तक करें। अधिक जानकारी के लिए https://www.hqcosaraipururc.in पर विजिट करें। संपर्क:- 9685726593. (RO-048)

स्वीपर
आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्तिः चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा. नशेड़ी संपर्क न करें. मो.नं. 7225888800. (RO-6975)

ऑफिस कार्य
आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है संतोषी नगर चौक के आगे डूण्डा दुर्गा मंदिर के पास रायपुर संपर्क करें:- 9343688254, 7879020825 (RO-7312)

शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके अंबिकापुर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए। वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें- 9303374409, 8279232601. (Ro-0325)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु अविवाहित लडको की उम्र 18-32, 10th, 12th पास जो आगरा, में रह कर काम कर सके वेतन 10,000/- + कमीशन + बोनस, रहना फ्री शीघ्र संपर्क करे - 6395268809, 7252820491.(RO-319)

सिक्योरिटी/सुपरवाइजर
आवश्यकता है- भारी संख्या में अतिशीघ्र सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247244800, 07752448013. (RO-37516)

सेल्स मार्केटिंग
Wanted- Required experience in sales marketing for all works in Raipur, Raigarh, and odisha and M.P, Mob. No. 9830027878 Resume send Whatsapp. (RO-059)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ड्रायवर/ लेबर
आवश्यकता है- आशीर्वाद किराया भंडार में लेबर + ड्राइवर, वेतन 11000/- , लेबर- वेतन 9000/- की आवश्यकता है। समय 9 से 8:30 बजे तक संपर्क करें - पता- ब्राह्मण पारा रायपुर मो. - 98261-82338 (RO-7308)

वेटर
आवश्यकता है- बार में कार्य हेतु अनुभवी वेटर की आवश्यकता है अनुभवी ही संपूर्ण बायोडाटा सहित संपर्क करें। विनार बार एंड रेस्टोरेंट लिंक 1 के के रोड रायपुर - मोबाइल :- 9713577672. (RO-7311)

फील्ड ऑफिसर
आवश्यकता है- रायपुर व सभी तहसील व जिला स्तर पर आयुर्वेदिक दवाई सेल्स फील्ड ऑफिसर -20 पद (1-2 वर्ष अनुभवी) चाहिए स्वयं का वाहन अनिवार्य वेतन चर्चानुसार गीता आयुर्वेदिक अवंती विहार रायपुर मो:- 8878461810, 9399370940. (RO-7310)

दुकान कार्य
आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक गोल बाजार के पास कार्य हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है संपर्क:- रायपुर 9827918086, 9685688086. (RO-060)

आवश्यकता है- थोक साड़ी एवं रेडीमेड कपड़ा दुकान में काम हेतु लड़के/ लड़कीयों की अनुभवी/बगैर अनुभवी वेतन योग्यतानुसार, केवल स्थानीय व बायोडाटा सहित मिले। महेश फैब्रिक्स ,जैनज्योति काम्प्लेक्स चिकनी मंदिर के पास गोलबाजार रायपुर 9827928290, 9752022866. (Ro- 596)

क्लासीफाईड

मिल कार्य
आवश्यकता है- तेल मिल में कार्य हेतु लड़के की आवश्यकता है वेतनः 8,000/- 10,000/- प्रतिमाह समयः सुबह 10 से रात 8 तक- मोबाइल/ स्वयं वाहन अनिवार्य संपर्क: 9977067874. (RO-398)

फिल्ड/ड्रायवर/हेल्पर
आवश्यकता है- कोरियर में फिल्डकार्य हेतु बाइकर्स और टाटाएस मेहनती ड्राइवर, हेल्पर, कम्प्यूटरआपरेटर की आवश्यकता है। दरूवे ना आये। जीएमएस कोरियर ए-4, पगारिया काम्प्लेक्स, पुरानाबस स्टैंड, पंडरी रायपुर 9399676408. (RO-meeth)

अन्य
आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें - 8922962153. (RO-842)

Property प्रापर्टी

मकान
मकान बेचना है- प्लाट साइज- 60x24 = 1440 कंस्ट्रक्शन एरिया- 3550 किराया- 30,000/- माह (तीनफ्लोर) वॉलफोर्ड के समीप रिंग रोड नंबर -01, भाटागांव रायपुर (नए बस स्टैंड के समीप) मूल्य- 90 लाख मो. नंबर 9575086006.(RO-7313)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

प्लाट
प्लॉट उपलब्ध है- दुर्ग बायपास टोलप्लाज़ा, किआ शोरूम के पास रेसिडेंशियल व कमर्शियल सर्वसुविधायुक्त प्लाट - विकसित क्लोज़्ड कैंपस, CC रोड, नाली, मंदिर, स्ट्रीट लाइट, मैरिज हॉल सहित। तुरंत मकान बना सकते हैं। संपर्क:- 7247006610, 7247006609 (आरो न.- 7174)

प्लाट बेचना है- दुर्ग सुभाष नगर वार्ड - 42 शिव मंदिर के पास दुर्ग कूल प्लॉट एरिया 1800 वर्गफिट ,1200 वर्गफिट में कंस्ट्रक्शन कूल 07 कमरे का पूर्ण सुविधायुक्त केवल हिंदू क्रर्यकर्ता को बेचना है मो .9826803795 (आरो नं.- 730)

हरिभूमि क्लासीफाईड

For Rent किराया
किराये से देना है- ऑटो किराये मे चाहिए- ई रिक्शा या डीजल ऑटो माल वाहक या सवारी वाला 11 से 6 बजे तक ड्राइवर सहित लोडिंग अनलोडिंग कर सकने वाले को प्राथमिकता सम्पर्क Mob. 9098148235. (RO-065)

सब कुछ है यहां — पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगो का सफल ईलाज
- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातू जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।

निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर (केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्रं.	सिस्टम निविदा क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	167062 प्रथम आमंत्रण 15.04.2025	नाबार्ड योजनांतर्गत जिला-बीजापुर ब्लॉक-भैरमगढ़ के अंतर्गत डारापाल से बांगापाल (शेष कार्य) तक मार्ग निर्माण कार्य पुल-पुलिया सहित लंबाई 3.50 कि.मी.।	382.52
2	167124 प्रथम आमंत्रण 15.04.2025	जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के वि.ख. मोहला में शासकीय कन्या महाविद्यालय भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, लैण्ड स्कैपिंग, पहुंच मार्ग एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण का कार्य।	442.30
3	166793 प्रथम आमंत्रण 15.04.2025	जिला गरियाबंद के देवभोग- झाखरपारा मार्ग के बेलाटजोर नाला पर उच्चस्तरीय पुलमय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	424.68
4	167085 प्रथम आमंत्रण 15.04.2025	जिला सूरजपुर के सूरजपुर केतका मुख्य मार्ग से देवीपुर महामाया मंदिर होते हुये पंपापुर तक मार्ग लं. 4.00 कि.मी. चौड़ीकरण एवं उन्नयन निर्माण कार्य।	903.13
5	167086 तृतीय आमंत्रण 15.04.2025	जिला कबीरधाम के पिपरिया से गंगापुर मार्ग लंबाई 3.80 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण का कार्य।	497.62
6	167088 द्वितीय आमंत्रण 15.04.2025	जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के मुरकील से गोयनी म.प्र. सीमा तक मार्ग लं. 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	386.69
7	167104 प्रथम आमंत्रण 16.04.2025	जिला रायपुर के शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय देवेन्द्र नगर रायपुर में छात्रावास भवन का निर्माण कार्य, जल प्रदाय, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण सहित। संभाग क्र -3 नवा रायपुर।	257.76
8	167106 प्रथम आमंत्रण 16.04.2025	जिला बेमेतरा के शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बेमेतरा में कन्या छात्रावास भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, ट्यूब वैल, सेप्टिक टैंक, बाऊण्ड्रीवॉल, पहुंच मार्ग एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण का कार्य।	267.30
9	167123 प्रथम आमंत्रण 16.04.2025	जिला रायपुर के सेक्टर 18, नवा रायपुर में नवनिर्मित वरिष्ठ अधिकारियों के आवासीय परिसर में कम्युनिटी हॉल, पार्किंग शेड एवं अन्य महत्वपूर्ण आवश्यक निर्माण कार्य। (संभाग- भ/स संभाग नवा रायपुर)।	415.71
10	167121 प्रथम आमंत्रण 16.04.2025	जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के चिल्हाटी में शासकीय महाविद्यालय भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग लैण्ड स्कैपिंग, पहुंच मार्ग एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण का कार्य।	446.39
11	167136 तृतीय आमंत्रण 17.04.2025	जिला नारायणपुर के के ग्राम पल्ली- छोटेडोंगर- ओरछा मार्ग पुल-पुलिया सहित के कि.मी. 1.00 से 12.00 कुल लंबाई 12.00 कि.मी. में सुदृढ़ीकरण कार्य।	2947.96
12	167177 प्रथम आमंत्रण 17.04.2025	नाबार्ड योजनांतर्गत जिला बीजापुर ब्लॉक-भैरमगढ़ के अंतर्गत नेलसनार से डारापाल (शेष कार्य) तक मार्ग निर्माण कार्य पुल-पुलिया सहित लंबाई 5.40 कि.मी.।	559.92

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 05 एवं सं.क्र. 11 दिनांक 28.04.2025, सं.क्र. 06 दिनांक 05.05.2025 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 08.05.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ, कार्यालय
प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग,
नवा रायपुर अटल नगर

G-252600444/4

जैकेट के शेष

रायपुर के कारोबारी ...

करने के बाद उन्होंने 'एक्स' पर कहा भारी मन से, पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा। इस नृशंस आतंकी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मासूमों की गवाही ....

निंदनीय है, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती है। हालांकि अभियुक्त का पूर्व कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होने और मामला 'विरलतम से विरल' की श्रेणी में न आने के कारण मृत्युदंड नहीं दिया गया।

बच्चों को मिलेगा मुआवजा : न्यायालय ने मामले में गवाही देने वाले मासूम बच्चों की बहादुरी की सराहना की और दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 357 (ए) के अंतर्गत पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत उन्हें आर्थिक मुआवजा देने के आदेश जारी किए हैं।

36 ट्रेनें पटरी ...

और लोकल ट्रेनों को रद्द करने का निर्देश जारी कर दिया है। रेल प्रशासन पहले बिलासपुर से झारसुगुड़ा सेक्शन में चौथी लाइन का कार्य करने के लिए 36 ट्रेनों को 11 से 25 अप्रैल तक रद्द और दूसरी ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाने का आर्डर जारी कर चुका है। इसके साथ ही ईस्ट कोस्ट रेलवे के खुर्दा रोड रेल मंडल अंतर्गत मेरामण्डली से हिंदोल रोड रेलवे लाइन को मेरामण्डली स्टेशन से जोड़ने के कार्य को लेकर ब्लाक के कारण ट्रेनों का परिचालन 15 से 24 अप्रैल तक प्रभावित रहेगा। इसके साथ ही जोनल मुख्यालय ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है। इस नोटिफिकेशन के अनुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन अंतर्गत नागपुर मंडल के राजनांदगांव से कलमना रेल खंड के बीच तीसरी रेल लाइन को गोंदिया रेलवे स्टेशन से जोड़ने का कार्य, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलाकिंग कार्य 23 अप्रैल से 4 मई और 5 एवं 6 मई तक किया जाएगा।

कुछ ट्रेनें परिवर्तित ...

जबलपुर, इटारसी, नागपुर एवं बल्लारशाह स्टेशन होकर, 4 मई को 12389 गया-चेन्नई एक्सप्रेस जबलपुर, इटारसी, नागपुर एवं बल्लारशाह स्टेशन होकर, 5 मई को 20843 बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस कटनी, जबलपुर एवं इटारसी होकर और 5 मई को 12390 चेन्नई-गया एक्सप्रेस बल्लारशाह, नागपुर, इटारसी एवं जबलपुर होकर चलेगी।

इन ट्रेनों के थमेंगे पहिए....

0 6 मई को 22906 हावड़ा-ओखा एक्सप्रेस। 0 4 मई को 12145 लोकमान्य तिलक-पुरी एक्सप्रेस। 0 6 मई को 12146 पुरी-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस। 0 2 मई को 12843 पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस। 0 4 मई को 12844 अहमदाबाद-पुरी एक्सप्रेस। 0 2 एवं 4 मई को 12810 हावड़ा-छत्रपति शिवाजी टर्मिनल मेल एक्सप्रेस। 0 4 एवं 6 मई को 12809 छत्रपति शिवाजी टर्मिनल-हावड़ा मेल एक्सप्रेस। 0 2 से 6 मई तक 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस। 0 3 से 7 मई तक 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस। 0 3 मई को 12410 हजरत निजामुद्दीन-रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस। 0 5 मई को 12409 रायगढ़-हजरत निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस। 0 4 से 6 मई तक 12070 गोंदिया-रायगढ़ एक्सप्रेस। 0 5 से 7 मई तक 12069 रायगढ़-गोंदिया एक्सप्रेस। 0 5 मई को 20825 बिलासपुर-नागपुर वंदेभारत एक्सप्रेस। 0 5 मई को 20826 नागपुर-बिलासपुर वंदेभारत एक्सप्रेस। 0 4 मई को 22827 पुरी-सूरत एक्सप्रेस। 0 6 मई को 22828 सूरत-पुरी एक्सप्रेस। 0 1 मई को 22648 तिरुवनंतपुरम-कोरबा एक्सप्रेस। 0 3 मई को 22647 कोरबा-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस। 0 5 मई को 22815 बिलासपुर-इरनाकुलम एक्सप्रेस। 0 7 मई को 22816 इरनाकुलम-बिलासपुर एक्सप्रेस। 0 4 मई को 22620 तिरुनेलवेली-बिलासपुर एक्सप्रेस। 0 6 मई को 22619 बिलासपुर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस। 0 4 मई को 12851 बिलासपुर-चेन्नई एक्सप्रेस। 0 5 मई को 12852 चेन्नई-बिलासपुर एक्सप्रेस। 0 1 मई को 17005 हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस। 0 4 मई को 17006 रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस। 0 29 अप्रैल एवं 3 मई को 17007 सिकंदराबाद-दरभंगा एक्सप्रेस। 0 2 एवं 6 मई को 17008 दरभंगा-सिकंदराबाद एक्सप्रेस। 0 2 मई को 17321 वास्कोडिगामा-जसीडीह एक्सप्रेस। 0 5 मई को 17322 जसीडीह-वास्कोडिगामा एक्सप्रेस। 0 2 मई को 12251 यशवंतपुर-कोरबा एक्सप्रेस। 0 4 मई को 12252 कोरबा-यशवंतपुर एक्सप्रेस। 0 30 अप्रैल, 1, 3, 4, 6 मई को 12807 विशाखापट्टनम-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस। 0 2, 3, 5, 6, 8 मई को 12808 हजरत निजामुद्दीन-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस। 0 3 मई को 22512 कामख्या-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस। 0 6 मई को 22511 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-कामख्या एक्सप्रेस। 0 3 मई को 13425 मालदा टाउन-सूरत एक्सप्रेस। 0 5 मई को 13425 सूरत-मालदा टाउन एक्सप्रेस।

प्रधानमंत्री मोदी आज बिहार के मधुबनी से देशभर में ग्राम सभाओं को करेंगे संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज बृहस्पतिवार को बिहार के मधुबनी से देश भर के पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) और ग्राम सभाओं को संबोधित करेंगे और विशेष श्रेणी के राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 भी प्रदान करेंगे। आज 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस (एनपीआरडी) मनाएगा, जो 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1992 की बत्तीसवीं वर्षगांठ है। इसी संशोधन में पंचायतों को ग्रामीण स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं के रूप में संवैधानिक दर्जा दिया गया। मुख्य समारोह बिहार के मधुबनी जिले में झंझारपुर ब्लॉक के लोहना उत्तर ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री इस अवसर पर देश भर के पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) और ग्राम सभाओं को संबोधित करेंगे और विशेष श्रेणी के राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 भी प्रदान करेंगे। इस साल राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस को "संपूर्ण-सरकार" दृष्टिकोण के साथ एक प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में मनाया जा रहा है।

पहलगाम आतंकवादी हमले पर विवादित पोस्ट

बोकारो/जमशेदपुर (झारखंड)। झारखंड के बोकारो जिले में पहलगाम आतंकवादी हमले के संबंध में एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट अपलोड करने के आरोप में बुधवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मोहम्मद नौशाद नामक इस व्यक्ति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आतंकवादी हमले के लिए पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा की कथित तौर पर प्रशंसा की है।

NOTICE

UNDER SECTION 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932

It is hereby notified that the Partnership Firm **M/s. PAWAR CONSTRUCTION CO., Head office at VILLAGE GADADIH, KURUD DHAMTARI (C.G.)** has undergone the following change in constitution of firm as 11/04/2025 which is as under:

SMT. INDRANI PAWAR W/o SHRI ASHOK KUMAR PAWAR resident of Village Gadadih, Kurud Dhamtari was expired on **10/02/2025** and ceased to be partner w.e.f. **10/02/2025** and the remaining partners borne Profit & Loss of the firm in their ratio as decided in Partnership Deed as on **11/04/2025**. Sd/-

Place: Kurud, Date: 11/04/2025 M/s. Pawar Construction Co. Partner

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर 302017
पीएचडी और मास्टर डिग्री प्रोग्राम 2025-26 में प्रवेश

F.4/A-I-1/2025-26/Acad/Ph.D./01

सभी विभागों/केंद्रों में विषम सेमेस्टर 2025-26 (जुलाई 2025) के लिए **पीएचडी और एम.टेक./एम.प्लान. (प्रायोजित पूर्णकालिक/अंशकालिक)** में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। अधिक जानकारी के लिए **www.mnit.ac.in** पर जाएँ। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 मई 2025 है। CBC 21312/12/0002/2526 पंजीयक

पेज एक के शेष

नक्सलियों का सबसे...

कमाण्डोज की भी मौजूदगी बताई जा रही है। सुरक्षाबलों द्वारा लगातार करेंगुट्टा की पहाड़ियों पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। गौरतलब है कि करेंगुट्टा पहाड़ तेलगांना के मुलुगु जिले के वेंकटपुरम से बीजापुर जिले के उसूर तक लगभग 150 किलोमीटर की दूरी में फैली हुई है तथा तेलंगाना की सीमा से महज 8 किमी दूर है करेगुट्टा पहाड़, जहां नक्सलियों की मौजूदगी की खूफिया इनपुट के बाद आपरेशन लांच किया गया है। नक्सलियों को घेरने के लिए मुलुगु जिले के वेंकटपुरम और वाजेडु इलाकों में सुरक्षा बल पहले ही तैनात कर दिए गए हैं। तेलंगाना और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों से लगभग 10 हजार सुरक्षा बलों को पहले ही करें गुट्टाला में तैनात किया जा चुका है। सूत्रों की माने तो नक्सलियों से मुठभेड़ योजना के अनुसार हुई तो यह देश की सबसे बड़ी मुठभेड़ होगी।

चौथी भोज से लौट रहे...

ओड़गी विकासखंड के ग्राम बिलासपुर निवासी युवक से हुई थी। शादी के बाद मंगलवार को चौथी भोज का आयोजन किया गया था और इस भोज में शामिल होने के लिए भंडारपारा के महिला, पुरुष बच्चे समेत लगभग 25 ग्रामीण पिकअप में सवार होकर बिलासपुर गए हुए थे। चौथी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सभी ग्रामीण पिकअप क्रमांक सीजी 29 एसी 6154 से वापस लटोरी लौट रहे थे। इस दौरान देर रात लगभग 10 बजे जब ग्रामीण ग्राम बिसाही पोड़ी के पास पहुंचे तो चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और तेज रफ्तार पिकअप नटकी नाला के समीप मोड़पर अनियंत्रित होकर पत्थर से टकराने के बाद पलट गया। पिकअप टक्कर और पिकअप के पलटने के बाद बाराती वाहन से नीचे गिर गए और घटना स्थल ओर चीख पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे भटगांव थाना प्रभारी सरफराज फिरदौसी और चेन्द्रा चौकी प्रभारी एलपी गुप्ता दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को उपचार के लिए एम्बुलेंस की मदद से भटगांव अस्पताल में भर्ती कराया।

पिकअप में ढो रहे सवारी : शादी विवाह का सीजन शुरू होने के साथ ही मालवाहक वाहनों में सवारी ढोने का सिलसिला शुरू हो जाता है। लोगों द्वारा सवारियों को ठूंस ठूंस कर भरा जाता है और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाया जाता है। यही वजह है कि आए दिन पिकअप वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से सवारियों की मौत होती रहती है। शासन के सख्त निर्देश के बाद भी ऐसे मामलों में कार्रवाई नहीं होती है जिससे पिकअप मालिक व चालकों के हौसले बुलंद है। बीती रात भी चालक की लापरवाही के कारण घटना हुई और घटना के बाद चालक वाहन व घायलों को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अस्तपाल में तोड़ा...

साहेब राम आ. रवि राम, 60 वर्षीय रामेश्वर, 50 वर्षीय गोविन्द सहित अन्य को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर किया गया था। इस घटना के गंभीर रूप से घायलों का उपचार अस्पताल में जारी है जबकि शेष अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। मामले में भटगांव पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द किया गया है।

डीएपी और पोटाश में ...

पड़ेगी। धान के बीज में प्रति बोरी 100 से 150 तक भारी भरकम दर बढ़ाई गई है। राज्य बीज निगम द्वारा हर साल प्रमाणित बीजों का मूल्य निर्धारण करता है। वर्ष 2023 की तुलना करें तो बीज के दाम में बेतहाशा वृद्धि हुई है। दो साल में बढ़े दाम ने किसानों की कमर तोड़ कर रख दी है। जानकारी अनुसार धान मोटा बीज की कीमत पिछले साल 34 सौ रुपए क्विंटल थी, जो इस बार बढकर 3550 हो गई है, जबकि वर्ष 2023 में इसका दाम 2688 रुपए तक सीमित था। वहीं धान पतला बीज पिछले साल 39 सौ रुपए निर्धारित था, जो इस बार बढकर 4030 रुपए हो गया था। दो साल पहले यह 2882 रुपए तक था। सुगंधित धान की बात करे तो पिछले साल यह 4500 रुपए था, जो इस बार बढ़कर 4650 हो गया है। दो साल पहले यह 3264 तक सीमित था। इस तरह देखा जाए तो दो साल में बीज के बढते दाम ने किसानों की कमर तोड़कर रख दी है।

सभी किस्म में 150 रुपए क्विंटल तक इजाफा : खरीफ सीजन में सोयाबीन और उड़द को छोड़ धान, कोदो, रागी, मूंग, कुल्थी, मूंगफली और तिल के बीज के दाम सौ से डेढ सौ रुपए प्रति क्विंटल तक महंगे हो गए हैं। रबी फसल तैयार होने के बाद खरीफ सीजन में किसानों को इस साल आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ेगा। खरीफ सत्र 2025 में अनाज, दहलन और तिलहन के बीज की नई दर शासन स्तर से लागू कर दी गई है।

दो साल से कम दर...

के दाम 8200 रुपए तक चले गए थे, लेकिन इस बार इसकी कीमत को कम कर 74 सौ रुपए कर दिया गया है। सोयाबीन के दाम में 12 सौ रुपए की गिरावट आई है।

आम सूचना

ग्राम मरौद प.ह.नं. 024 रा.नि. भाठागांव तहसील कुरूद जिला धमतरी में स्थित भूमि ख.नं. 926 रकबा 0.44 हे. के संबंध में।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता श्री भोजराज चन्द्राकर पि. कन्हैयालाल चन्द्राकर निवासी भोईपारा वार्ड क्र. 10 तह. कुरुद जिला धमतरी वाले के नाम उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि ग्राम मरौद प.ह.नं. 24 त. कुरुद रा.नि.मं. भाठागांव त. कुरुद जिला धमतरी में स्थित भूमि ख.नं. 926 रकबा 0.44 हे भूमि क्रय करने का पक्का सौदा तय कर अग्रिम राशि अदाकर दिया है। केवल बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के आधिपत्य, स्वत्व अन्तरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति वित्तीय संस्थान शासकीय अर्धशासकीय बैंक एवं संस्थान साहूकार या अन्य किसी को भी कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर मय दस्तावेज मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। म्याद अवधि पश्चात मेरा पक्षकार उक्त कृषि भूमि का विक्रय पंजीयन करा लेगा। तत्पश्चात की गई कोई भी आपत्ति विधिमान्य नही होगी। तथा मेरा पक्षकार के हित को प्रभावित नहीं करेगा।

सो सूचना जाने।

स्थान- कुरुद
दिनांक 23/04/2025

टी.के. यदु (अधिवक्ता)
कार्या. परमार चेम्बर्स
तह. आफिस के सामने कुरुद, त. कुरुद, जिला, धमतरी (छ.ग.)
मो. 98933-21317

न्यायालय नायब तहसीलदार सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202412210100030 / अ/21 (1) 2024-2025
ग्राम चंदेरी प.ह.नं. 12

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम चंदेरी प.ह.नं. 12 तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग. को सूचित किया जाता है कि आवेदक शरदचंद पाल पिता स्व. पाल राम, जाति हलबा निवासी हॉस्पिटल सेक्टर सड़क नंबर 2, भिलाई जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा ग्राम चंदेरी प.ह.नं. 12 तहसील सिमगा स्थित ख.नं. 1652, 1653 रकबा क्रमशः 1.35, 0.92 हे. कुल ख.नं. 02 कुल रकबा 2.270 हे. भूमि को अनावेदिका श्रीमती सुमी जोनाथन पिता स्व० जाजु जोनाथन निवासी शंकर नगर रायपुर छ.ग. को आपसी सौदा मूल्य 2,50,000/- रूपये (अक्षरी :- दो लाख पचास हजार रूपये) प्रति एकड़ की दर से भूमि विक्रय करने का सौदा किया है, तथा बयाना राशि 8,00,000/- रूपये (अक्षरी :- आठ लाख रूपये) प्राप्त किया है। उक्त भूमि को विक्रय करने की अनुमति मिलने बाबत छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 165 (6) के तहत आवेदन पत्र बी - 1 खसरा पांचसाला, ईकरारनामा एवं अन्य दस्तावेज सहित संलग्न कर मूलतः अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा के माध्यम से जांच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो वे स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर सुनवाई दिनांक 24/04/2025 को दावा आपत्ति पेश कर सकता है। सुनवाई तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 08/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार सिमगा**

// आम सूचना //

(ग्राम अमावस पटवारी हल्का नंबर 54, तहसील व जिला महासमुंद छत्तीसगढ़ स्थित भूमि के संबंध में)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण 1. श्रीमती ठकुराईन पति स्व. श्री अनंद राम 2. पुरईन 3. रूखमणी 4. निलमणि उर्फ निर्मला पिसरान स्व. श्री अनंद राम निवासी वार्ड नंबर 10, तुमगांव, महासमुंद तहसील व जिला महासमुंद (छ.ग.) के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि खसरा नंबर 551 रकबा 0.200 हेक्टेयर वाके ग्राम अमावस पटवारी हल्का नंबर 54, राजस्व निरीक्षक मंडल तुमगांव, तहसील व जिला महासमुंद, छत्तीसगढ़ में स्थित है, को क्रय करने का मौखिक पक्का सौदा किया गया है। स्वत्व एवं भार मुक्ता जांच पश्चात बैनामा पंजीयन की कार्यवाही की जावेगी ।

अतः उक्त भूमि के सौदे / विक्रय के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, व्यक्तियों, बैंक, संस्था, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय विभाग को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अपनी लिखित उजर दावा या आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज के इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर मेरे समक्ष प्रस्तुत करे, आम सूचना का खण्डन मात्र आपत्ति के रूप में स्वीकार नहीं होगा बाद म्याद मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त भूमि का पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा एवं तत्पश्चात प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी भी नहीं होगी। सो सूचना जाने ।

दिनांक- 22/04/2025
स्थान रायपुर छ.ग. भवदीय

नितीन खाखरिया, अधिवक्ता
पता एस. एफ.- 62, द्वितीय तल समवेत शिखर काम्पलेक्स, रजबंधा मैंदान तहसील व जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ मो. नं. 8962222586

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. 222-एस/1/डब्ल्यू- II, दिनांक 21.04.2025; वरिष्ठ मंडल अभियंता/I, पूर्व रेलवे, सियालदह, डीआरएम बिल्डिंग, कैसर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए नीचे उल्लेखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1; निविदा सं.: टीएन-17-25-26; कार्य का नाम:** सियालदह मंडल में जारी निर्माण कार्यों को सहायता प्रदान करने के लिए बुनियादी सुविधा तैयार करने हेतु सियालदह मंडल के तहत इलेक्ट्रिकल जनरल डिपो के विकास कार्य के संबंध में बेलघरिया स्टेशन में नया कर्मचारी कक्ष (6 मीx5 मी) (30 वर्ग मी), नैहाटी पीआरएस गोदाम, एसएसई/इलेक्ट. (जी)/नैहाटी कार्यालय परिसर, नैहाटी रिवर साइड सब स्टेशन, नैहाटी रिवर साइड पम्प हाउस में टिन शेड का निर्माण तथा नैहाटी प्लेटफॉर्म सं. 1 स्क्रैप गोदाम (6x5x3 मी) में फ्लोरिंग वॉल का निर्माण, प्लास्टरिंग तथा दरवाजों का प्रतिस्थापन के साथ अन्य सभी आनुषंगिक कार्यों का निष्पादन। **निविदा मूल्य:** रु. 31,03,069.46; **ईएमडी:** रु. 62,100; **क्रमांक 2; निविदा सं.: टीएन-18-25-26; कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/I/सियालदह के अधीन सियालदह-दमदम जंक्शन के बीच पुल सं. 15 तथा दमदम-बालीगंज के बीच पुल सं. 19सीसीआर एवं पुल सं. 2सीसीआर का आर.सी.सी. जैकेटिंग के प्रावधान द्वारा प्रस्तावित मजबूतीकरण कार्य साथ में अन्य सभी आनुषंगिक कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 3,32,89,137.93; **ईएमडी:** रु. 3,16,500; **कार्य समापन अवधि:** 9 महीने (क्रमांक 1 के लिए) तथा 12 महीने (क्रमांक 2 के लिए)। **निविदाओं के बंद होने की तारीख एवं समय:** 15.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 15.05.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। निविदा दस्तावेज एवं अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोलियां ऊपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए जमा की जानी चाहिए। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिए जाएंगे। (SDAH-26/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
द्वितीय निविदा विज्ञप्ति

नि.क्र.02/न.पा.नि./जोन क्र.08/2025-26 बिलासपुर दिनांक 22.04.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल निविदा दिनांक 07/05/25 को सायं 4:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि राशि (लाखों में)
1	वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु वार्ड क्र. 59 से 68 हेतु साउंड रिसटम/मुनादी आदि। (वार्षिक निविदा)	4.00
2	वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु वार्ड क्र. 59 से 68 हेतु टेंट व्यवस्था आदि। (वार्षिक निविदा)	8.00

निविदा से संबंधित अन्य जानकारी ज़ोन क्र.08 कार्यालय भवन सिटी बस डिपो प्रथम तल कोनी से अथवा निगम की वेबसाईट www.bilaspurnagarnigam.com से प्राप्त की जा सकती है।

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

ज़ोन आयुक्त, ज़ोन कार्यालय क्र.08 न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION Co. Ltd.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820
O/o Chief Engineer (Sub/Station), Raipur Address-Shed No.-04, Danganiya, Raipur-492013
Website-www.cspc.co.in, E-Mail-CE.TnC@cspc.co.in, Phone-0771-2574256, Fax No.-0771-2574267

No. 02-07/Tender/P-1899/163 Raipur, Dtd. 23/04/2025

NOTICE INVITING TENDER (Through E-bidding module of SAP-SRM)

Sealed tenders are invited from experienced eligible bidders for following work on labour contract basis :-

S. No.	Particulars of works	EMD (Rs.)	Last date/ time for submission of tender
1.	Job work for onsite testing of interface CTs (11 sets) & PTs (10 sets) of EHV dedicated consumers under EE(MRT) Dn.- I & II, CSPTCL, Raipur.	45,000/-	15/05/2025 14:00 Hrs.

NOTE :- (I) Other terms & condition details etc. regarding tender can be seen on our website www.cspc.co.in

SAVE ELECTRICITY

Chief Engineer (Sub-station)
CSPTCL: Raipur (C.G.)

पूर्व तट रेलवे

(1) ई-निविदा सूचना सं.: e-Tender-Elect-G-08-25

कार्य का विवरण : तीन वर्षों की समयावधि के लिए खोरधा रोड मण्डल के भुवनेश्वर कोचिंग डिपो में LHB / SGAC टाइप AC कोच, पावर कार, पेंट्री कार, हाइब्रिड टाइप LHB AC कोच एवं RA / निगरानी कार / WCD / LOMS कोच जैसे अन्य विशेष कोचों में लगे हुए RMPUs के लिए व्यापक वार्षिक रख-रखाव ठेका।

कार्य का अनुमानित लागत : ₹ 11,29,27,274.82, **EMD:** ₹ 7,14,600/-

(2) ई-निविदा सूचना सं.: e-Tender-Elect-G-09-25

कार्य का विवरण : खोरधा रोड मण्डल में स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म में स्टेशन नेम बोर्ड (Name Board) के लिए लाइटिंग सुविधा का प्रावधान।

कार्य का अनुमानित लागत : ₹ 2,12,77,132.00, **EMD:** ₹ 2,56,400/-

पूरा होने की अवधि : 36 महीने (क्रम सं. 1 हेतु) एवं 06 महीने (क्रम सं. 2 हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 09.05.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (सा) / खोरधा रोड
PR-63/Q/25-26

कार्यालय कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.) संभाग
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बलौदा बाजार

क्रमांक/का.अ./ब.बा./ सामा./617 बलौदा बाजार दिनांक 17.04.2025

-:: बिजली बंद की सूचना ::-

समस्त सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि मानसून पूर्व विद्युत लाईनों एवं उपकरणों के आवश्यक सुधार एवं रखरखाव कार्य हेतु नीचे लिखे विवरणानुसार सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। सम्मानीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिये खेद है।

क्र.	दिनांक	33 एवं 11 के.व्ही. फीडर का नाम	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	25.04.2025 (शुक्रवार)	11 के.व्ही. पहंदा / रायपुर रोड / फीडर 01.	अम्बेडकर चौक	पहंदा रोड जिला संसाधन केन्द्र, ऑडोटेरियम रायपुर रोड से मंथन राईस मिल, लवन रोड, जी. ए.डी. कालोनी से कृषि उपज मण्डी
		11 के.व्ही रिसदा II	रिसदा	रिसदा
		11 के.व्ही. अटल ज्योति (मल्दी फीडर)	अर्जुनी	मल्दी, मोपर, देवरानी जेठानी अमेठी एवं मिर्गी
		11 के.व्ही. अटल ज्योतिफीडर-1	मरदा	11 के.व्ही.अटल ज्योति फीडर-1 से संबंधित समस्त उपभोक्ता।
		33 के.व्ही. सेल फीडर	लवन	निरंक
		33 के.व्ही. लवन धाराशिव फीडर	लवन	निरंक
		11 के.व्ही. छेरकापुर फीडर	ठेलकी	11 के.व्ही. छेरकापुर फीडर से प्रभावित समस्त उपभोक्ता।
		11 के.व्ही. कौवाडीह फीडर	वटगन	11 के.व्ही. कौवाडीह फीडर से प्रभावित समस्त उपभोक्ता।
		11 के.व्ही. पलारी फीडर	पलारी	पलारी शहर के समस्त उपभोक्ता।
2	26.04.2025 (शनिवार)	11 के.व्ही. सोनाडीह फीडर	सोनाडीह	सोनाडीह
		11 के.व्ही. लवन फीडर	लवन	11 के.व्ही. लवन फीडर से संबंधित समस्त उपभोक्ता।
		11. के.व्ही. जे.एन.वी. फीडर	लवन	11 के.व्ही. जे.एन. वी. फीडर से संबधित समस्त उपभोक्ता।
		11 के.व्ही. गिधपुरी फीडर	गिधपुरी	11 के.व्ही. गिधपुरी फीडर से प्रभावित समस्त उपभोक्ता।
		11 के.व्ही. दतान फीडर	रोहासी	11 के.व्ही. दतान फीडर से प्रभावित समस्त उपभोक्ता।
		11 के.व्ही. रोहासी फीडर	पलारी	11 के.व्ही. रोहासी फीडर से प्रभावित समस्त उपभोक्ता।
3	28.04.2025 (सोमवार)	11 के.व्ही. डोंगरीडीह फीडर	लवन	11 के.व्ही. डोंगरीडीह फीडर से संबधित समस्त उपभोक्ता।
		11 के.व्ही. पारागांव फीडर	करहीबाजार	देवरी, खजुरी ढाबाडीह एवं बोईरडीह
		11 के.व्ही. वटगन फीडर	वटगन	11 के.व्ही. वटगन फीडर से प्रभावित समस्त उपभोक्ता।
		11 के.व्ही. मोहगांव फीडर	गिधपुरी	11 के.व्ही. मोहगाव फीडर से प्रभावित समस्त उपभोक्ता।
		11 के.व्ही. सण्डी शहर फीडर	सण्डी	11 के.व्ही. सण्डी शहर फीडर से प्रभावित समस्त उपभोक्ता।
		11 के.व्ही. दतान फीडर	दतान	11 के.व्ही. दतान फीडर से प्रभावित समस्त उपभोक्ता।
4	29.04.2025 (मंगलवार)	11 के.व्ही. करहीबाजार फीडर	करहीबाजार	करहीबाजार, मेकरी केशला रमदैया राजपुर एवं लच्छनपुर
		11 के.व्ही. अटल ज्योति मिक्स फीडर	सण्डी	11 के.व्ही. अटल ज्योति मिक्स फीडर से प्रभावित समस्त उपभोक्ता।
		11 के.व्ही. गितकेरा फीडर	दतान	11 के.व्ही. गितकेरा फीडर से प्रभावित समस्त उपभोक्ता।

टीप - (1) आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।
(2) स्वहित एवं राष्ट्रहित में विद्युत की बचत करें।
(3) विद्युत बिल का भुगतान समय पर करे।

(आदित्य कुमार ठाकुर)
कार्यपालन अभियंता (संचा/ संधा) संभाग
छ. स्टेट. पॉ.डि.कं.लि. बलौदा बाजार

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
पुराना जिला चिकित्सालय भवन जिला राजनांदगाँव (छ.ग)
Email - cmho-rjn.cg@gov.in, Ph.- 07744-224084

क्रमांक/स्था./सीधी भर्ती/ 2025/2845 राजनांदगांव दिनांक : 22/04/2025

ड्रेसर ग्रेड-2 पद के चयन सह प्रतीक्षा सूची एवं षष्ठम दस्तावेज सत्यापन उपरांत पात्र अपात्र सूची का प्रकाशन हेतु सूचना

ड्रेसर ग्रेड-2, के नियमित पदों पर सीधी भर्ती के माध्यम से पूर्ति करने हेतु आनलॉईन माध्यम से आमंत्रित आवेदन पत्रों के आधार पर जिला स्तरीय चयन समिति के अनुमोदन अनुसार ड्रेसर ग्रेड-2 के पद हेतु चयन सह प्रतीक्षा सूची एवं षष्ठम दस्तावेज सत्यापन उपरांत पात्र अपात्र सूची का प्रकाशन राज्य स्तरीय विभागीय वेबसाईट https://cghealth.nic.in में किया जा रहा है। अतः सर्व संबंधित अभ्यार्थी उक्त सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

G-252600446/2

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-सुकमा, छ.ग.
(जिला, जल एवं स्वच्छता मिशन, जिला- सुकमा)

"ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना"

नि. क्र. 03, 04 एवं 05 / नि.प्र. / जे जे एम / डी.डब्ल्यू. एस. एम. / लो.स्वा. यां.ख. / सुकमा

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से जल - जीवन मिशन के तहत एकल ग्राम योजनांतर्गत निर्धारित शेडयूल अनुसार पाईपलाईन विस्तार, उच्च स्तरीय जलटंकी निर्माण, घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय आदि कार्यो हेतु प्रपत्र "ए" मेंऑनलाईन Online निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	निविदा क्रमांक / सिस्टम क्रमांक	लागत (लाख में)	ग्राम / विकासखण्ड / रिमार्क
1	03 / 167188	21.10	भीमापुरम / कोण्टा / तृतीय निविदा
2	04 / 167291	41.22	कोटापल्ली / कोण्टा / चतुर्थ निविदा
3	05 / 167292	16.35	तुतालपाड़ / कोण्टा / चतुर्थ निविदा

नोट :- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in पर दर्शित एवं डाउनलोड की जा सकती है। निविदा आमंत्रण की **अंतिम तिथि 30.04.2025 तक है।**

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
सुकमा

G- 252600426/2

राशिफल

मेष — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह — आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

तुला — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

शब्द पहेली - 5846

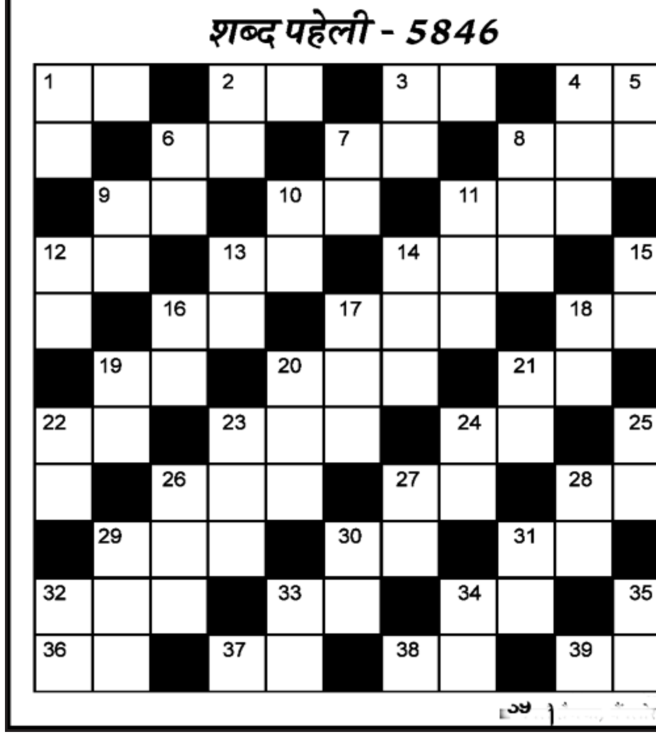

बाएँ से दाएँ
1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे
1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -5845 का हल

सूडोकू नवताल - 5856

***** कठिनतम

सूडोकू नवताल - 5855 का हल

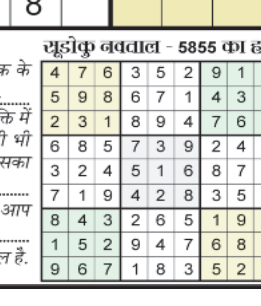

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 304-321 रुपए

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने वाली कंपनी एथर एनर्जी लि. ने अपने 2,981 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 304-321 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

कार्यालय उप संचालक कृषि जिला सारंगढ़ - बिलाईगढ़ (छ.ग.)

Email Id-ddasghbgh@gmail.com. Phone No. 07768-299015

क्र/NFSM-OS/VCP / कार्ययोजना / 2025-26 / 122 सारंगढ़, दिनांक :- 22.04.2025

// रूचि की अभिव्यक्ति //

उप संचालक कृषि, जिला सारंगढ़- बिलाईगढ़ (छ.ग.) में National Mission on Edible 'Oil Oilseed योजनांतर्गत प्रमाणित बीज वितरण, स्वायल हेल्थ कार्ड योजना अंतर्गत मृदा परीक्षण कार्य, कृषक प्रशिक्षण, कृषक खेत पाठशाला, कृषि मैपर में पंजीयन का क्रियान्वयन कराने हेतु मूल्य श्रृंखला भागीदारी (VCP) के चयन हेतु प्रतिष्ठित एजेंसी/ संस्था (FPO's/Co-Operative Or Public/ Private Corporation) आदि से दिनांक 06/05/2025 अपरान्ह 5:00 बजे तक निर्धारित प्रपत्रों में स्पीड पॉस्ट / रजिस्टर्ड डॉक /कार्यालय में **"रूचि की अभिव्यक्ति"** आमंत्रित की जाती है।

आवेदन की विस्तृत जानकारी कार्यालय, उप संचालक कृषि, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) की सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

उप संचालक कृषि
सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

G- 252600431/3

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक संत बाबा गुरू घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय - रायगढ़ (छ.ग.)

E-mail: gmcraigarhhospital@gmail.com, msgmch.rgh-cg@gov.in

क्रमांक/3259/ चिकि./क्रय /2025-26 रायगढ़ दिनांक 22.04.2025

// द्वितीय निविदा सूचना //

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, संत बाबा गुरू घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ (छ.ग.) की ओर से चिकित्सालय हेतु **EDL Non EDL** दवाईयां क्रय किये जाने के संबंध में दर अनुबंध **(Rate Contract)** करने हेतु ई-टेंडर वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in के माध्यम से इच्छुक फर्म / प्रदायकर्ता / डिलर / निर्माता कंपनी से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा शुल्क रू. 2000.00 (रू. दो हजार मात्र) जो वापसी योग्य नहीं है।

निविदा प्रारंभ तिथि :- दिनांक 24.04.2025 समय 10:00 AM से
वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in के माध्यम से ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :-दिनांक 14.05.2025 समय 11:59 AM के पूर्व
दस्तावेजों की हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :- दिनांक 14.05.2025 समय 03:00 PM के पूर्व
निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- दिनांक 14.05.2025 समय 04:00 PM

निविदा संबंधी में विस्तृत जानकारी www.gmcraigarh.edu.in एवं https://eproc.cgstate.gov.in में अवलोकन किया जा सकता है।

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
संत बाबा गुरू घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ (छ.ग.)

G-252600435/2

सेंसेक्स 80 हजार के पार, निफ्टी भी चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार सातवें दिन तेजी जारी रही और प्रमुख शेयर सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 520 अंक उछलकर चार महीने में पहली बार 80,000 से ऊपर बंद हुआ। बाजार में तेजी की कमान आईटी और वाहन शेयरों ने संभाली।

इस दौरान 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 520.90 अंक यानी 0.65 प्रतिशत बढ़कर 80,116.49 पर बंद हुआ। यह 18 दिसंबर के बाद इसका उच्चतम स्तर है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 658.96 अंक यानी 0.82 प्रतिशत बढ़कर 80,254.55 पर पहुंच गया था।एनएसई निफ्टी 161.70 अंक यानी 0.67 प्रतिशत बढ़कर 24,328.95 पर पहुंच गया।

विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की लिवाली और सकारात्मक वैश्विक रुझानों ने भी बाजार धारणा को मजबूत किया। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक ने सबसे अधिक 7.72 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। इसके अलावा टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा स्टील, भारती एयरटेल और मारुति भी उल्लेखनीय बढ़त हुई। हाल में तेज बढ़त के बाद बैंक शेयरों में बिकवाली देखी गई और एचडीएफसी बैंक 1.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर- 01

आम सूचना

जारी दिनांक 21.04.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती कमलेश कौर चावला पिता/पति श्री मंगत सिंह चावला निवासी रायपुर द्वारा आवेदित भूमि ग्राम रायपुरा पटवारी हल्का नंबर 57 राजस्व निरीक्षक मंडल-01 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 235/15 रकबा 0.1110 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार/ अतिरिक्त / नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 05.03.2025 के परिपालन में दिनांक 30.04.2025 को समय 01:00 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह नियत तिथि में पटवारी हल्का नंबर 57 के रायपुरा में स्थित कार्यालय में मय दस्तावेज सहित स्वयं या किसी वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात किसी भी प्रकार के दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर - 01

प्रमुख ब्याज दर में कटौती से निजी खपत, निवेश को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि नीतिगत में कटौती से निजी खपत को बढ़ावा मिलेगा और निजी कॉरपोरेट निवेश में सुधार होगा। इस महीने की शुरुआत में मौद्रिक नीति समिति की बैठक में यह बात कही। इस दौरान उन्होंने और एमपीसी के पांच अन्य सदस्यों ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती के पक्ष में मतदान किया।

सरकार ने खरीदी 3. 92 लाख टन तुअर दाल

नई दिल्ली । कृषि मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि सरकार ने मूल्य समर्थन योजना के तहत इस साल अब तक 3,92,000 टन तुअर (अरहर) की खरीद की है। योजना के तहत, तुअर की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। मंत्रालय ने नौ राज्यों से 13.22 लाख टन तुअर की खरीद को मंजूरी दी है। सरकार का लक्ष्य कीमतों पर अंकुश लगाने के मकसद से खुले बाजार में जारी करने के लिए 10 लाख टन तुअर का बफर स्टॉक बनाए रखना है।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग बीजापुर वनमंडल, बीजापुर, जिला -बीजापुर (छ.ग.)

:: नीलाम सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि बीजापुर वनमंडल के बीजापुर /काष्ठागार/बांसागार के ईमारती काष्ठ एवं अगरबत्ती काड़ी का **नीलाम दिनांक 01/05/2025 को प्रातः 10:30 बजे** से एम. एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से ई- नीलाम द्वारा निवर्तन किया जावेगा। इच्छूक व्यापारियों से अनुरोध है कि, वे ई-नीलाम में भाग लें। ई-नीलाम की शर्ते व अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवसों में काष्ठागार अधिकारी या वन मण्डल कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। ई-नीलाम के पूर्व लाटों को भली भाँति देख लें।

काष्ठागार का नाम	नया काष्ठ अनुमानित मात्रा			पुराना काष्ठ अविक्रीत		योग :-	
	प्रजाति	घ.मी.	बल्ली/ डेंगरी नग	घ.मी.	बल्ली/ डेंगरी नग	घ.मी.	बल्ली/ डेंगरी नग
1	2	3	4	5	6	7	8
ईमारती काष्ठ							
बीजापुर काष्ठागार	सागौन	34.444	56	55.631	52	90.075	108
	साजा	0.000	0	13.723	0	13.723	0
	हल्दू मुण्डी	0.000	0	1.262	0	1.262	0
	शीशम	0.000	0	0.290	0	0.290	0
	बीजा	0.000	0	2.084	0	2.084	0
	अन्य	0.000	0	11.158	0	11.158	0
	योग	**34.444**	**56**	**84.148**	**52**	**118.592**	**108**
अगरबत्ती काड़ी							
	अगरबत्ती काड़ी (चौकड़ी)			लम्बाई 8 इंच		20 क्विंटल	

टीप:- 1. क्रेताओं को ई-नीलाम से पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है 2. क्रेताओं को ई-नीलाम के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग-इन करके देख सकते है। 4. ई-नीलाम में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमंडलाधिकारी
बीजापुर वनमंडल, बीजापुर

G-252600440/1

Govt. of Jharkhand
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER

Field Survey Division, Advance Planning, Road Construction Department,
Nirupan Bhawan, 4th floor, 56-Set Chowk, Doranda, Ranchi-834002
e-mail— eercdapfsdran-jhr@nic.in

e-Procurement very Short Notic
2nd call

e-Tender Reference No .-RCD/FSD /AP/ RAN/02/25-26 Dated **22.04.2025**

1-	Name of Work	Consultancy Services for exploration of Feasibility Report cum Preparation of Detailed Project Report for construction of Vehicle Underpass near Loyabadh-Hatia more of Karkendra -Katras road including approaches, complete Land Acquisition Proposal including ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal if any with clearance of all stages etc as required, at Dhanbad in the state of Jharkhand. __from Consultants empanelled in Category -II with the Road Construction Department, Government of Jharkhand vide letter no-3063(S) W.E dated 22-08-2022 are allowed to bid.
2-	Work completion time	30 Days
3-	Cost of Tender Document & Earnest Money Deposit (EMD)	**Cost of Tender Document** - Rs 5,000/- (Rupees Five Thousand) (Non-Refundable) through online mode only. **EMD** :- Rs 40,000/- (Rupees Forty five Thousand) through online mode only. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through e-procurement portal (https://jharkhandtenders.gov.in) by Internet banking/ NEFT/ RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
4-	Date and Time of Publishing of Tender on official website	25.04.2025, 05.00 PM
5-	Last date and Time of submission of Tender (With Tender Fee and EMD)	05.05.2025, 12.30 PM
6-	Date and Timing of Bid opening	06.05.2025, 12.30 PM
7-	Tender Inviting Authority	Executive Engineer, Field Survey Division, Advance Planning, RCD, Ranchi, Nirupan Bhavan, 56 set Chowk, Doranda, Ranchi- 834002, Mobile No-8051090751
8-	Mode of Bid Submission	e-Tendering (http://jharkhandtenders.gov.in)
9-	PR No	349563 Road (24-25)

For further information please go through the website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
Field Survey Division,A.P
Road Construction Department,Ranchi

PR 350908 Road(25-26)D

MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in (2nd Call)

NIT NO: 03/PWD/ Zone-2 /2025 RAIPUR DATED: 22.04.2025

Online bids are invited for the following works of works up to **Date 08.05.2025 at 17:30 hours.**

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate (Rupees in Lakh)	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor /firm	Time allowed for Completion
1	167363	हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड क्र. 36 अंतर्गत शहीद स्मारक भवन के पास से मौदहापारा तक भाजपा कार्यालय होते हुए पुलिया एवं नाला निर्माण कार्य।	75.00	75000.00	Class D & above	07 Months

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in in from **23.04.2025 10:30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.,
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरो से निकलने वाले गीला और सुखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

ZONE COMMISSIONER
ZONE - 2
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

न्यायालय कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी जिला - कबीरधाम (छ.ग)

(प्रारूप - क)

राज्य शासन के विभाग / उपक्रम / संस्था परियोजना प्रबंधक (सिंचाई परियोजना) छत्तीसगढ़ **"कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग कवर्धा"** जिला कबीरधाम (छ.ग.) विभाग के द्वारा कपाटनाला व्यपवर्तन योजना अंतर्गत मुख्य नहर / माईनर निर्माण हेतु **ग्राम सिंगपुर** प.ह.न. 11 रा.नि.म. कुकदूर, तहसील कुकदूर, जिला कबीरधाम छ.ग. के प्रभावित किसानों की निजी भूमि को **"सार्वजनिक प्रयोजन"** के लिए आवश्यकता होने से राज्य शासन, । उपक्रम / संस्था निम्नांकित कृषक की नीजि भूमि आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति 2016 के तहत भू-अर्जन करना चाहता है :-

ग्राम/नगर/तहसील - ग्राम सिंगपुर, कुकदूर सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण मुख्य नहर/माईनर निर्माण हेतु ।

क्रमांक	कृषक का नाम एवं पिता/पति का नाम	जाति	खसरा नम्बर	क्रय करने हेतु प्रस्तावित अर्जित रकबा			भूमि का किस्म
				एकड़	हेक्टे.	वर्गमीटर	
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सनत कुमार पिता बखरिया, जाति गोड़, सा.देह	अ.ज.जा.	193/1	0.15	0.061	0	असिंचित
2	अनत कुमार पिता बखरिया, जाति गोड़, सा. देह	अ.ज.जा.	188/2	0.28	0.113	0	सिंचित
3	शोभासिंह पिता बैगासिंह, जाति गोड़, सा. देह	अ.ज.जा.	189	0.03	0.012	120	असिंचित
4	तुलसीराज, बिन्दाबाई, समरतिया पिता अमरसिंह, जाति गोड़, सा.देह	अ.ज.जा.	190	0.27	0.109	0	असिंचित
5	सुरेन्द्रपाल पिता कलीराम, जाति गोंड़, सा. देह	अ.ज.जा.	182/1	0.48	0.194	0	असिंचित
6	घुरऊ, बैसाखीन, सखीन, दासिन पिता पुनऊ, जाति गोड़, सा. देह	अ.ज.जा.	181	0.24	0.097	0	असिंचित
7	गर्जनसिंह पिता परसोत्तम जाति गोड़, सा.देह	अ.ज.जा.	180/2	0.15	0.061	0	असिंचित
8	मेघलाल पिता भादू, जाति गोड़, सा.देह	अ.ज.जा.	178	0.24	0.097	0	असिंचित
9	देवासिंग पिता खेदूसिंह, जाति गोड़, सा. देह	अ.ज.जा.	201/1	0.15	0.061	0	असिंचित
10	चैतराम, रैतराम, दिनेश कुमार पिता मयाराम, जाति गोड़, सा.देह	अ.ज.जा.	192	0.28	0.113	0	असिंचित
11	तिलक पिता बहादुर, जाति गोड़, सा.देह	अ.ज.जा.	179	0.10	0.041	410	असिंचित
	महायोग-11		**11**	**2.37**	**0.959**	**530**	

यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर आपत्ति के आधार सहित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्रस्तुत दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

(गोपाल वर्मा)
कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी
जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

G-252600447/2

न्यायालय कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी जिला - कबीरधाम (छ.ग)

(प्रारूप - क)

राज्य शासन के विभाग / उपक्रम / संस्था परियोजना प्रबंधक (सिंचाई परियोजना) छत्तीसगढ़ **"कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग कवर्धा"** जिला कबीरधाम (छ.ग.) विभाग के द्वारा **मोहपाड़ जलाशय योजना** अंतर्गत **डूबान क्षेत्र** हेतु **ग्राम भोयटोला (पूरक प्रकरण)** प.ह.न. 16, रा. नि.म. कोदवागोड़ान, तहसील कुकदूर, जिला कबीरधाम छ.ग. के प्रभावित किसानों की निजी भूमि को "सार्वजनिक प्रयोजन" के लिए आवश्यकता होने से राज्य शासन, उपक्रम / संस्था निम्नांकित कृषक प्रारूप - क) की नीजि भूमि आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति 2016 के तहत भू-अर्जन करना चाहता है

ग्राम/नगर/तहसील - ग्राम भोयटोला, कुकदूर, सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण जलाशय डूबान क्षेत्र में निर्माण हेतु ।

क्रमांक	कृषक का नाम एवं पिता/पति का नाम	जाति	खसरा नम्बर	क्रय करने हेतु प्रस्तावित अर्जित रकबा			भूमि का किस्म
				एकड	हेक्टे.	वर्गमीटर	
1	2	3	4	5	6	7	8
1	लताबाई पिता नोहर, जाति गोड़, सा. देह	अ.ज.जा.	173/3	1.00	0.405	0	असिंचित
2	दुलेश्वरी, ईश्वरी पिता नंदराम, सौतरबाई पति नंदराम, जाति गोड़, सा.देह	अ.ज.जा.	177/3	3.26	1.319	0	असिंचित
			177/5	2.16	0.873	0	
			177/14	1.50	0.606	0	
	योग-		**3**	**6.92**	**2.798**	**0**	
3	संतराम पिता कोदू, जाति गोड़, सा. देह	अ.ज.जा.	177/4	0.64	0.259	0	सिंचित
			177/7	0.40	0.162	0	
			177/15	0.17	0.069	0	
	योग-		**3**	**1.21**	**0.490**	**0**	
4	कलेश्वर, सुमंत, अशोक, रामेश्वरी पिता कुंजराम, मिलाबाई पति कुंजराम, जाति गोड़, सा. देह	अ.ज.जा.	177/12	0.64	0.259	0	असिंचित
			177/13	0.40	0.162	0	
			177/16	0.17	0.069	0	
	योग-		**3**	**1.21**	**0.490**	**0**	
5	अमरसिंह, अर्जुन, भगवानसिंह, दुजबाई, कृष्णबाई पिता गलीराम, जाति गोड़, सा.देह	अ.ज.जा.	170/3	1.00	0.405	0	
6	कुमार पिता रामधुन जाति गोड़, सा.देह	अ.ज.जा.	170/2	1.50	0.607	0	असिंचित
			128/3	0.33	0.134	0	
	योग-		2	1.83	0.741	0	
7	बुद्धूसिंह पिता मदनसिंह, जाति गोड़, सा. देह	अ.ज.जा.	171/7	1.05	0.425	0	असिंचित
	महायोग - 7		**14**	**14.22**	**5.754**	**0**	

यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर आपत्ति के आधार सहित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्रस्तुत दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

(गोपाल वर्मा)
कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी
जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

G-252600450/2

वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF FINANCE
सत्यमेव जयते

तिमाही रिटर्न मासिक भुगतान योजना (क्यू.आर.एम.पी)

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ₹ 5 करोड़ तक के सकल वार्षिक टर्नओवर वाले छोटे करदाताओं के लिए व्यापार सरल बनाने की दिशा में कदम

क्यू.आर.एम.पी योजना का लाभ उठाने के इच्छुक पात्र करदाता जीएसटी पोर्टल (www.gst.gov.in) पर निम्न प्रक्रिया द्वारा इस योजना का विकल्प चुन सकते हैं:

करदाता इंटरफेस पर लॉग इन करें
Services>Returns>Opt-in for quarterly return पर जाएं

वर्तमान में क्यू.आर.एम.पी योजना का लाभ उठा रहे करदाताओं को योजना के लिए पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है

— लाभ —

- तिमाही में सिर्फ एक बार जी.एस.टी. स्टेटमेंट/रिटर्न फॉर्म, जी.एस.टी.आर.-1 और फॉर्म जी.एस.टी.आर.-3बी में फाइल करें
- योजना को अपनाना/ छोड़ना सरल
- फ्लेक्सिबल इनवॉयस दाखिल करने की सुविधा का लाभ उठाएं
- तिमाही के पहले दो महीनों में फिक्स्ड सम विधि (पहले से भरा हुआ चालान) अथवा स्वयं मूल्यांकन विधि (ITC को सम्मिलित करके वास्तविक करदेयता) द्वारा मासिक कर का सरलतापूर्वक भुगतान करने की सुविधा
- हर तिमाही में एक बार ITC और कर का स्वयं-मूल्यांकन

वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही से क्यू.आर.एम.पी योजना का विकल्प चुनने की अंतिम तिथि

30 अप्रैल, 2025

पात्र पंजीकृत व्यक्ति किसी तिमाही के लिए योजना का विकल्प, उसकी पिछली तिमाही के दूसरे महीने के पहले दिन से लेकर तिमाही के पहले महीने के अंतिम दिन तक चुन सकता है

जीएसटी रिटर्न दाखिल करना: तीव्र, आसान और सरलीकृत

CBC 15502/13/0003/2526

अधिक जानकारी के लिए कृपया अधिसूचना सं. 81 से 85/2020-केंद्रीय कर और परिपत्र सं. 143/13/2020-जीएसटी दिनांक 10.11.2020 को देखें

क्यू.आर.एम.पी योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया स्कैन करें

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड
@cbicindia @cbic_india @cbicindia @CBICINDIA CBIC India

पाकिस्तान से बंद हो खेल संबंध, सचिन-कोहली सहित खेल जगत ने जताया शोक

पहलगाम आतंकी हमला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय खेल जगत ने भी पहलगाम आतंकी हमले पर शोक जताया है। वहीं, भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने पाकिस्तान के साथ खेल संबंध पूरी तरह समाप्त करने की मांग की है। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई है जिसमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने भी इस हमले पर दुख जताया और पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी है।

'प्रभावित परिवार एक अकल्पनीय परीक्षा से गुजर रहे होंगे। भारत और दुनिया दुख की इस घड़ी में उनके साथ है। हम लोगों की मौत पर शोक मनाते हैं और न्याय के लिए प्रार्थना करते हैं।'

- सचिन तेंदुलकर

'जम्मू-कश्मीर में हुए दुखद हमले से दिल दहल गया है। पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं।'

-नीरज चोपड़ा

'पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए मेरा दिल दुखता है। इतना दर्द। इतना नुकसान। कोई भी किसी भी कारण से ऐसी क्रूरता को उचित नहीं ठहरा सकता। पीड़ित परिवारों का दुख शब्दों से परे है, लेकिन आप अकेले नहीं हैं। हम आपके साथ हैं।'

- पीवी सिंधू

'पीड़ितों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना। जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवारों को शांति और शक्ति मिले और उन्हें क्रूर कृत्य के लिए न्याय मिले, इसके लिए प्रार्थना करता हूं।'

-विराट कोहली

'निंदा पर्याप्त नहीं है, न्याय अवश्य होना चाहिए। हमारे दिलों में पहलगाम के लिए दर्द है। आतंक की कभी जीत नहीं होनी चाहिए। पहलगाम हमले में प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना।'

- पीआर श्रीजेश

'धर्म के नाम पर निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना और उनकी हत्या करना पूरी तरह से बुराई है। यह कैसी लड़ाई है जहां इंसान की जान की कोई कीमत ही नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह पागलपन जल्द ही खत्म होगा और इन आतंकवादियों को दंडित किया जाएगा।'

- मोहम्मद सिराज

'पहलगाम आतंकी हमला उन खतरों की दिल दहला देने वाली याद दिलाता है जिनका हम सामना कर रहे हैं। मेरी प्रार्थनाएं उन आत्माओं और उनके परिवारों के साथ हैं जिन्हें हमने खो दिया। डर फैलाने वाले जान लें कि भारत एकजुट है, और न्याय होगा। जय हिंद।'

- साइना नेहवाल

खास खबर

राहुल निराशाजनक प्रदर्शन से आगे बढ़े

नई दिल्ली। दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को लगता है कि लोकेश राहुल लखनऊ सुपर जाइंट्स में पिछले सत्र के निराशाजनक प्रदर्शन से आगे बढ़ चुके हैं और मानसिकता में बदलाव से ना केवल उन्हें अपनी नई आईपीएल फ्रेंचाइजी में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिली है बल्कि इससे वह भारतीय टीम के लिए भी मजबूत खिलाड़ी बनेंगे। राहुल ने मंगलवार को सत्र का तीसरा अर्धशतक जड़ा और लखनऊ में अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी नई टीम दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से शानदार जीत दिलाई।

भविष्य की योजना भारत के लिए खेलना : पोरेल

लखनऊ। दिल्ली कैपिटल्स के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल देश के किसी भी अन्य क्रिकेटर की तरह भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा रखते हैं। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने 36 गेंदों में 51 रन बनाकर दिल्ली को मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स पर आठ विकेट से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोरेल ने कहा, 'मैं अपनी हर पारी का आनंद ले रहा हूं, हर पारी में बेहतर बनने की कोशिश कर रहा हूं। भविष्य की योजना भारत के लिए खेलना, लंबे समय तक देश के लिए खेलना है। लेकिन वर्तमान में मेरा पूरा ध्यान आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर है।'

श्रीलंकाई महिला वनडे टीम में कई बदलाव

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला के लिए बुधवार को 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें कई बदलाव किए गए हैं। मार्च में न्यूजीलैंड से 0-2 से श्रृंखला हारने के बाद से श्रीलंका ने अपनी टीम में आठ बदलाव किए हैं। अनुभवी चमारी अटापट्टू टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगी, जबकि तेज गेंदबाज मल्की मदारा को पहली बार वनडे में टीम में शामिल किया गया है। विशमी गुणरत्ने, नीलाक्षी सिल्वा, हासिनी परेरा, पियमी वाथसाला, देवमी विहंगा, इनोका राणावीरा और हंसिमा करुणारत्ने ने भी टीम में वापसी की है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	8	6	2	12
दिल्ली	8	6	2	12
मुंबई	9	5	4	10
बेंगलुरु	8	5	3	10
पंजाब	8	5	3	10
लखनऊ	9	5	3	10
कोलकाता	8	3	5	6
राजस्थान	8	2	6	4
हैदराबाद	8	2	6	4
चेन्नई	8	2	6	4

ऑरेंज कैप

साईं सुदर्शन
417 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
16 विकेट
गुजरात

खबर संक्षेप

गिलेस्पी को पारिश्रमिक से वंचित नहीं किया गया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान की टेस्ट टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा देने वाले ऑस्ट्रेलियाई जेसन गिलेस्पी को उनके पारिश्रमिक से वंचित नहीं किया गया है, जैसा कि मीडिया में आई खबरों में दावा किया जा रहा है। मीडिया में आ रही खबरों में कहा गया है कि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से संपर्क किया था और कथित बकाया भुगतान के लिए कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे थे, इन पर प्रतिक्रिया देते हुए पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि बोर्ड ने 'अनुबंध संबंधी दायित्वों से हटकर कुछ नहीं किया' है।

हम्पी ने जीती फिडे महिला शतरंज ग्रां प्री

पुणे। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने फिडे महिला ग्रां प्री 2024-25 (पुणे चरण) जीत लिया है। उन्होंने टाइब्रेकर में बेहतर स्कोर के आधार पर चीन की झू जिनेर को हराया। पिछले साल दिसंबर में पांच साल बाद न्यूयॉर्क में हुई महिला विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप जीतने वाली हम्पी ने नौवें और आखिरी दौर में बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा को हराया। उनके और झू के सात सात अंक रहे। फिडे ने एक्स पर लिखा, 'कोनेरू हम्पी और झू लिनेर के फिडे महिला ग्रां प्री में समान अंक रहे और टाइब्रेकर में बेहतर स्कोर के आधार पर हम्पी ने जीत दर्ज की।'

आईपीएल : बोल्ट के 4 शिकार के बाद रोहित ने खेली 70 रन की तूफानी पारी

मुंबई की लगातार चौथी जीत, टॉप-3 में बनाई जगह, हैदराबाद को हराया

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

रोहित शर्मा (70) के लगातार दूसरे अर्धशतक की मदद से मुंबई इंडियंस ने बुधवार को आईपीएल के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया। मुंबई इंडियंस की यह लगातार चौथी जीत है जिसके बाद टीम अंक तालिका में छठे से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। सनराइजर्स हैदराबाद के आठ विकेट पर 143 रन के जवाब में मुंबई ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 146 रन बनाए। रोहित ने 70 रन की पारी खेली। सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 40 रन बनाए। ट्रेंट बोल्ट ने 4 विकेट लिए।

रोहित ने तीसरे ओवर में पैट कमिंस की आफ कटर पर डीप स्क्वेयर लेग के ऊपर से छक्का और फिर चौका लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। इंपैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में खेल रहे रोहित ने हालात को बखूबी पढ़ा और उसके अनुसार खेला। उन्होंने जयदेव उनादकट को कवर के ऊपर दूसरा छक्का लगाया। इससे पहले हेनरिक क्लासेन के 44 गेंद में 71 और अभिनव मनोहर के 43 रन की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने खराब शुरुआत से उबरते हुए आठ विकेट पर 143 रन बनाए।

9 साल बाद रोहित का कमाल

मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल में अपनी फॉर्म हासिल कर ली है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेलने के बाद हैदराबाद के भी खिलाफ हाफ सेंचुरी पूरी की। 9 साल बाद रोहित शर्मा ने आईपीएल में बैक-टू-बैक हाफ सेंचुरी जड़ी। साल 2016 में आखिरी बार रोहित शर्मा ने ऐसा कमाल किया था। रोहित शर्मा 46 गेंद पर 70 रन बनाकर आउट हुए।

बुमराह ने किया 300वां शिकार

जसप्रीत बुमराह ने एक खास उपलब्धि हासिल की। तेज गेंदबाज ने टी20 क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए। सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन उनके टी-20 क्रिकेट करियर का 300वां शिकार बने। बुमराह आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। साथ ही लसिथ मलिंगा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए कुल 170 विकेट ले लिए हैं। हरभजन सिंह ने एमआई के लिए 127 विकेट चटकाए हैं।

300 विकेट टेकर भारतीय

विकेट	खिलाड़ी
373	युजवेंद्र चहल
319	पीयूष चावला
318	भुवनेश्वर
315	रवि अश्विन
300	जसप्रीत बुमराह

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
ट्रेविस हेड का नमन बो बोल्ट	00	04	0	0
अभिषेक का पुथुर बो बोल्ट	08	08	0	1
किशन का रिकेलटन बो चाहर	01	04	0	0
रेड्डी का सेंटनेर बो चाहर	02	06	0	0
क्लासेन का तिलक बो बुमराह	71	44	9	2
अनिकेत का रिकेलटन बो पंड्या	12	14	1	0
मनोहर हिट विकेट बो बोल्ट	43	37	2	3
पैट कमिंस बो बोल्ट	01	02	0	0
हर्षल पटेल नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त : 04, कुल : 20 ओवर में 143/8
गेंदबाजी : चाहर 4-0-12-2, बोल्ट 4-0-26-4, बुमराह 4-0-39-1, सेंटनेर 4-0-19-0, पंड्या 3-0-31-1, पुथुर 1-0-15-0.

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
रियान का और बो उनादकट	11	08	2	0
रोहित का अभिषेक बो मलिंगा	70	46	8	3
जैक्स का मनोहर बो अंसारी	22	19	2	1
सूर्यकुमार यादव नाबाद	40	19	5	2
तिलक वर्मा नाबाद	02	02	0	0

अतिरिक्त : 01, कुल : 15.4 ओवर में 146/3
गेंदबाजी : कमिंस 3-0-31-0, उनादकट 3-0-25-1, पटेल 3-0-21-0, मलिंगा 3-0-33-1, अंसारी 3.4-0-36-1.

टीमें और खिलाड़ी नए होने से घरेलू मैदान का फायदा नहीं

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बुधवार को कहा कि खिलाड़ियों के नई टीमों से जुड़ने और मैदान के हालात की अधिक जानकारी नहीं होने से टीमें आईपीएल के इस सत्र में घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा नहीं मिलने की बात कर रहीं हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाइंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी कई टीमों ने अपने घरेलू मैदान पर पिचों को लेकर असंतोष जताया है। द्रविड़ ने आरसीबी के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'यह मैदान पर निर्भर करता है। मैं नहीं जानता कि टीमें अपने क्यूरेटर से क्या चाहती हैं। मेगा नीलामी के बाद टीमें नई भी हैं। नीलामी के बाद पहले साल कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो उन मैदानों पर पहली बार खेल रहे हैं। मसलन फिल साल्ट केकेआर के साथ था और यहां पहली बार आरसीबी के लिए खेला है। हमारी टीम में नीतिश राणा नया है जो इसी साल से हमसे जुड़ा है। उसके लिए जयपुर नया मैदान है।'

सत्र बढ़ने के साथ होंगे अनुभवी

द्रविड़ ने कहा कि सत्र आगे बढ़ने के साथ खिलाड़ी खुद को मैदानों के अनुरुप ढाल लेंगे। उन्होंने कहा, 'जब बड़ी नीलामी होती है तो टीम बदलती है और घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा उतना अहम नहीं होता। बाद में खिलाड़ियों को अभ्यास और अधिक खेलने के साथ यह थोड़ा अहम लगने लगेगा।'

रॉयल चैलेंजर्स को घर में पहली जीत की तलाश

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीगके मैच में जब राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने रिकॉर्ड में सुधार करना होगा। आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा है। आरसीबी ने देश के अन्य स्थानों पर अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन अपने घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन के कारण उसको नुकसान हो रहा है। आरसीबी के बल्लेबाज अजीब तरह के दबाव में नजर आ रहे हैं जबकि उसके गेंदबाज भी यहां की पिच से सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं। यहां की पिच धीमी है और आरसीबी के बल्लेबाज उस पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। वह इस दुविधा में नजर आते हैं कि संभलकर खेला जाए या फिर आक्रामक रवैया अपनाया जाए।

बांग्लादेश घर में हुआ उलटफेर का शिकार

जिम्बाब्वे को विदेश में 7 साल बाद मिली जीत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम ने बड़ा उलटफेर करते हुए बांग्लादेश को उनके घर पर में पहले टेस्ट में तीन विकेट से मात दी। इसके साथ ही मेहमान टीम ने 2 मैचों की सीरीज में बढ़त भी बना ली है। जिम्बाब्वे ने 2018 के बाद पहली बार घर से बाहर पहला टेस्ट मैच जीता है। इस मैच में बांग्लादेश के मोमिनुल हक ने खास रिकॉर्ड बनाया।

वह टेस्ट में बतौर फील्डर सबसे ज्यादा कैच (41) लेने वाले बांग्लादेशी प्लेयर बने। इस मामले में उन्होंने मेहदी हसन मिराज के 40 कैच को पीछे छोड़ दिया है। इतना ही नहीं मेहदी हसन मिराज ने बांग्लादेश के लिए टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा 10 विकेट (3 बार) लेने के तैजुल इस्लाम के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, इन 2 रिकॉर्ड की बाद भी बांग्लादेश को हार मिली।

मुजाराबानी ने दूसरी पारी में झटके छह विकेट

मुकाबले की बात करें तो बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। पहली पारी में मेजबान टीम 191 रन पर ढेर हो गई। जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 273 रन बनाए और 82 रन की बढ़त हासिल की। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 255 रन बनाए और जिम्बाब्वे को जीत के लिए 174 रन का टारगेट दिया। बांग्लादेश की दूसरी पारी में ब्लेसिंग मुजाराबानी ने 6 सफलताएं प्राप्त कीं। 174 के टारगेट को जिम्बाब्वे ने 50.1 ओवर में 7 विकेट खोकर चेज कर लिया। ब्रायन बेनेट ने 54 और बेन कुरेन ने 44 रन ठोके। वहीं मेहदी हसन मिराज ने दूसरी पारी में 5 शिकार किए।

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा: अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर, फोन : 0771-4243149/240
CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

मांग-सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम) की धारा 13 (2) के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ें।

जबकि अधोहस्ताक्षरी प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश द्वारा अनुमोदित समामेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) का प्राधिकृत अधिकारी है। वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत मांग नोटिस जारी किए गए।, यहां नीचे सूचीबद्ध उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों से संबंधित नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर संबंधित मांग नोटिस/नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान करने का आह्वान किया गया है। नीचे दिए गए विवरण के अनुसार. अधोहस्ताक्षरी ने इन नोटिसों को उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों के अंतिम ज्ञात संबंधित पते के परिसर में चिपकाया है। उक्त नोटिस की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि, यदि चाहें तो, किसी भी कार्य दिवस पर संबंधित प्रति अधोहस्ताक्षरी से प्राप्त कर सकते हैं। सामान्य कार्यालय समय.

उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों को नोटिस दिया जाता है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर एचडीएफसी को भुगतान करें। यहां नीचे दी गई राशियां उनके संबंधित नामों में अतिरिक्त ब्याज के साथ दी गई हैं। जैसा कि उक्त डिमांड नोटिस में बताया गया है, नीचे कॉलम (सी) में उल्लिखित संबंधित तारीखों से लेकर भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, ऋण समझौते और उक्त उधारकर्ता द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेजों/लेखों, यदि कोई हो, के साथ पढ़ा जाए।. ऋण के उचित पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित सुरक्षित संपत्ति को क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा एचडीएफसी के पास गिरवी रखा गया है।

सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्रं.	ऋणी/जमानतदार का नाम एवं पता	बकाया राशि	मांग सूचना तिथि	बंधक संपत्ति का विवरण
(अ)	(ब)	(स)	(द)	(इ)
1.	**श्री तिवारी जीतेन्द्र श्यामधर,** फ्लैट-डी-715-अथवा-7015, फ्लोर-7, हर्षित लैंडमार्क ब्लॉक 4 (डी), स.क्र., ख. क्रमांक 563/1, 565, 567, 570571, 572, 581/21, 592, 593, 594, 595 596/3, 596/4;, प.ह.नं.103/34; ग्राम-हीरापुर, रायपुर-492001. **श्री तिवारी जितेंद्र श्यामधर,** मकान नंबर 01 ब्लॉक - 06, गोंदवारा रोड, मेला किराना स्टोर, पार्वती नगर रायपुर, रायपुर - 492001. **श्री तिवारी जीतेन्द्र श्यामधर,** मे. Njm ट्रांसपोर्ट कंपनी, रिंग रोड नंबर 2, रिलायंस पेट्रोल पंप के पास, गोंदवारा रोड, गोंदवारा, रायपुर - 492001. **श्रीमती तिवारी रंजना जीतेन्द्र,** मकान नंबर 01 ब्लॉक - 06, गोंदवारा रोड, मेला किराना स्टोर, पार्वती नगर रायपुर, रायपुर - 492001. **श्रीमती तिवारी रंजना जीतेन्द्र,** फ्लैट-डी-715-अथवा-7015, फ्लोर-7, हर्षित लैंडमार्क ब्लॉक 4 (डी), स.क्र., ख. क्रमांक 563/1, 565, 567, 570571, 572, 581/21, 592, 593, 594, 595 596/3, 596/4;, प.ह.नं.103/34; ग्राम-हीरापुर, रायपुर-492001.	₹22,25,944/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, फ्लैट-डी-715, मेंस 7015, फ्लोर-7, ब्लॉक-4/डी, सुपर बिल्ट अप एरिया-721 वर्ग फीट, कारपेट एरिया-41.85 वर्ग मीटर/450 वर्ग फीट, बिल्टअप एरिया-47.52 वर्ग मीटर/512 वर्ग फीट है। खसरा नंबर- 570, 571, 572, 593, 594, हर्षित लैंड मार्क, ब्लॉक-4 डी, वार्ड-01, वीर सावरकर नगर वार्ड, ग्राम- हीरापुर, तहसील और जिला- रायपुर के भाग में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:-उत्तर-सीढ़ियां, दक्षिण -फ्लैट नंबर 716 मेंस 7016, पूर्व-कॉरिडोर, पश्चिम -खुला आसमान।
2.	**श्री खान फैजान उद्दीन,** फ्लैट-जी-3/8, फ्लोर-3, लोटस टावर, प.ह.नं. 2 ब्लॉक-G, क्रमांक. 99/18(भाग)-33,316/1, 325/3 317/1-2-3(भाग), 325/20-23-92, 326/14-17-23(भाग)-24-25-36, ग्राम- मठपुरेना, रायपुर-492001. **श्री खान फैजान उद्दीन,** वार्ड नंबर 12, मस्जिद रोड, अंशू विला गर्ल्स हॉस्टल के पास, कोटा, रायपुर, बिंद्रावनगढ़, रायपुर, कोटा, रायपुर - 492001. **श्री खान फैजान उद्दीन,** सुश्री फैजान उद्दीन खान, पिता रियाज उद्दीन खान, वार्ड नंबर-12, मस्जिद रोड, कोटा, रायपुर - 492001.	₹16,79,633/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, फ्लैट-जी-3/8, फ्लोर-3 ब्लॉक-जी, क्षेत्रफल- सुबा- 820 वर्ग फीट/76.20 वर्ग मीटर, सुबा- 619 वर्ग फीट, कारपेट एरिया- 564 वर्ग फीट। ग्राम-मठपुरैना, लोटस टॉवर फेज-2, चंद्रशेखर आज़ाद वार्ड, वार्ड क्रमांक-52 तहसील और जिला -रायपुर में स्थित, जिसकी **चौहद्दी** :-उत्तर- खुली जगह, दक्षिण- फ्लैट क्रमांक जी 3/7, पूर्व - खुली जगह, पश्चिम - लॉबी, सीढ़ियाँ और सड़क।
3.	**श्री शर्मा सुशील,** फ्लैट-307 ब्लॉक 4, फ्लोर-2, ग्रीन अर्थ सिटी, प.ह.नं.-1-आर्किड 1 से 7, स.क्र. (217, 218, 226-235, 242-250 ग्राम-अमलेश्वर में) एवं (1496, 1503, 1504, 1516, 1517 ग्राम-सांकरा में) तहसील पाटन; जिला दुर्ग, दुर्ग-491001 का भाग। **श्री शर्मा सुशील,** क्वार्टर नं.115 स्टाफ कॉलोनी, ब्लॉक आरएमई महानदी कॉम्प्लेक्स, अरसमेटा सीमेंट प्लांट, पो.-गोपालनगर जांजगीर चांपा, चांपा - 495671. **श्री शर्मा सुशील,** लाफार्ज इंडिया लिमिटेड, अरसमेटा सीमेंट प्लांट, गोपाल नगर, चांपा - जांजगीर - 495663. **श्रीमती शर्मा मनीषा,** क्वार्टर नं.115 स्टाफ कॉलोनी, ब्लॉक आरएमई महानदी कॉम्प्लेक्स, अरसमेटा सीमेंट प्लांट, पो.-गोपालनगर जांजगीर चांपा, चांपा - 495671. **श्रीमती शर्मा मनीषा,** फ्लैट-307 ब्लॉक 4, फ्लोर-2, ग्रीन अर्थ सिटी, प.ह.नं.-1-आर्किड 1 से 7, स.क्र. (217, 218, 226-235, 242-250 ग्राम-अमलेश्वर में) एवं (1496, 1503, 1504, 1516, 1517 ग्राम-सांकरा में) तहसील पाटन; जिला दुर्ग, दुर्ग-491001 का भाग।	₹10,36,788/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, फ्लैट-307, फ्लोर-2, ऑर्किड ब्लॉक-4, क्षेत्रफल 54.29 वर्ग मीटर/584.22 वर्ग फीट है। ग्रीन अर्थ सिटी, ग्राम-सांकरा/अलमेश्वर, तहसील-पाटन और जिला-दुर्ग में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:- 306, दक्षिण-फूटपाथ, पूर्व - फूटपाथ, पश्चिम - 308.
4.	**श्री यादव प्रमोद कुमार,** यूनिट-डी-17, हर्षित नियो सिटी, स.क्रमांक, ख.नं. 208, 212, 213, 215 216, प.ह.नं. 5, ग्राम अमलेश्वर, तह-पाटन, पाटन-छ.ग.-491001. **श्री यादव प्रमोद कुमार,** 11वीं वाहिनी, छ.ग. बाल, डी कंपनी, केंद्रीय जेल, जगदलपुर -छत्तीसगढ़ - 494001. **श्री यादव प्रमोद कुमार,** छत्तीसगढ़ सरकार, जगदलपुर, 11वीं बीएनआईआर सीएएफ 11वीं बीएनआईआर सीएएफ, जगदलपुर - 492001. **श्रीमती यादव दिव्या,** 11वीं वाहिनी, छ.ग. बाल, डी कंपनी, केंद्रीय जेल, जगदलपुर -छत्तीसगढ़ - 494001. **श्रीमती यादव दिव्या,** यूनिट-डी-17, हर्षित नियो सिटी, क्रमांक, ख.नं. 208, 212, 213, 215 216, प.ह.नं. 5, ग्राम अमलेश्वर, तह-पाटन, पाटन-छ.ग.-491001.	₹ 6,92,917/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, प्लॉट क्रमांक डी-17, क्षेत्रफल -1000 वर्ग फीट है, खसरा क्रमांक-213/1, 'हर्षित नियो सिटी' प.ह.नं. -5, आरएनएम भिलाई-3, ग्राम-अमलेश्वर, तहसील-पाटन और जिला-दुर्ग के भाग में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:-उत्तर - प्लॉट क्रमांक डी-18, दक्षिण - प्लॉट क्रमांक डी-16, पूर्व - प्लॉट क्रमांक- सी 6 पश्चिम- सड़क।
5.	**श्रीमती सोनी सुनीता,** खसरा नं. 185/7, पुराना खसरा नं. 185/3(भाग), प.ह.नं. 23/27/40, प्लॉट नं. 317/4, मकान शीट नं. 02, मौजा तिफरा, डॉ. अंबेडकर नगर वार्ड नं. 5, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्रीमती सोनी सुनीता,** सूर्या विहार, सतनाम भवन के सामने, मुक्तिधाम रोड, यदुनंदन नगर तिफरा, बिलासपुर-छ.ग. - 495001. **श्रीमती सोनी सुनीता,** सरगुजा लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट टी नगर, रायपुर रोड, परसदा, बिलासपुर-छ.ग. - 495001. **श्री सोनी अमित कुमार,** सूर्या विहार, सतनाम भवन के सामने, मुक्ति धाम रोड, यदुनंदन नगर तिफरा, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्री सोनी अमित कुमार,** खसरा नंबर 185/7, पुराना खसरा क्रमांक 185/3(भाग), प.ह.नं. 23/27/40, प्लॉट क्रमांक 317/4, मकान शीट क्रमांक 02, मौजा तिफरा, डॉ. अम्बेडकर नगर वार्ड क्रमांक 5, बिलासपुर-छ.ग.-495001.	₹18,56,611/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, प्लॉट संख्या 317/4, क्षेत्रफल -95.074 वर्ग मीटर है। खसरा संख्या 185/7, डॉ. अंबेडकर नगर वार्ड (साई विहार कॉलोनी), वार्ड-5, प.ह.-23/27 शीट संख्या 2, रा.नि.मं.-बिलासपुर बिलासपुर तहसील और जिला-बिलासपुर में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:-उत्तर-शुभम गुप्त का मकान, दक्षिण-उत्तम सिंह का मकान, पूर्व - सड़क, पश्चिम-शोभा चाहिल का प्लॉट।
6.	**श्री चौरसिया विशाल गौरीशंकर,** यूनिट-एलआईजी-I-3, दीन दयाल कॉलोनी चिखली, क्रमांक. 9/1, चिखली, राजनांदगांव-492001. **श्री चौरसिया विशाल गौरीशंकर,** एचआईजी 11, दिनदयाल कॉलोनी, खैरागढ़ रोड, चिखली वार्ड नंबर 06, राजनांदगांव- 491441. **श्री चौरसिया विशाल गौरीशंकर,** स्पर्श ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड, मारुति सुजुकी शोरूम, एनएच रोड, मनकी, राजनांदगांव - राजनांदगांव - 491441. **श्रीमती चौरसिया भारती विशाल,** एचआईजी 11, दिनदयाल कॉलोनी, खैरागढ़ रोड, चिखली वार्ड नंबर 06, राजनांदगांव- 491441. **श्रीमती चौरसिया भारती विशाल,** यूनिट-एलआईजी-I-3, दीन दयाल कॉलोनी चिखली, स.क्र. 9/1, चिखली, राजनांदगांव-492001.	₹24,15,577/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, यूनिट- LIG-I-03, क्षेत्रफल 58.50 वर्गमीटर/ 629.46 वर्ग फीट है, खसरा नंबर 9/1, छ.ग. गृह निर्माण मंडल, दीन दयाल आवास योजना, चिखली, वार्ड-6, प.ह.-39, तहसील और जिला - राजनांदगांव में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:-उत्तर - LIG-I-22, दक्षिण- कॉलोनी रोड, पूर्व - LIG-I-02, पश्चिम में - LIG-I-04 से घिरा है।
7.	**श्री छत्रिया कमल कुमार,** खसरा नंबर 237/48, प.ह.नं. 108/37, मौजा गोंदवारा जिला रायपुर, मकान नंबर यतियतन लाल वार्ड नंबर04, रा.नि.मं. रायपुर 1, रायपुर-492001. **श्री छत्रिया कमल कुमार,** शिवानंद नगर, सेक्टर-1, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, धर्म किराया भंडार के पास, रायपुर- 492001. **श्री छत्रिया कमल कुमार,** मेसर्स कमल मिल्क मार्ट, रिंग रोड नंबर 2, गोंदवारा रायपुर, रायपुर - 492001. **श्रीमती छत्रिया राशमी,** शिवानंद नगर, सेक्टर-1, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, धरम किराया भंडार के पास, रायपुर- 492001. **श्रीमती छत्रिया राशमी,** खसरा नंबर 237/48, प.ह.नं. 108/37, मौजा गोंदवारा जिला रायपुर, मकान नंबर यतियतन लाल वार्ड नंबर04, रा.नि.मं. रायपुर 1, रायपुर-492001.	₹13,84,677/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, क्षेत्रफल 523 वर्ग फीट, खाता नंबर -208 भाग -01, परिवर्तित खसरा नंबर- 237/48, प.ह.-108/37, वार्ड क्रमांक- 4, यतियतन लाल वार्ड, ग्राम-गोंदवारा, रानिमं- रायपुर-1, तह. एवं जिला- रायपुर में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:-उत्तर-सड़क, दक्षिण-रिंग रोड नंबर-2, पूर्व-उपाध्याय जी की दुकान, पश्चिम-सड़क।

*अतिरिक्त ब्याज के साथ। भुगतान और/या वसूली की तारीख तक किए गए आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क जैसा लागू हो आदि।
यदि उक्त उधारकर्ता उपर्युक्त के अनुसार एचडीएफसी को भुगतान करने में विफल हो जाते हैं, तो एचडीएफसी उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) और लागू नियमों के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जो पूरी तरह से जोखिम में है। उक्त उधारकर्ता(ओं)/कानूनी वारिस(ओं)/कानूनी प्रतिनिधियों(ओं) की लागत और परिणाम के बारे में।
उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि को उक्त अधिनियम के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है, चाहे वह बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से हो। एचडीएफसी की पूर्व लिखित सहमति। कोई भी व्यक्ति जो अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, वह अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड के लिए उत्तरदायी होगा।

स्थान : रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, जगदलपुर, राजनांदगांव
दिनांक : 24.04.2025
पंजीकृत पता- एचडीएफसी बैंक हाऊस, सेनापती बापट मार्ग, लोवर पर्ल (पश्चिम), मुंबई-400020

कृते / प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

खबर संक्षेप

धर्मांतरण के प्रयास में विदेशी सहित 2 अरेस्ट

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले के मोतीपुरा गांव में अवैध धर्मांतरण गतिविधियों में लिप्त होने की बजरंग दल के सदस्यों की शिकायत पर एक अमेरिकी नागरिक सहित दो व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। आरोपियों की पहचान जॉय मैथ्यू और उसके दामाद कॉलिन मिशेल के रूप में हुई है। मिशेल अमेरिकी नागरिक है, जबकि जॉय स्थानीय नागरिक है।

अपमानजनक टिप्पणी महिला को 7 दिन कैद

मुंबई। बम्बई उच्च न्यायालय ने नवी मुंबई में एक आवासीय सोसाइटी के कुत्तों को खाना खिलाने वालों के पक्ष में आदेश पर अदालत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने पर महिला को आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराया। अदालत ने विनीता श्रीनंदन को एक सप्ताह की साधारण कारावास की सजा सुनाई, इसके साथ ही 20,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया।

टीडीपी और भाजपा एक साथ ईरानी-अन्नामलाई रेस में

नई दिल्ली। भाजपा तमिलनाडु के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई या पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी में से किसी एक को राज्यसभा उपचुनाव में एनडीए उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतार सकती है। यह सीट वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता विजयसाई रेड्डी के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। इस सीट के लिए उपचुनाव 9 मई को होगा। इसी बीच, विजयसाई रेड्डी हाल ही में शराब घोटाले की जांच कर रही विशेष जांच दल के सामने पेश हुए। राज्यसभा उपचुनाव को लेकर एनडीए में हलचल तेज हो गई है। एनडीए की सहयोगी पार्टी तेलगु देशम पार्टी , भाजपा के उम्मीदवार को समर्थन दे सकती है। इसको लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के मुख्य रणनीतिकार अमित शाह से मुलाकात कर सकते हैं।

आतंकी सैफुल्लाह पर सुरक्षा एजेंसियों ने किया 'जीरो इन' तो मिला निर्देश, लाओ जिंदा या मुर्दा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हरिभूमि विशेष

पहलगाम आतंकी हमला एक सुनियोजित और क्रूर हमला था, जिसके पीछे सैफुल्लाह कसूरी और लश्कर-ए-तैयबा का हाथ माना जा रहा है। सैफुल्लाह की हाफिज सईद से नजदीकी और उसकी आतंकी गतिविधियों का लंबा इतिहास इस हमले की गंभीरता को दर्शाता है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को शुरूआती जांच में ही लश्कर आतंकियों के नेटवर्क का पता इस हमले को लेकर स्पष्ट रूप से मिला है। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के छद्म संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने ली है। मोदी सरकार ने सैफुल्लाह का 'डेथ वारंट' लिख दिया है। बडे ऑपरेशन की तैयारी है।

खुफिया सूत्रों और जांच एजेंसियों के अनुसार, इस हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह कसूरी उर्फ सैफुल्लाह खालिद को साजिद जट्ट, अली, हबीबुल्लाह, नौमान के नामों से भी जाना जाता है। आतंकी लश्कर सरगना हाफिज सईद के बेहद करीबी सहयोगियों में शुमार हैं। लश्कर-ए-तैयबा का प्रमुख कमांडर और डिप्टी चीफ है। वह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का रहने वाला है और उसकी उम्र 40-45 वर्ष के बीच बताई जाती है। सैफुल्लाह को हाफिज सईद का सबसे भरोसेमंद सहयोगी माना जाता है।

हाफिज सईद, जो 26/11 मुंबई हमले का मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक है, ने सैफुल्लाह की भर्ती और प्रशिक्षण में सीधे तौर पर भूमिका निभाई थी। सैफुल्लाह ने वर्ष 2000 के दशक की शुरुआत में लश्कर-ए-तैयबा जॉइन किया और पाकिस्तान के मुरीदके में आतंकी प्रशिक्षण लिया। वह जम्मू-कश्मीर के पुंछ-राजौरी इलाकों में लश्कर की आतंकी गतिविधियों का मुख्य हैंडलर रहा है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कोटली और रावलकोट से संचालित होता है, जहां से भारत में आतंकियों की घुसपैठ कराई जाती है। सैफुल्लाह ने 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' और 'पीपल्स एंटी-फासिस्ट फोर्स' जैसे छद्म संगठनों का निर्माण किया, ताकि लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन हमलों की प्रत्यक्ष जिम्मेदारी से बच सकें। यह पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के समर्थन से संचालित होता है।

आतंकी सरगना हाफिज सईद का वर्तमान स्थिति

जेल में बंद

हाफिज सईद 2019 से पाकिस्तान में आतंकी फंडिंग के मामलों में जेल में है। उसे 2020 में 10 साल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, वह जेल से भी अपनी गतिविधियां संचालित करता है।

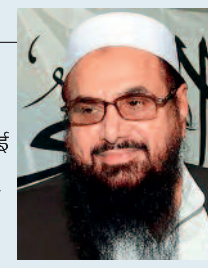

हमले में स्थिति

16 मार्च 2025 को पंजाब के झेलम में हाफिज सईद पर गोलीबारी हुई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसका करीबी अबु कताल मारा गया था। वह वर्तमान में रावलपिंडी के सैन्य अस्पताल में भर्ती है।

सुरक्षा बढ़ाई गई

अबु कताल की हत्या के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने हाफिज सईद और उसके बेटे तल्हा सईद की सुरक्षा बढ़ा दी है।

बारामूला में नियंत्रण रेखा पर बड़ी कार्रवाई

नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकवादी मार गिराए

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। सेना ने कहा कि उत्तरी कश्मीर जिले के उरी नाला में घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई।चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 23 अप्रैल 2025 को बारामूला में उरी नाले के सरजीवन के रास्ते दो-तीन 'यूआई' आतंकवादियों ने घुसपैठ की कोशिश की। सेना ने कहा कि नियंत्रण रेखा पर तैनात सतर्क सैनिकों ने घुसपैठियों को चेतावनी दी और उन्हें रोका जिसके परिणामस्वरूप गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने बताया, उरी सेक्टर में जारी घुसपैठ रोधी अभियान में दो आतंकवादी मारे गए हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए आर्मी के चिनार कॉप्स ने बताया कि बुधवार को 2-3 यूआई आतंकवादियों ने उरी नाला, बारामूला के सामान्य क्षेत्र से घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे. तभी नियंत्रण रेखा पर सतर्क टीपीएस ने उन्हें रोक लिया इसके बाद आतंकियों ने सुरक्षाबल की टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी।

राइफलें-आईईडी बरामद

सुरक्षाबलों ने जानकारी देते हुए बताया कि बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है. टीम ने आतंकियों के पास से 2 एके सीरीज की राइफलें और एक आईईडी बम बरामद किया है।

पाक करेंसी, चॉकलेट

इन आतंकियों के पास से कारतूस, पाकिस्तानी करेंसी, चॉकलेट और सिगरेट के पैकेट भी मिले हैं। गोला-बारूद के जरिए आतंकी कश्मीर में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे लेकिन उनको घुसपैठ के दौरान ही एनकाउंटर कर मार गिराया गया।

पहलगाम हमले के बाद अलर्ट

जम्मू कश्मीर में मंगलवार को हुए आतंकी हमले के बाद पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं और सुरक्षा एजेंसियों ने पहलगाम हमले के संदिग्धों के स्केच भी जारी कर दिए हैं. सोमवार की रात को गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर पहुंचे थे और सुरक्षा हालात का जायजा लेने के लिए एक उच्च स्तरीय मीटिंग की थी. इसके बाद उन्होंने मंगलवार को पहलगाम की बैसरन घाटी का भी दौरा किया, जहां आतंकियों ने 28 लोगों की हत्या कर दी थी।

कुलगाम के तंगमर्ग में मुठभेड़

कुलगाम के तंगमर्ग में बुधवार की शाम सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई। अब गोलीबारी बंद हो गई है। तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने कुलगाम जिले के तंगमर्ग इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की गई, जिसका जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अजीबोगरीब मामला

जिस महिला की हत्या का आरोप, वह जिंदा मिली सात साल बाद जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अजीबोगरीब मामले में एक व्यक्ति को जमानत दे दी जिसने हत्या के आरोप में लगभग 7 साल जेल में बिताए, जबकि मृतक की पहचान एक रहस्य बनी हुई है। इस व्यक्ति को जिस महिला की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, वह कुछ वक्त बाद ही जिंदा मिल गई। जबकि जिसकी लाश बरामद हुई थी, उसकी अबतक पहचान नहीं हो सकी है। जस्टिस गिरीश कठपालिया ने 21 अप्रैल को शख्स को जमानत देते हुए कहा, इस मामले की जांच से इस अदालत की अंतरात्मा को झटका लगा है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। जहां तक 'अंतिम बार देखे जाने' की परिकल्पना का सवाल है, शख्स को अंतिम बार सोनी उर्फ छोटी के साथ देखा गया था, जो जीवित पाई गई है।

आखिरकार शख्स को मिला न्याय

सरकारी वकील ने जमानत याचिका का विरोध किया और कहा कि 'अंतिम बार देखे जाने' के साक्ष्य आरोपी को हत्या से जोड़ते हैं। इसके विपरीत, व्यक्ति के वकील ने कहा कि उसकी उपस्थिति मोबाइल फोन टावरों से ली गई थी, जो एक बड़े क्षेत्र को कवर करते हैं और यह नहीं कहा जा सकता कि वह हत्या के समय सटीक अपराध स्थल पर मौजूद था। अदालत ने कहा कि केवल इसलिए आरोपी को स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जा सकता कि मृतक की पहचान सुनिश्चित नहीं हो पाई है। इसने कहा, अतः, आवेदन स्वीकार किया जाता है और निर्देश दिया जाता है कि आरोपी-आवेदक को तत्काल जमानत पर रिहा किया जाए, बशर्ते वह 10,000 रुपये का निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत राशि प्रस्तुत करे।

सरनेम में फेरबदल कर पाई नौकरी कोई सीएमओ तो कोई क्लर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मध्य प्रदेश के दमोह में फर्जी दस्तावेजों के जरिए सर्जरी करने वाले डॉक्टर नरेंद्र यादव उर्फ एन जॉन कैम का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब फर्जी दस्तावेजों पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कलेक्ट्रेट में क्लर्क और सेना की व्हीकल फैक्ट्री में कई पदों पर लोगों के नौकरी करने का मामला सामने आया है। यह मामला दमोह कलेक्टर के पास पहुंचा, जिन्होंने जांच के निर्देश देकर मूल दस्तावेजों की फाइल तलब की है। दमोह में फर्जी दस्तावेजों की बाढ़-सी आ गई है। कुछ लोग हिंदी में अपनी

जाति के नाम पर बिंदु जोड़कर उसे बदल लेते हैं और आदिवासियों के लिए आरक्षित पदों का लाभ उठाकर बड़े-बड़े पदों पर नौकरी हासिल कर लेते हैं। दरअसल, दमोह का आदिम जाति विभाग यह अधिसूचना जारी कर चुका है कि दमोह में 'मुंडा' जाति के लोग निवास नहीं करते। फिर भी सैकड़ों लोग फर्जी दस्तावेजों के जरिए जाति बदलकर सरकारी नौकरी कर रहे हैं।

जल्द ही हॉर्न की आवाज बांसुरी और तबले जैसी होगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में एक नया और दिलचस्प प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा है कि वह ऐसा कानून लाने पर विचार कर रहे हैं, जिससे गाड़ियों के तेज और कर्कश हॉर्न की जगह भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि सुनाई दे। हाल ही में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में बोलते हुए गडकरी ने बताया कि भविष्य में गाड़ियों के हॉर्न से बांसुरी, तबला, वायलिन और हारमोनियम जैसी सुकून देने वाली आवाजें सुनाई दे सकती हैं।

मंत्री ने कहा कि ऐसा कानून बनाने पर हो रहा विचार

आवाज के प्रदूषण को कम करने की पहल

गडकरी ने इस पहल के पीछे की वजह भी समझाई। उनका कहना है कि सड़क किनारे होने वाला ध्वनि प्रदूषण कम करना बेहद जरूरी है ताकि लोगों को शहरी माहौल में राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जैसे हम हवा की गुणवत्ता सुधारने की कोशिश करते हैं, वैसे ही अब हमें ध्वनि प्रदूषण को भी गंभीरता से लेना चाहिए। उनका मानना है कि शांत और स्वस्थ माहौल शहरों को रहने लायक बनाएगा।

ट्रांसपोर्ट सेक्टर से 40 फीसदी वायु प्रदूषण

गडकरी ने यह भी बताया कि भारत में लगभग 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण ट्रांसपोर्ट सेक्टर से आता है। इसी वजह से सरकार ग्रीन मोबिलिटी यानी पर्यावरण के अनुकूल यातायात साधनों को बढ़ावा दे रही है। इसमें बायो-फ्यूल जैसे एथेनॉल और मीथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार ट्रांसपोर्ट विकल्पों पर काम कर रही है।

भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी ने भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर की तेजी से बढ़ती ताकत पर भी रोशनी डाली। उन्होंने बताया कि 2014 में भारतीय ऑटो सेक्टर की वैल्यू करीब 14 लाख करोड़ रुपये थी, जो आज बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इतना ही नहीं, भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बनने का गौरव भी हासिल कर लिया है, जो अब सिर्फ अमेरिका और चीन से पीछे है।

हरियाणा में 5 एकड़ में बनी 2 कॉलोनियां ध्वस्त

पलवल। जिला नगर योजनाकार विभाग की टीम ने फाजलपुर व खजूरका गांव में अवैध रूप से बनाई जा रही कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया है। विभाग ने 5 एकड़ में बनी दो अवैध कॉलोनियों के कमरे, चारदीवारी व सड़कें ध्वस्त कर दी। जिला नगर योजनाकार अनिल मलिक व भारी पुलिस बल तैनात रहा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com